THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 158 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.11 2083 सोमवार, 7 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

अटलांटिक फ़्लाइट की बंगलूरू में इमरजेंसी लैंडिंग

बंगलूरू , 6 सितंबर (एजेंसियां)। रविवार सुबह बंगलूरू से लंदन जा रही वर्जिन अटलांटिक की फ़्लाइट को उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस लौटना पड़ा। विमान ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से करीब सुबह 8:20 बजे उड़ान भरी थी।

लेकिन उड़ान के तुरंत बाद विमान में तकनीकी समस्या सामने आई। इसके बाद चालक दल ने विमान को वापस बंगलूरू लाने का फैसला किया। विमान में करीब 270 यात्री सवार थे और सभी की सुरक्षा को देखते हुए इसे वापस लाया गया। तकनीकी दिक्कत सामने आने के बाद विमान ने सीधे अपनी उड़ान जारी नहीं रखी और बंगलूरू लौट गया।

एक्शन मोड में पीएम मोदी

आज शाम मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा, सोशल सेक्टर पर रहेगा खास फोकस

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में परफार्मेंस की समीक्षा के लिए आज शाम एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें खास तौर पर सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण के सेक्टर पर फोकस रहेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों, मंत्रियों और उनके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा. समीक्षा बैठक के लिए सिर्फ उन राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों के एक वर्ग को बुलाया गया है जिनका मंत्रालय सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण से संबंधित है।

किन मंत्रालयों के काम की होगी समीक्षा?

जिन मंत्रालयों पर कल की बैठक में फोकस रहेगा और जिनके कामकाज की समीक्षा होगी उसमें शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, कृषि मंत्रालय आदि शामिल हैं. इसमें मंत्रियों के कामकाज का आकलन होगा। जवाबदेही पर भी चर्चा होगी. ऐसी और बैठकें भी राज्यमंत्रियों के दूसरे वर्ग के साथ आने वाले दिनों में होंगी। इन बैठकों को राज्यमंत्रियों की परफार्मेंस से भी जोड़ा जा रहा है जिसका भविष्य में होने वाली कैबिनेट फेरबदल में भी असर देखने को मिल सकता है. कैबिनेट विस्तार के समय ऐसा पहले से होता आ रहा है।

'कामों की हो लगातार समीक्षा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा था कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को तय समय में लागू किया जाना चाहिए। साथ ही, इन कामों की लगातार समीक्षा भी होनी चाहिए, ताकि जरूरत के मुताबिक सुधार किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने शहरों की बढ़ती आबादी और भविष्य में पानी की जरूरत जैसी चुनौतियों को लेकर स्थानीय निकायों को जागरूक करने की बात कही। उन्होंने शहरी इलाकों में पानी की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बेहतर तैयारी करने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाने वाली तकनीकों को ज्यादा अपनाने को कहा। उन्होंने भारतीय निर्माताओं और संबंधित लोगों को बेहतर और असरदार समाधान विकसित करने और उन्हें बड़े पैमाने पर लागू करने में मदद करने के लिए खास प्रदर्शनियों और वर्कशॉप का सुझाव दिया। इनके जरिए दुनिया भर के बेहतरीन तरीकों की जानकारी भी शामिल हो।

दिल्ली में 50 साल पुरानी बिल्डिंग गिरी, 4 की मौत

हादसे के वक्त 50 से ज्यादा लोग अंदर मौजूद थे; बेसमेंट में खुदाई जारी थी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 4 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी।

बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मलबे में दबे एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर शेयर किया। उसने लोगों से रेस्क्यू की अपील की। घटनास्थल पर मौजूद एक युवक ने बताया कि यह युवक उसका दोस्त है। वह बार-बार फोन करके कह रहा है कि मुझे बचा लो। घटना दोपहर 1:30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई छात्र आवास हैं और आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज जैसे संस्थान हैं। इसी वजह से यहां दिनभर छात्रों की आवाजाही रहती है। हालांकि, सत्य निकेतन में कुल कितने छात्र रहते हैं, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

>12

अमित शाह ने रद्द किया गोवा दौरा

हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोवा का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना के बाद दिल्ली में राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। मलबे में लोगों के फंसे होने की सूचना के बाद कई एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और युद्ध स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि डीडीएमए, एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, एमसीडी, कैट्स और सिविल डिफेंस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि एहतियात के तौर पर बगल की इमारत को भी खाली करा लिया गया है। उन्होंने कहा कि फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित परिवारों को तत्काल मदद पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

'दिमागी नक्सल' पर घमासान

सीजेपी बोली- युवाओं को उम्मीद दें, ऐसे लेबल नहीं

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में दिए भाषण पर विवाद शुरू हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने उनके 'दिमागी नक्सल' वाले बयान की आलोचना की है। संगठन ने कहा कि प्रधानमंत्री को युवाओं की शिक्षा, रोजगार और छात्र कल्याण जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए थी।

सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने कहा कि देश के प्रमुख कॉलेजों में से एक में सवाल पूछने वाली युवा पीढ़ी को 'दिमागी नक्सल' कहना प्रधानमंत्री के लिए बेहद शर्मनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को युवाओं को उम्मीद देनी चाहिए, न कि ऐसे लेबल लगाने चाहिए।

दास ने कहा कि प्रधानमंत्री एसआरसीसी के शिक्षकों की मेडिकल और चाइल्डकेयर लीव से जुड़ी चिंताओं, कॉलेज के कमजोर होते बुनियादी ढांचे और छात्रों पर बढ़ते प्रतिस्पर्धी दबाव जैसे मुद्दों पर बात कर सकते थे। उनके मुताबिक, शिक्षक दिवस के मौके पर युवाओं के सवालों का जवाब देना ज्यादा जरूरी था।

सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा कि एसआरसीसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के समारोह में शिक्षा, रोजगार और छात्रों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की उम्मीद थी।

खुफिया सूचना पर सेना की कार्रवाई 20 किलो विस्फोटक बरामद

इंफाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के जंगलों में भारतीय सेना ने खुफिया सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई की है। यहां भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है। भारतीय सेना की स्पीयर कोर के तहत सुरक्षा बलों ने स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान मणिपुर के लेशाबीथोल और अहमादाबाद के बीच घने जंगलों में छिपाकर रखे गए तीन आईईडी बरामद किए गए। सेना के मुताबिक, इन तीनों आईईडी का कुल वजन करीब 20 किलोग्राम है।

जंगल के बीच विस्फोटकों की यह मौजूदगी सामने आने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को सुरक्षित कर लिया। इसके बाद नियंत्रित कार्रवाई के तहत मौके पर ही तीनों आईईडी को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई से संभावित बड़ी वारदात को समय रहते टाल दिया गया। घने जंगल में छिपाकर रखे गए इन विस्फोटकों से आम लोगों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता था।

गरबा में मुस्लिमों की एंट्री पर बवाल क्यों?

संजय राउत ने उठाए सवाल, बोले- मोहन भागवत से पूछिए

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अगले महीने होने वाले नवरात्रि उत्सव से पहले गरबा और डांडिया आयोजनों को लेकर विवाद तेज हो गया है। विश्व हिंदू परिषद ने मुसलमानों को गरबा और डांडिया कार्यक्रमों से दूर रखने की बात कही है। संगठन ने आयोजकों के लिए कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इनमें कार्यक्रम में आने वाले लोगों की पहचान जांचने और आधार कार्ड देखने जैसी बातें शामिल हैं। इस साल नवरात्रि 11 अक्तूबर से शुरू होगी।

विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता और संयुक्त सचिव श्रीराज नायर ने कहा कि संगठन ने नवरात्रि के दौरान गरबा-डांडिया में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भागीदारी नहीं होने देने का फैसला किया है। उनका तर्क है कि नवरात्रि देवी की पूजा का पर्व है और इसमें धार्मिक मान्यताओं से जुड़े नियमों का पालन होना चाहिए। वीएचपी ने इसे किसी समुदाय के खिलाफ कदम नहीं, बल्कि हिंदू त्योहारों के सांस्कृतिक स्वरूप को बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय बताया है। संगठन ने प्रतिभागियों की पहचान की जांच और माथे पर तिलक लगाने का सुझाव भी दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने वीएचपी के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने भी भारत की आजादी और सांस्कृतिक संघर्ष में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संजय राउत बोले- जेल जाने के बाद उन्हें कैंसर हुआ

राहुल ने पॉइजन टेस्ट की सलाह दी थी, शिवसेना यूबीटी सांसद ने 100 दिन जेल में बिताए थे

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें जेल में रहने के दौरान ही कैंसर की बीमारी शुरू हुई थी। राउत 2022 में पत्रा चॉल पुनर्विकास मामले में कथित भूमिका के चलते 100 से ज्यादा दिन जेल में रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें टॉक्सिसिटी टेस्ट कराने की सलाह दी थी, ताकि पता चल सके कि उनके खाने में जहर तो नहीं मिलाया गया था। राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार इतनी क्रूर है कि वह कुछ भी कर सकती है। जेल में रहे दूसरे राजनीतिक नेताओं की हालत भी खराब है। संजय राउत को 1 अगस्त 2022 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। वह मुंबई की आर्थर रोड जेल में 101 दिन रहे। 9 नवंबर 2022 को पीएमएलए कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए।

नक्सलवाद के बाद नशा भी खत्म करेंगे : शाह

रेड कॉरिडोर की सोच वालों ने हथियार डाले; नॉर्थईस्ट में 10 हजार युवाओं का आत्मसमर्पण

गोवा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि सरकार ने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। अब नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटा जाएगा।

उन्होंने कहा कि, नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे। जिन्होंने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर की कल्पना की थी, उन्होंने अब अपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। दरअसल, अमित शाह गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ये बयान दिया।

3 साल का अभियान: अमित शाह ने कहा- पूरा देश नशा मुक्त भारत के तीन साल के अभियान का समर्थन करेगा। आज आपसे बात करने का उद्देश्य गोवा के पूरे मीडिया से यह अनुरोध करना भी है कि भारत को नशा मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारी मदद करें।

1 करोड़ किलो से ज्यादा नशीले पदार्थ जब्त: उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। जबकि, 2014 और 2026 के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गया।

1 लाख नशामुक्ती मित्र तैयार किए जाएंगे: गृह मंत्री ने कहा कि अभियान 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचेगा। अभी हाल ही में, प्रधानमंत्री ने एक ही कार्यक्रम में 1 करोड़ युवाओं के साथ बातचीत की। हम 1 लाख 'नशामुक्ति मित्रों' को प्रशिक्षित करने जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा था कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा था- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा।

बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई: 17 करोड़ से ज्यादा का सोना जब्त

कोलकाता, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तस्करी के खिलाफ एक बेहद बड़ी और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुस्तैद जवानों ने गश्त के दौरान एक बांग्लादेशी नागरिक को भारी मात्रा में सोने के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी सोने की एक बड़ी खेप को भारतीय सीमा के भीतर पहुंचाने की फिराक में था। हालांकि, जवानों की सतर्कता की वजह से तस्कर के मंसूबों पर पूरी तरह से पानी फिर गया।

बीएसएफअधिकारियों द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम नादिया जिले के हलदारपारा बॉर्डर आउटपोस्ट के पास यह पूरी कार्रवाई की गई। इस इलाके की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफकी 32वीं बटालियन के पास है। जब जवानों ने बांग्लादेशी नागरिक को घेरकर उसकी तलाशी ली, तो उनके पास से कुल 89 सोने के बिस्किट बरामद किए गए। जब इस जब्त किए गए सोने का वजन कराया गया, तो वह 11.28 किलोग्राम से अधिक निकला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस जब्त सोने की कुल अनुमानित कीमत करीब 17.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सोने की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद बीएसएफके अधिकारियों और जवानों ने तुरंत उस बांग्लादेशी नागरिक को अपनी कस्टडी में ले लिया।

प्राथमिक पूछताछ और शुरुआती कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद बीएसएफ ने आरोपी तस्कर और बरामद किए गए सोने के बिस्किटों को आगे की जांच के लिए राजस्व गुप्तचर निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों को सौंप दिया है। अब डीआरआई की टीम इस बात का पता लगा रही है कि सोने की इतनी बड़ी खेप को भारत में किस सिंडिकेट तक पहुंचाया जाना था और इसके पीछे कौन-कौन से बड़े तस्कर शामिल हैं।

कर्मचारियों का सवाल- क्या इसरो रॉकेट नहीं बनाएगा?

9 संगठनों ने प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा; कांग्रेस बोली- साराभाई की विरासत खत्म की जा रही

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने स्पेस एजेंसी के चेयरपर्सन वी. नारायणन को पत्र लिखकर प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि सरकारी संस्थानों में निजी कंपनियों की भागीदारी हो सकती है, लेकिन इसरो मजबूत संगठन बना रहना चाहिए। इसे केवल सीमित रिसर्च एंड डेवलपमेंट संस्था तक सीमित न कर दिया जाए।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने X पर लिखा कि स्पेस एजेंसी के अंदर से आवाजें उठने लगी हैं। जब साराभाई और धवन की विरासत को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है तो बाकी लोगों को भी चुप नहीं रहना चाहिए।

21 अगस्त को इन-स्पेस चेयरपर्सन पवन गोयनका ने एक कार्यक्रम में कहा कि आखिरकार इसरो कोई लॉन्च व्हीकल नहीं बनाएगा और न ही किसी लॉन्च व्हीकल का निर्माण करेगा। यह सब निजी क्षेत्र या पीएसयू करेगा। निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष गतिविधियों को बढ़ावा देने, मंजूरी देने और उनकी निगरानी का काम करता है।

कर्मचारी संगठन ने कहा कि इसरो की तकनीक, टेस्ट फैसिलिटी और लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर जनता के पैसे से तैयार हुए हैं, इसलिए इन्हें निजी कंपनियों को देने की प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए।

जयराम रमेश ने X पर लिखा कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर मोदी सरकार इसरो की भूमिका कम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसरो की बनाई तकनीक और क्षमता निजी कंपनियों को दी जा रही है। जिनका भविष्य क्या होगा, किसी को नहीं पता।

इसरो की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी। इसका पूरा नाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन है। इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। इसरो की स्थापना में डॉ. विक्रम साराभाई की सबसे अहम भूमिका थी। उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक कहा जाता है।

ईरान में ईंधन टैंकर में हुआ जोरदार धमाका

आग की चपेट में आईं कई गाड़ियां; 11 की मौत, 7 घायल

तेहरान, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी ईरान में एक ईंधन टैंकर में भीषण विस्फोट हो गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हुए हैं। घटना ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत के सनंदाज काउंटी और हमेदान प्रांत के हमेदान काउंटी को जोड़ने वाले अंतर-शहरी मार्ग पर हुई। स्थानीय सरकारी मीडिया के मुताबिक, टैंकर की टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और आस-पास मौजूद कई कारों में भी आग लग गई।

हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। कुर्दिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज की आपातकालीन चिकित्सा सेवा के प्रमुख बाबक होदाई के अनुसार, टैंकर के विस्फोट के बाद आस-पास के कई वाहन भी आग की चपेट में आ गए। हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और सात लोग घायल हुए। घायलों को इलाज के लिए सनंदाज स्थित चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। अधिकारियों की ओर से मृतकों की पहचान और घायलों की स्थिति के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, टैंकर ने अन्य वाहनों को टक्कर मारने के बाद आग पकड़ ली और उसमें विस्फोट हो गया। यह घटना सनंदाज के पास एक ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के नजदीक बताई गई थी। प्रारंभिक जानकारी में हादसे की वजह टैंकर के ब्रेक सिस्टम में खराबी को बताया गया। हालांकि, बाद की सरकारी मीडिया रिपोर्टों में दुर्घटना की जगह को कुर्दिस्तान और हमेदान प्रांतों को जोड़ने वाले अंतर-शहरी मार्ग के रूप में बताया गया है। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

नए नक्शे को भारत का समर्थन, लेकिन शर्त भी लगाई

विदेश मंत्रालय बोला- कश्मीर पर संप्रभुता से समझौता नहीं

नई दिल्ली , 6 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के वास्तविक क्षेत्रफल को बेहतर तरीके से दिखाने वाली मानचित्र प्रणालियों को बढ़ावा देने से जुड़ा एक प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव को लेकर मीडिया के सवालों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत का रुख स्पष्ट किया। जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर 2026 को 'करेक्ट द मैप: ग्लोबल कार्टोग्राफिक रिप्रेजेंटेशन को रीबैलेंस करना और दुनिया के रीजन्स के बराबर रिप्रेजेंटैशन को बढ़ावा देना' शीर्षक वाला प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे विश्व मानचित्र प्रक्षेपों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करना है, जिनमें विभिन्न महाद्वीपों के भू-भाग का आपसी आकार अधिक सही तरीके से दिखे।

रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव किसी खास विश्व मानचित्र को अपनाता या प्रमाणित नहीं करता है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव राजनीतिक मानचित्रण से भी संबंधित नहीं है। इसमें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम जैसे मुद्दों पर कोई फैसला नहीं किया गया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। भारत ने अपने वोट की व्याख्या में क्षेत्रफल को समान रूप से दर्शाने वाली मानचित्र प्रणालियों को बढ़ावा देने के मूल सिद्धांत पर जोर दिया। भारत ने साथ ही स्पष्ट किया कि प्रस्ताव को किसी विशेष नक्शे, मानचित्र प्रक्षेप या राष्ट्रीय सीमाओं के किसी खास चित्रण की स्वीकृति के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत का संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं, भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के क्षेत्र का कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार्य नहीं है। भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर देश का रुख स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर-परक्राम्य है।

दिल्ली पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता, मोनू पोचनपुरिया गैंग का शातिर बदमाश राजीव डागर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात मोनू पोचनपुरिया गिरोह के सदस्य राजीव डागर उर्फ मोनू पोचनपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। इसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट आदि के 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से दो पिस्टल और 16 कारतूस बरामद किए गए हैं।

समय रहते की गई कार्रवाई से गैंगवार और किसी बड़ी हिंसक वारदात की आशंका को टाल दिया गया। सूचना मिली थी कि राजीव डागर अवैध हथियारों के साथ जनकपुरी इलाके में आने वाला है। सूचना मिलते ही डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मार्गदर्शन और एसीपी राज कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर प्रकाश चंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हयात होटल, जनकपुरी के पास सफेद रंग की टोयोटा यारिस कार को रोका। बदमाश ने कार भगाकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

महाराष्ट्र में छात्रों का आंदोलन क्यों बढ़ा?

सड़कों पर उतरे हजारों युवा; राहुल गांधी ने सरकार को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं और इसकी वजह सिर्फ किसी एक परीक्षा या भर्ती का मुद्दा नहीं है। उनके मुताबिक, छात्रों का भरोसा पूरी व्यवस्था से टूट गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को छात्रों की आवाज सुनकर तुरंत कदम उठाना चाहिए, वरना छात्रों की गूंज और तेज होती जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र हो या राज्य सरकार, भाजपा शासन में हर छात्र परेशान है।

उन्होंने पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं के अटकने, शिक्षा की बढ़ती लागत, हॉस्टल की खराब और अमानवीय स्थिति, खराब भोजन और डीबीटी में धोखाधड़ी जैसे मुद्दे गिनाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग यानी एमपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर नियंत्रण कर उसकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए की जा रही उनकी हर मांग जायज है। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की भर्ती परीक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है। इस समिति का मकसद परीक्षा व्यवस्था को ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित, भरोसेमंद और उम्मीदवारों के लिए बेहतर बनाना है।

> महाराष्ट्र में हजारों छात्र सड़कों पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। वजह सिर्फ एक परीक्षा या भर्ती नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम से उनका भरोसा टूट चुका है।
>
> राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

सरकार की बनाई समिति किन मुद्दों की जांच करेगी?

सरकार की समीक्षा में पूरी परीक्षा प्रक्रिया को शामिल किया गया है। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी जांच, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षित रखरखाव, परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था और सुरक्षा, तकनीक का इस्तेमाल, नकल और दूसरी गड़बड़ियों को रोकना, अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल, शिकायतों के समाधान और उम्मीदवारों के पूरे परीक्षा अनुभव की समीक्षा होगी। यानी परीक्षा शुरू होने से लेकर परिणाम और शिकायत निवारण तक पूरी व्यवस्था पर नजर डाली जाएगी।

महाराष्ट्र में छात्रों का आंदोलन क्यों बढ़ा?

महाराष्ट्र में आदिवासी छात्रों और नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने हॉस्टल की खराब स्थिति, छात्रों की सुरक्षा और परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों के बाद राज्य सरकार ने छात्रों की कुछ प्रमुख मांगें स्वीकार कीं और परीक्षा सुधार के लिए नया पैनल बनाने का फैसला किया। इससे साफ है कि आंदोलन का दायरा केवल भर्ती परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा और छात्रों की बुनियादी सुविधाएं भी इसका बड़ा हिस्सा हैं।

राहुल गांधी ने सरकार को क्या चेतावनी दी?

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को छात्रों की आवाज सुनकर तत्काल कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 'छात्रों की गूंज' और तेज होगी और न्याय मिलने तक यह आवाज उठती रहेगी। उनके बयान ने महाराष्ट्र में चल रहे छात्र आंदोलनों को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। अब नजर इस बात पर है कि सरकार द्वारा बनाई गई उच्चस्तरीय समिति छात्रों की शिकायतों और परीक्षा व्यवस्था की खामियों पर कितनी प्रभावी कार्रवाई करती है।

विज़ाग ज़ू को गुजरात के मंदिर ट्रस्ट के साथ जानवरों के आदान-प्रदान में चार नई प्रजातियां मिलीं

विशाखापत्तनम, 6 सितंबर (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम के इंदिरा गांधी ज़ूलॉजिकल पार्क (आईजीजेडपी) को गुजरात के जामनगर ज़िले के मोती खावड़ी स्थित 'राधे कृष्ण मंदिर एलीफेंट वेलफेयर ट्रस्ट' से अंतर-राज्यीय पशु आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चार प्रजातियां मिली हैं। ये जानवर तड़के आईजीजेडपी पहुंचे। इस आदान-प्रदान के तहत, आईजीजेडपी द्वारा भेजे गए तीन इंडियन गौर (एक नर और दो मादा) के बदले में तीन ज़ेबरा (एक नर और दो मादा) प्राप्त किए गए।

इसी तरह, एक नर और दो मादा रेड-नेक्ड वालाबी के बदले ट्रस्ट को चार स्टंप-टेल्ड मकाक (दो नर और दो मादा) भेजे गए। दो घड़ियाल (एक नर और एक मादा) का आदान-प्रदान चार कॉटन-टॉप टैमरिन (दो नर और दो मादा) के साथ किया गया। जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, आईजीजेडपी की क्यूरेटर जी। मंगम्मा ने कहा कि नई प्रजातियां ज़ू के कलेक्शन में इजाफा करेंगी और दर्शकों को ऐसी प्रजातियां देखने का मौका देंगी जो पहले वहां नहीं थीं।

मंगम्मा ने बताया कि यह आदान-प्रदान दोनों संस्थानों में अतिरिक्त और ज़रूरी जानवरों की पहचान करने, सेंट्रल ज़ू अथॉरिटी से मंज़ूरी लेने और पशु कल्याण नियमों के अनुसार परिवहन से पहले स्वास्थ्य जांच और सुरक्षित परिवहन पूरा करने के बाद किया गया। यह हालिया आदान-प्रदान आईजीजेडपी द्वारा चलाए जा रहे ऐसे ही कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें सितंबर 2025 में कानपुर ज़ूलॉजिकल पार्क, नवंबर 2025 में भगवान बिरसा बायोलॉजिकल पार्क, रांची, और मार्च 2026 में असम के ज़ू और नंदनकानन बायोलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर के साथ आदान-प्रदान शामिल हैं।

मणिपुर मुठभेड़ में यूकेएनए के दो उग्रवादी मारे गए

दो घायल; हथियारों का जखीरा बरामद

इंफाल/चुराचांदपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में यूकेएनए के दो उग्रवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने 29 अगस्त की रात हेंगलेप सब-डिविजन के फाइबोंग गांव में एक ऑपरेशन शुरू किया। उन्होंने बताया कि बलों ने यूकेएनए कैंप पर निगरानी रखी और 2 सितंबर की सुबह 5 बजे रणनीतिक रूप से कैंप के करीब पहुंचना शुरू किया। उन्होंने कहा कि यूकेएनए के सदस्यों ने सुबह करीब 5.30 बजे अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सैनिकों ने नियंत्रित गोलीबारी की।

असम राइफल्स ने रात सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि यूकेएनए के 2 सदस्य मारे गए और 2 घायल हुए हैं। यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) केंद्र, मणिपुर सरकार और कई कुकी और ज़ोमी सशस्त्र संगठनों के बीच हस्ताक्षरित 'सस्पेंशन ऑफ़ ऑपरेशन्स' (एसएसओ) समझौते का हिस्सा नहीं है। असम राइफल्स ने बताया कि बाद में कैंप की तलाशी लेने पर दो एमए राइफल, एक एके-56 राइफल, एक लाथोड गन, सात लाथोड ग्रेनेड, 15 एके मैगज़ीन, 371 एके-56 राउंड, 601 एमए राइफल राउंड, 172 एसएलआर राउंड, 15 कॉम्बैट यूनिफॉर्म और सात गोला-बारूद पाउच बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि आसपास के जंगलों में ऑपरेशन जारी है।

जेएनयू के प्रोफेसर पर छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप लगे, 10 छात्राओं ने आईसीसी से शिकायत की

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के प्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से जुड़ी चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक जेएनयू प्रोफेसर पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 छात्राओं ने विश्वविद्यालय की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी (आईसीसी) के पास ये शिकायत की है। जेएनयू प्रोफेसर के खिलाफ शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि प्रोफेसर, छात्राओं को अपने घर पर होने वाली बैठकों में बुलाते थे। यहां उनके साथ कथित तौर पर अनुचित व्यवहार किया जाता था।

कुछ छात्राओं ने क्लास के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने का भी आरोप लगाया है। सूत्रों का कहना है कि इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी (आईसीसी) को ये शिकायतें करीब एक महीने पहले प्राप्त हुई थीं। समिति अब पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के दौरान विश्वविद्यालय की पूर्व छात्राओं से भी जानकारी जुटाए जाने की संभावना है। फिलहाल इस मामले में पुलिस के पास किसी तरह की शिकायत दर्ज होने की जानकारी नहीं है। आईसीसी की जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े आरोपों और आगे की कार्रवाई को लेकर जानकारी मिल सकेगी।

बता दें कि इस मामले में अब तक जेएनयू की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अभी एलिगेशन हैं और कमेटी बनी है। इससे पहले जेएनयू उस समय चर्चा में आया था, जब उसने उमर खालिद की किताब पर चर्चा का कार्यक्रम रद्द कर दिया था और ऑडिटोरियम की बुकिंग कैंसिल कर दी थी। ये कार्यक्रम 10 अगस्त को आयोजित होना था।

जेएनयू के नोटिस में बताया गया था कि ये बुकिंग इसलिए रद्द की गई, क्योंकि ऑडिटोरियम के लिए जमा किए गए आवेदन फॉर्म में प्रस्तावित कार्यक्रम के पूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। प्रशासन का कहना था कि परिसर के भीतर ऑडिटोरियम और अन्य स्थानों के उपयोग में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

नीशू आजाद ने रात में घर पर पथराव का आरोप लगाया बालकनी में आकर गिरे पत्थर; दहशत में परिवार

गाजियाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में रात कुछ लोगों द्वारा यूट्यूबर और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कार्यकर्ता नीशू आजाद के घर पर पथराव करने का आरोप है। पथराव के दौरान कई पत्थर घर की बालकनी में आकर गिरे। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। नीशू ने इसको लेकर रात को सोशल मीडिया में वीडियो जारी किया।

उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता और परिवार की सुरक्षा की मांग की। नीशू आजाद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने घर की ओर पत्थर फेंके। अचानक हुए पथराव से परिवार के लोग घबरा गए। पत्थर घर की बालकनी तक पहुंचे, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पुलिस की टीम इस मामले की जांच की जा रही है।

'नौ महीने से काम नहीं'

नई पोस्टिंग में भी सीनियर से खटपट, आईएएस निधि निवेदिता और नेहा मारव्या को सरकार ने फिर हटाया, कौन हैं दोनों?

भोपाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में फिर से प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। इस सूची में दो ऐसे आईएएस अधिकारियों के नाम हैं, जिनके विवादों की लंबी फेहरिस्त है। विवादों की वजह से दोनों हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। बात कर रहे हैं सीनियर आईएएस अधिकारी निधि निवेदिता और नेहा मारव्या की। दोनों को सरकार ने एक बार फिर से उनके विभागों से हटा दिया है। कथित रूप से दोनों अधिकारियों की उनके सीनियरों के साथ पटरी नहीं बैठ रही थी। 2011 बैच की आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या पहली बार तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने एक पोस्ट किया था। दिसंबर 2024 में अफसरों की मीटिंग के दौरान नेहा मारव्या का दर्द छलक उठा था।

उन्होंने कहा था कि 14 साल की नौकरी में मुझे कभी फिल्ड पोस्टिंग नहीं मिली। यही नहीं, उन्होंने यह भी लिखा था कि मैं राजस्व विभाग में उपसचिव हूं लेकिन नौ महीने से मेरे पास कोई काम नहीं है। इस पोस्ट के बाद प्रशासनिक गलियारे में चर्चा तेज हो गई। इसके बाद जनवरी 2025 में उन्होंने फील्ड ड्यूटी मिल गई। आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या को डिंडोरी का कलेक्टर बनाया गया। लेकिन वहां भी उनकी कार्यशैली विवादों में आ गई। स्थानीय नेताओं के साथ पटरी नहीं बैठ रही थी। आठ महीने बाद ही उन्हें कलेक्टर पद से हटा दिया गया है। आईएएस अफसर नेहा मारव्या को आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाओं में संचालक बनाया गया। मगर यहां भी वह विवादों में घिर गईं। आरोप है कि आदिमजाति क्षेत्रों में पोषण बढ़ाने की योजना में नेहा ने निर्देश दिए थे वेरिफिकेशन के बाद ही मदद जारी करें। इसकी वजह से तीन महीने तक मदद नहीं पहुंची।

कथित रूप से विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने जवाब मांगा तो बहस हो गई। फिर कर्मचारियों ने भी इनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 2012 बैच की आईएएस अफसर निधि निवेदिता भी कड़क मिजाज की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। कमलनाथ की सरकार के दौरान निधि निवेदिता राजगढ़ जिले की कलेक्टर थीं। बीजेपी की तरफ से सीएए के समर्थन में रैली आयोजित की गई थी। इस रैली में उन्होंने बीजेपी के नेता को थप्पड़ जड़ दिया था।

'मैं अगले चुनाव में कांग्रेस को वोट नहीं दूंगी', जब मुस्लिम महिला ने कर्नाटक के मंत्री को धर के सुना दिया

बेंगलूरू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान उस वक्त माहौल गरमा गया, जब एक मुस्लिम महिला ने मंच के सामने ही अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर कर दी। महिला ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए और कहा कि अगर इसी तरह लोगों को परेशान किया जाता रहा तो वह अगले चुनाव में कांग्रेस को वोट नहीं देगी। मामला बेंगलुरु के देवनहल्ली तालुक के विजयपुरा कस्बे का बताया जा रहा है। यहां सामाजिक कल्याण विभाग की ओर से जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सामाजिक कल्याण मंत्री के।एच। मुनियप्पा भी मौजूद थे। महिला का आरोप था कि वह सुबह से अपनी समस्या लेकर बैठी थी, लेकिन कोई उसकी बात सुनने को तैयार नहीं था। महिला की नाराजगी सिर्फ शिकायत करने तक नहीं रुकी। तस्लीमा नाम की महिला ने अधिकारियों पर जाति प्रमाण पत्र और राशन कार्ड से जुड़े आवेदनों में लापरवाही का आरोप लगाया। उसने कहा कि उसके पास आधार कार्ड और वोटर आईडी के अलावा कोई जरूरी दस्तावेज नहीं है। आवेदन लेकर पहुंचने पर भी अधिकारी उसे स्वीकार नहीं कर रहे थे। महिला का दावा था कि कार्यक्रम में कुछ चुनिंदा लोगों को ही मंच पर बुलाया जा रहा था। इससे वह भड़क गई। उसने अपना भरा हुआ आवेदन तक फाड़ दिया और सरकार तथा अधिकारियों के खिलाफ जमकर गुस्सा जाहिर किया।

आंध्र हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस ने बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई

अमरावती, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस लिसा गिल ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, चाइल्ड वेलफेयर कमिटी और स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट में ट्रेंड स्टाफ की कमी और बच्चों के अनुकूल प्रक्रियाओं को लागू करने में कमियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन कमियों के कारण एक दशक बाद भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विजयवाड़ा में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के लागू होने के एक दशक पूरे होने के मौके पर एक राज्य-स्तरीय चर्चा बैठक हुई। इसमें चीफ जस्टिस ने अगले दशक में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के रोडमैप पर चर्चा की। यह कार्यक्रम डॉ. बी आर। अंबेडकर कला वेदिका में आयोजित किया गया और चीफ जस्टिस लिसा गिल मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है और सभी संबंधित लोगों से अपील की कि वे इस चर्चा को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया न समझें, बल्कि बच्चों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश के रूप में देखें। लिसा गिल ने कहा कि कानून के साथ टकराव वाले बच्चों और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों के साथ सबसे पहले बच्चों जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए और मदद देते समय उनकी कमजोरियों का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न और बच्चों से भीख मंगवाने जैसी समस्याओं से निपटने के लिए न्यायपालिका, पुलिस, कल्याण विभागों, कानूनी सेवा प्राधिकरणों और नागरिक समाज के बीच समन्वित कार्रवाई पर जोर दिया।

उन्होंने उन 21 बच्चों को सम्मानित किया जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया और रोल मॉडल के रूप में उभरे। हाई कोर्ट की जुवेनाइल जस्टिस कमिटी के चेयरमैन जस्टिस बट्टू देवानंद ने कहा कि गरीबी, शहरीकरण और अशिक्षा से उत्पन्न किशोर अपराधों का समाधान केवल हिरासत या सजा से नहीं किया जा सकता। उन्होंने देखभाल, सुरक्षा, शिक्षा और पुनर्वास पर अधिक जोर देने की बात कही। जस्टिस चल्ला गुना रंजन ने कहा कि इस दशक का उपयोग यह आकलन करने के लिए किया जाना चाहिए कि क्या कानून द्वारा दी गई गारंटी हर बच्चे तक पहुंच रही है या नहीं। उन्होंने मामलों के त्वरित निपटान, पुनर्वास, समाज में फिर से शामिल करने, मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के अवसरों और संस्थागत निगरानी पर जोर दिया।

170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर को तोड़ने पहुंचा निगम

लेकिन मूर्ति नहीं हटा पाया, अधिकारियों के फूले हाथ-पैर

उज्जैन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के 170 साल पुराने प्राचीन 'खड़े हनुमान मंदिर' को हटाने के लिए पहुंची नगर निगम की टीम अब खुद बड़ी मुश्किल में फंस गई है। कार्रवाई के दौरान निगम ने मंदिर के कुछ हिस्सों को तो तोड़ दिया, लेकिन जब बारी महाबली हनुमान की मुख्य प्रतिमा को हटाने की आई, तो अधिकारियों के पसीने छूट गए। शुरुआती कार्रवाई के बाद जब मूर्ति को हटाने का प्रयास किया गया, तो पुरातत्व विभाग की टीम ने तुरंत दखल दिया।

विभाग की शुरुआती जांच और विशेषज्ञों की चेतावनी के बाद यह आशंका जताई गई है कि इस प्राचीन प्रतिमा को हिलाने या निकालने की किसी भी कोशिश से इसमें गहरी दरार (क्रैक) आ सकती है।

इसका मतलब साफ है कि मंदिर का बाहरी ढांचा या हिस्सा तो हटाया जा सकता है, लेकिन करीब 170 साल पुरानी इस चमत्कारिक प्रतिमा को बिना नुकसान पहुंचाए हटाना प्रशासन के लिए नामुमकिन सा साबित हो रहा है। जैसे ही मंदिर तोड़े जाने और मूर्ति को हटाने की खबर फैली, मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु और हिंदूवादी संगठनों के लोग इकट्ठा हो गए। मंदिर के टूटने के दौरान कई भक्तों की आंखों में आंसू भी आ गए। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ ईंट-पत्थरों से बनी कोई संरचना नहीं है, बल्कि यह स्थान इलाके के हजारों लोगों की गहरी आस्था और विश्वास का केंद्र है। पुजारियों और संगठनों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि वे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ न करें।

इस अजीबोगरीब स्थिति ने स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों को मुश्किल में डाल दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि क्या प्रशासन पुरातत्वविदों की मदद से इस मूर्ति को पूरी सुरक्षा के साथ हटा पाएगा, या फिर महाबली हनुमान की इस अडिग आस्था के आगे नगर निगम को अपने कदम पीछे खींचने पड़ेंगे? फिलहाल मौके पर तनाव और असमंजस का माहौल बना हुआ है, और हर किसी की नजरें अगले प्रशासनिक कदम पर टिकी हैं।

लाइव एक्शन देखने को बेताब हैं युवा?

सीएम विजय के भाषण पर टिकीं नजरें, विधानसभा की विजिटर गैलरी में सीटों का अकाल

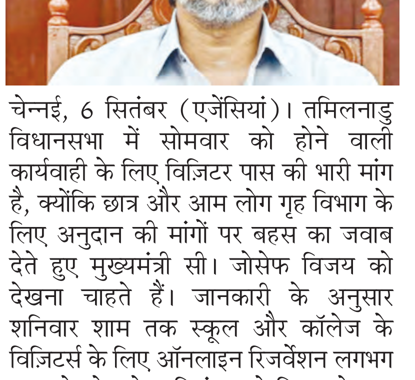

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को होने वाली कार्यवाही के लिए विज़िटर पास की भारी मांग है, क्योंकि छात्र और आम लोग गृह विभाग के लिए अनुदान की मांगों पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय को देखना चाहते हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम तक स्कूल और कॉलेज के विज़िटर्स के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन लगभग भर चुके थे, जो 7 सितंबर को विजय के तय जवाब में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। विधानसभा अधिकारियों ने बताया कि सुबह 11 बजे से 11:30 बजे तक का स्लॉट पूरी तरह बुक हो चुका था, जबकि शाम 7:30 बजे तक सुबह 10:30 बजे तक 11 बजे वाले स्लॉट के लिए कुछ ही सीटें बची थीं। अधिकारियों ने इस भीड़ का मुख्य कारण सदन में मुख्यमंत्री की मौजूदगी और गृह विभाग की बहस का महत्व बताया। यह विभाग पुलिसिंग, कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों को देखता है, जिससे सरकार का जवाब इस सत्र के सबसे अहम पलों में से एक बन जाता है। वहीं, कार्यवाही में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को विधानसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद खास सुविधा के ज़रिए रजिस्टर करना होगा।

यह व्यवस्था शैक्षणिक संस्थानों और व्यक्तिगत छात्रों को उपलब्धता और प्रवेश नियमों के आधार पर पहले से सीटें रिजर्व करने की सुविधा देती है। विज़िटर्स विधानसभा हॉल के अंदर बैठने की दो तरह की सुविधाओं से कार्यवाही देख सकते हैं। इसमें आठ बॉक्स-स्टाइल गैलरी में हर एक में पांच सीटें हैं, जबकि हॉल के दोनों तरफ लगी बेंचों पर एक साथ लगभग 100 से 150 लोग बैठ सकते हैं। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से लोगों की मौजूदगी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

महिला इंजीनियर के ठिकानों पर विजिलेंस की छापेमारी

7 लाख से ज्यादा कैश बरामद

भुवनेश्वर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा विजिलेंस ने केंद्रापाड़ा ड्रेनेज डिवीजन की असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अनुपमा साहू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने उन्हें कथित तौर पर ठेकेदारों से लंबित बिल पास कराने के लिए रिश्वत की रकम इकट्ठा करने के संबंध में मिले इनपुट के आधार पर रोका।

विजिलेंस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि केंद्रापड़ा ड्रेनेज डिवीजन कार्यालय में ठेकेदारों के लंबित बिलों को क्लियर कराने के लिए रिश्वत की रकम इकट्ठा की जा रही है। इसी सूचना के आधार पर ओडिशा विजिलेंस की एक टीम ने मार्शाघाई क्रॉसिंग के पास एनएच-53ए पर अनुपमा साहू को रोका। बताया जा रहा है कि वह अपने कार्यालय से केंद्रापड़ा के नयनविहार स्थित आवास की ओर जा रही थीं। वह कार्यालय के वाहन ओडी-29-एस-6644 में सवार थीं।

विजिलेंस टीम ने उनके पास से 3 लाख 15 हजार रुपये नकद बरामद किए। विजिलेंस के अनुसार, इस रकम को संदिग्ध रूप से अवैध तरीके से अर्जित नकदी माना जा रहा है। अधिकारी इतनी बड़ी मात्रा में नकदी अपने पास रखने के स्रोत के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। इसके बाद नकदी के साथ वाहन को भी जब्त कर लिया गया। नकदी बरामद होने के बाद विजिलेंस ने मामले में आय से अधिक संपत्ति के एंगल से जांच शुरू कर दी। इसके तहत अनुपमा साहू से जुड़े कार्यालय और आवासीय ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान केंद्रापड़ा स्थित उनके आवास से 4 लाख रुपये और नकद बरामद किए गए। इस तरह अब तक की कार्रवाई में उनके पास से कुल 7 लाख 15 हजार रुपये नकद बरामद हो चुके हैं। विजिलेंस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकदी उनके पास कहां से आई। अधिकारी से नकदी के स्रोत को लेकर पूछताछ की जा रही है।

विजिलेंस द्वारा मामले में तलाशी और जांच अभी जारी है। अनुपमा साहू से आगे भी पूछताछ की जा रही है, ताकि बरामद नकदी के स्रोत और पूरे मामले से जुड़ी अन्य जानकारियों का पता लगाया जा सके। फिलहाल, इस कार्रवाई में कुल 7.15 लाख रुपये नकद बरामद होने की जानकारी सामने आई है और विजिलेंस की जांच जारी है। इससे पहले अभी हाल में ही पुरी में गांजा बरामद करने पहुंची पुलिस को एक घर में नोटों का पहाड़ मिला था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 7 सितंबर, 2026 3
मेरा हैदराबाद

सुविचार
जीवन में प्रभु को दिया गया समय या आपके द्वारा की गई पूजा कभी व्यर्थ नहीं जाती और समय आने पर ही उसका फल प्राप्त होता है इसलिए हमेशा प्रभु का सिमरन करते रहे मन से या मन में।

तेलंगाना प्रगति नहीं कर रहा है, बल्कि पतन की ओर अग्रसर : केसीआर

विधानसभा सत्र से पहले विधायकों और एमएलसी को मार्गदर्शन

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री और बीआरएस पार्टी के प्रमुख केसीआर ने रविवार को बीआरएस विधानसभा दल (बीआरएसएलपी) की बैठक के दौरान पार्टी के एमएलसी और विधायकों को मार्गदर्शन दिया। सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र को देखते हुए, केसीआर ने सभी से सत्र में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया। उन्होंने विधायकों को विधानसभा और विधान परिषद दोनों में होने वाली हर चर्चा में भाग लेने, सार्वजनिक मुद्दों के संबंध में राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराने और दोनों सदनों में कांग्रेस और भाजपा की नीतियों का पर्दाफाश करने का निर्देश दिया। केसीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वे विधानसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि रेवंत रेड्डी प्रभावी ढंग से शासन करने में असमर्थता के कारण ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। केसीआर ने कांग्रेस पार्टी के शासन को 'पूरी तरह विफल' और 'तृतीय दर्जे का' प्रशासन बताया और कहा कि पार्टी का सत्ता से बाहर होना अपरिहार्य है। उन्होंने रेवंत रेड्डी की घटिया टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को पता है कि चुनाव में उनकी हार निश्चित है, इसीलिए वे इस तरह की लूटपाट कर रहे हैं। केसीआर ने विधानसभा अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण रवैये की निंदा करते हुए इसे अलोकतांत्रिक बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें विधानसभा में ऐसे व्यक्ति के साथ बहस करने की चुनौती दी जा रही है, जो 'गालियों का उस्ताद' है और बार-बार उनकी मौत की कामना करता है। केसीआर ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में बुरी तरह विफल रही है और तेलंगाना प्रगति नहीं कर रहा है, बल्कि पतन की ओर अग्रसर है।

बीसी एसोसिएशन की बैठक 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णाया ने रविवार को घोषणा की कि पिछड़े वर्गों (बीसी) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने और भविष्य की कार्ययोजना तय करने के लिए 10 सितंबर को हैदराबाद में संघ की एक व्यापक बैठक आयोजित की जाएगी। पिछड़े वर्ग राज्य की आधी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए तुरंत 8,000 करोड़ रुपये जारी करने और मौजूदा ढांचे के तहत योजना को जारी रखने की मांग की। शहर के बशीरबाग प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने स्वीकार किया कि यद्यपि सरकार की नई नीति नेक इरादे से बनाई गई है, फिर भी कॉलेज प्रबंधन उन छात्रों को प्रवेश देने से इनकार कर रहे हैं जो अग्रिम शुल्क का भुगतान करने में असमर्थ हैं और केवल उन्हीं छात्रों को सीटें दे रहे हैं जो शुल्क का भुगतान करने में सक्षम हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि उन छात्रों का क्या होगा जो शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते, क्या उन्हें पढ़ाई का अवसर नहीं मिलना चाहिए? उन्होंने जोर देकर कहा कि शुल्क वापसी योजना पहले की तरह जारी रखी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि शुल्क नीति को लेकर फैली भ्रम की स्थिति के कारण 10,000 छात्र इंजीनियरिंग काउंसलिंग में भाग नहीं ले पाए। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, विशेष रूप से एमबीए और एमसीए में 50% सीटें खाली रह जाती हैं क्योंकि कॉलेज उन छात्रों को प्रवेश देने से इनकार कर देते हैं जिनके पास तुरंत शुल्क जमा करने के साधन नहीं होते। उन्होंने डिग्री कॉलेजों में 70% सीटों के खाली रहने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने राज्य सरकार से पुरानी प्रणाली को बहाल करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने का अवसर मिले।

लोक नृत्यांगना माधुरी राठौड़ ने किया आत्महत्या का प्रयास

साथी लोक कलाकार ईश्वर साई पर धोखा देने का आरोप

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। लोक नृत्यांगना माधुरी राठौड़ द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या के प्रयास की घटना देर से सामने आई। परिवार के सदस्यों के अनुसार, उन्होंने उसके कमरे का ताला लगा दरवाजा तोड़कर उसे बचाया, जब वह छत के पंखे से लटकने की कोशिश कर रही थी।

उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अपने बयान में माधुरी ने आरोप लगाया कि साथी लोक कलाकार ईश्वर साई ने शादी का वादा करके उन्हें धोखा दिया। उन्होंने आगे कहा कि उनके खिलाफ औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे वह बेहद परेशान हो गईं और उन्हें यह चरम कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा।

हरीश ने लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपसभापति टी. हरीश राव ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान न करने के कारण हजारों छात्र संकटग्रस्त स्थिति में धकेल दिए गए हैं और कॉलेजों ने उनके प्रमाण पत्र रोक रखे हैं। कई छात्रों ने मुझसे संपर्क किया है और अपनी परेशानी साझा की है। उन्होंने इंजीनियरिंग और अन्य डिग्री कोर्स पूरे कर लिए हैं, प्रतिष्ठित कंपनियों में 6-7 लाख रुपये के वार्षिक वेतन पैकेज वाली नौकरियां हासिल कर ली हैं और उनके पास ऑफर लेटर भी हैं। हालांकि, वे अपनी नौकरी ज्वाइन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि सरकार द्वारा फीस वापसी का बकाया होने के कारण कॉलेज उन्हें सर्टिफिकेट देने से इनकार कर रहे हैं।, उन्होंने कहा कि छात्रों को अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रमाण पत्रों के बिना कई छात्र नौकरी नहीं कर पा रहे हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आगे की पढ़ाई के लिए विदेश नहीं जा पा रहे हैं। बीआरएस नेता ने कहा कि प्रभावित छात्रों में से कई ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। उनके माता-पिता ने अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए काफी त्याग किया था, इस उम्मीद में कि उन्हें अच्छी नौकरियां मिलेंगी और वे एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने कहा, आज ये माता-पिता भय में जी रहे हैं, उन्हें नहीं पता कि उनके बच्चों का भविष्य क्या होगा। सरकार को ऐसे परिवारों को इस तरह की पीड़ा से गुजारने का कोई अधिकार नहीं है।

सरकारी आदेश संख्या 33 को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए : नारायण

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई राष्ट्रीय नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष डॉ. के. नारायण ने तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा गुर्दा प्रत्यारोपण संबंधी जारी सरकारी आदेश संख्या 33 को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने रविवार को गुंटूर से एक वीडियो संदेश के माध्यम से यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि अतीत में गुर्दा प्रत्यारोपण से जुड़े कई अवैध कृत्य हुए हैं, जिनमें करोड़ों रुपये के कारोबार शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि नए आदेश से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है जहां गरीब और आम लोगों का शोषण हो। नारायण ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गुर्दा प्रत्यारोपण केवल रक्त संबंधियों तक ही सीमित रहे, इसके लिए नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी आदेश संख्या 33 गुर्दा प्रत्यारोपण क्षेत्र में निजी और कॉर्पोरेट अस्पतालों के लिए अधिक अवसर पैदा करने का प्रयास करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे कॉर्पोरेट अस्पतालों द्वारा गुर्दा प्रत्यारोपण को एक बड़े पैमाने के व्यावसायिक उद्यम में बदलने का खतरा है। नारायण ने चिंता व्यक्त की कि अंग प्रत्यारोपण जैसी संवेदनशील चिकित्सा प्रक्रियाओं में व्यावसायिक हितों को प्रवेश की अनुमति देने से गरीबों को गंभीर नुकसान होगा। उन्होंने इस आदेश की आलोचना करते हुए कहा कि इससे आम जनता को लाभ होने के बजाय मुख्य रूप से कॉरपोरेट स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के हितों की पूर्ति होगी। उन्होंने राज्य सरकार से आगामी तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में सरकारी आदेश संख्या 33 के पारित होने की संभावना को देखते हुए सावधानी बरतने का आग्रह किया।

सीएम रेवंत रेड्डी का प्रशासन अक्षम है: दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के एमएलसी दासोजू श्रवण ने रविवार को तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि यह पूरी तरह विफल हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रभावी ढंग से शासन करने में असमर्थ यह प्रशासन केवल छोटी-मोटी राजनीति में समय बिता रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के एर्रावल्ली स्थित आवास पर बीआरएस विधायक दल की बैठक में पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आचरण पर तीखा गुस्सा व्यक्त किया। उन्होंने इंदिरा पार्क में विरोध प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस पार्टी का उपहास उड़ाया और सचिवालय में बैठकर जनता से किए गए 'छह वादों' और 420 प्रतिज्ञाओं को पूरा करने के बजाय विपक्ष पर हमला करने पर ध्यान केंद्रित करने की आलोचना की। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा सड़क छाप भाषा का प्रयोग करने की निंदा करते हुए कहा कि वे शासन करने या वादे पूरे करने में असमर्थ हैं। उन्होंने अनुचित पोस्टर लगाकर केसीआर का अपमान करने की घृणित राजनीति में लिप्त कांग्रेस पार्टी पर आक्रोश व्यक्त किया।

अहिंसा कमजोरी की निशानी नहीं, बल्कि सर्वोच्च शक्ति का प्रतीक : किशन रेड्डी

भारत का पहला 'अहिंसा स्तंभ' हैदराबाद में स्थापित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के मियापुर में पहले 'अहिंसा स्तंभ' के अनावरण समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि भारत का पहला 'अहिंसा स्तंभ' हैदराबाद में स्थापित किया गया है और कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को शांति और अहिंसा का दिव्य संदेश देगा। उन्होंने जैन समुदाय की महिलाओं द्वारा इस महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व करने की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्व को एकता और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने स्तंभ पर अंकित आदर्श वाक्य 'परस्परोपग्रहो जीवनम्' (आत्माएं एक-दूसरे की सेवा करती हैं) के आज के अशांत संसार में अपार महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि अहिंसा केवल शारीरिक हानि का अभाव नहीं है, बल्कि इसमें वाणी, व्यवहार और विचार में इसका अभ्यास करना भी शामिल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अहिंसा कमजोरी की निशानी नहीं, बल्कि सर्वोच्च शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा विकास महिलाओं द्वारा संचालित हो रहा है, और इसका प्रमाण 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' है, जिसके तहत विधायिका में 33% आरक्षण का प्रावधान है।

कविता ने कांस्टेबल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवाकुंतला कविता ने रविवार को मांग की कि फेसबुक पर उनके खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक कांस्टेबल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कविता ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी करने पर तीन साल तक की कैद हो सकती है, जबकि संबंधित कांस्टेबल को केवल निलंबित किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कानून के अनुसार उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वह सरकार को 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा' करेंगी। अगर कोई डीजीपी के परिवार खिलाफ इसी तरह की टिप्पणी करे तो क्या वह चुप रहेंगे? डीजीपी, आपकी जिम्मेदारी क्या है? आपकी संवेदनशीलता कहां है? अगर आप मुझ जैसी महिला की रक्षा नहीं कर सकते, तो आम महिलाओं की रक्षा कैसे करेंगे?। बंजारा हिल्स स्थित पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कविता ने कहा कि हाल के दिनों में महिलाओं को सोशल मीडिया पर बेहद अपमानजनक ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के बावजूद पुलिस दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने में विफल रही है। कविता ने यह भी आरोप लगाया कि सी.वी. आनंद के पुलिस महानिदेशक का पदभार संभालने के बाद से राज्य में अपराध दर में वृद्धि हुई है। टीआरएस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लगभग तीन साल बीत जाने के बाद भी कांग्रेस सरकार तेलंगाना कार्यकर्ताओं के परिवारों को दिए गए अपने आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही है।

विधानसभा में कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी भाजपा

महेश्वर रेड्डी ने कहा- कम से कम 15 दिन चले सत्र

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा के सोमवार से शुरू होने वाले सत्र में उठाए जाने वाले प्रमुख जन मुद्दों पर चर्चा के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार को आयोजित की गई। भाजपा विधायक दल के नेता अललेटी महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में हुई बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव सहित पार्टी के विधायक और विधान परिषद सदस्य शामिल हुए। बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और सरकार को जवाबदेह बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। महेश्वर रेड्डी ने कहा कि भाजपा विधायक दल पिछले एक हजार दिनों के दौरान कांग्रेस सरकार की विफलताओं और जनता से किए गए वादों से कथित विश्वासघात को विधानसभा में उजागर करेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य की बिगड़ती वित्तीय स्थिति, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित बकाये, 22-ए भूमि के पीड़ितों की समस्याओं, लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाये समेत अन्य गंभीर जनसमस्याओं को विधानसभा में मजबूती से उठाया जाएगा। महेश्वर रेड्डी ने मांग की कि विधानसभा सत्र को महज दो दिनों की औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक और व्यापक चर्चा के लिए विधानसभा सत्र कम से कम 15 दिनों तक चलाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक दल सदन के भीतर जनता की ओर से मजबूती से आवाज उठाएगा और कांग्रेस सरकार की विफलताओं के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा। भाजपा जनसमस्याओं से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगेगी और जनता के हितों के लिए मजबूती से संघर्ष करेगी।

नर्स दुष्कर्म-हत्या मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने के निर्देश

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तुक्कुगुड़ा के बाहरी इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल में नर्स के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की हालिया घटना को गंभीरता से लेते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मामले के सभी पहलुओं की व्यापक मजिस्ट्रेट जांच कराने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घटना से जुड़ी प्रत्येक कड़ी की गहन जांच करने के निर्देश दिए। इसमें घटना की परिस्थितियां, पीड़िता के आवास पर सुरक्षा व्यवस्था, अस्पताल प्रबंधन की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही, तथा महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की स्थिति की जांच शामिल है। पुलिस ने मामले में आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जांच पूरी गंभीरता और वैज्ञानिक तरीके से की जाए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मामले की प्रगति की लगातार निगरानी करने को कहा गया है, ताकि जांच, फोरेंसिक रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों का संकलन जल्द पूरा हो तथा व्यापक आरोपपत्र दाखिल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने विधि विभाग, पुलिस विभाग और अभियोजन शाखा को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा, ताकि मुकदमे की प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी रहेगी। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सीतक्का पहले ही पीड़ित परिवार से मुलाकात कर चुके हैं। राज्य सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ इंदिरम्मा आवास भी स्वीकृत किया गया है। मुख्यमंत्री ने घटना की पूरी जांच कर दोषी को कानून के मुताबिक कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को घटना के पीछे मौजूद संभावित व्यवस्थागत खामियों की पहचान कर उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए महिला कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से मुकदमे का निपटारा शीघ्र सुनिश्चित किया जाए।

प्रातः स्मरणीय
श्री बाबूलालजी अग्रवाल
हिन्दी पढ़ें, हिन्दी लिखें, अपना काम-काज राष्ट्रभाषा हिन्दी में भी करें
– बाबूलाल अग्रवाल
हम जिनके आदर्शपूर्ण पुरुषार्थ से अपनी पहचान बना सके हैं, उनके बताये रास्ते पर हम चल सकें, प्रभु ऐसी शक्ति प्रदान करें।
४०वीं पुण्यतिथि पर आपके अपने
महेन्द्रकुमार अग्रवाल
अंजनीकुमार, कृष्णकुमार अग्रवाल, वेणुगोपाल, वासुदेव, क्रिशिव एवं कविश अग्रवाल
पार्वती सदन, बशीरबाग, भाग्यनगर

सीएम योगी से मिले विनोद तावड़े, जगदीश पटेल भी रहे मौजूद

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री और यूपी प्रभारी विनोद तावड़े ने रविवार (6 सितंबर) को लखनऊ में मुलाकात की। तावड़े अपने दो दिवसीय यूपी दौरे पर हैं। इस दौरान उनके साथ बीजेपी के राष्ट्रीय मंत्री और यूपी के सह-प्रभारी जगदीश ईश्वरभाई पटेल भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग पर उनसे शिष्टाचार भेंट की।

मुलाकात के दौरान प्रदेश से जुड़े अलग-अलग मुद्दों के साथ संगठन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि बैठक में यूपी में होने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी की तैयारियों और संगठन को मजबूत करने पर भी बातचीत हुई। विनोद

तावड़े को हाल ही में उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रभारी बनाया गया है। यूपी प्रभारी बनने के बाद यह उनका पहला लखनऊ दौरा है। वह 5 सितंबर को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे थे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने पार्टी के जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। विनोद तावड़े ने इन बैठकों में संगठन की जमीनी स्थिति और बूथ स्तर की तैयारियों का फीडबैक लिया। साथ ही आने वाले पार्टी कार्यक्रमों को लेकर भी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से जानकारी ली। बैठकों में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई।

बीजेपी के प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को यह भी साफ संदेश दिया कि उनके स्वागत के नाम पर सड़कों पर भीड़ जुटाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग्स लगाकर सड़कों को पाटने से भी बचा जाए। विनोद तावड़े के इस दौरे को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के संगठन को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनकी मुलाकात को भी इसी सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

6 साल की बच्ची से दुष्कर्म, पड़ोसी के कमरे में मिली मासूम; आरोपी हिरासत में

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में गाजीपुर थाना क्षेत्र के बसतौली इलाके में छह साल की बच्ची के साथ यौन अपराध का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले करीब 50 वर्षीय व्यक्ति पर बच्ची के साथ गलत हरकत करने का आरोप लगाया है। बच्ची की बात सामने आने के बाद परिजनों ने गाजीपुर थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पीड़िता की मां के मुताबिक, परिवार मूल रूप से सीतापुर जिले का रहने वाला है और लखनऊ के बसतौली इलाके में किराए के मकान में रहता है। शनिवार रात करीब नौ बजे बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। काफी देर तक उसके वापस नहीं आने पर मां ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान बच्ची पड़ोस में रहने वाले एक अन्य किराएदार के कमरे में मिली। मां के बुलाने पर बच्ची सामान्य तरीके से प्रतिक्रिया नहीं दे रही थी। उसकी स्थिति देखकर मां को चिंता हुई और वह उसे घर लेकर आईं। परिजनों के अनुसार, बच्ची काफी परेशान थी। मां ने उससे बातचीत की तो उसने पड़ोसी व्यक्ति पर उसके साथ गलत हरकत करने का आरोप लगाया। बच्ची की बात सुनने के बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस से संपर्क किया और लिखित शिकायत दी।

सामने आया बस्ती के थानेदार की आत्महत्या का सचः प्यार, ब्लैकमेल और खौफनाक अंत, महिला समेत 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर

बस्ती, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस महकमे को झकझोर कर रख देने वाले वाल्टरगंज थाने के एसओ सूर्य प्रकाश सिंह की आत्महत्या के मामले में बेहद सनसनीखेज पर्दाफाश हुआ है। शुरुआती जांच और परिवार द्वारा दी गई कानूनी तहरीर के बाद यह साफ हो गया है कि थानेदार सूर्य प्रकाश सिंह एक सुनियोजित शातिर हनीट्रैप के शिकार हुए थे। इस मामले में मृतक एसओ के बेटे संदीप सिंह की तहरीर पर प्रियंका चौधरी उसके पिता रामनयन चौधरी व वकील विजय यादव निवासी ग्राम गंधारी थाना वाल्टरगंज के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी का इस तरह हनीट्रैप के जाल में फंसकर जान गंवाना कानून व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। पुलिस के उच्च अधिकारियों का कहना है कि मामले में संलिप्त किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

'डबल इंजन सरकार देश के लिए भीषण समस्या'

तेजस्वी का सरकार पर बड़ा हमला

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने महंगाई के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट लिखकर खाद्य पदार्थों, पेट्रोल-डीजल, खाद-बीज, बिजली और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए।

आरजेडी नेता तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि महंगाई को डायन बताने वाले लोग आज इसे महारानी समझकर इससे चिपके बैठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग महंगाई रूपी 'प्रियतमा' को दूर नहीं कर पा रहे हैं। उनके मुताबिक महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है।

आरजेडी नेता ने उज्ज्वला योजना को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने योजना का खूब प्रचार किया, लेकिन आज गरीब परिवारों के घरों में सिलेंडर खाली पड़े हैं। उन्होंने चुनौती दी कि सरकार गांव-गांव जाकर उज्ज्वला योजना की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करे। तेजस्वी ने बीजेपी नेताओं के पुराने आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 में 384 रुपये के रसोई गैस सिलेंडर को लेकर प्रदर्शन करने वाले लोग आज करीब 1100 रुपये प्रति सिलेंडर की कीमत के बावजूद सत्ता में बैठे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई से आम आदमी की जेब पर लगातार बोझ बढ़ रहा है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि डबल इंजन सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों से गरीब और मध्यम वर्ग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी के खिलाफ आरजेडी का संघर्ष सड़क से सदन तक जारी रहेगा।

5 घंटे भटकती रही गैंगरेप पीड़िता, टालमटोल करती रही दो थानों की पुलिस... फिर एसपी ने लिया सख्त एक्शन

सीतामढ़ी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से पुलिसिया संवेदनहीनता और लापरवाही का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अपनी बीमार मां का इलाज कराने सदर अस्पताल आई एक 18 वर्षीय युवती के साथ शुक्रवार देर शाम तीन बेखौफ बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की वारदात को अंजाम दिया। दर्दनाक वारदात के बाद जब बदहवास पीड़ित बेटी अपनी मां के साथ थाने पहुंची, तो पुलिस मदद करने के बजाय 5 घंटे तक 'सीमा विवाद' का बहाना बनाकर टालमटोल करती रही। मामला जब एसपी अमित रंजन के संज्ञान में आया, तब जाकर प्राथमिकी दर्ज हो सकी। जानकारी के मुताबिक, रीगा थाना क्षेत्र की रहने वाली 18 वर्षीय युवती अपनी बीमार मां के इलाज के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल आई हुई थी। देर शाम अस्पताल से किसी काम से बाहर निकलने के दौरान वह रास्ता भटक गई और भासर पिकेट की तरफ चली गई। सुनसान इलाके का फायदा उठाकर वहां मौजूद तीन युवकों ने उसे घेर लिया और उसके साथ बारी-बारी से दरिंदगी की।

बिहार में बड़ा रेल हादसा टला

महानंदा एक्सप्रेस के इंजन समेत तीन डिब्बे पटरी से उतरे; मची अफरा-तफरी

भोजपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले में रविवार सुबह बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। आरा रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर अलीपुरद्वार से दिल्ली जा रही महानंदा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15484) अचानक डिरेल हो गई। ट्रेन के पटरी से उतरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान ट्रेन में सवार बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। तेज आवाज होने के कारण अचानक यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, महानंदा एक्सप्रेस आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 से रवाना हुई थी। स्टेशन से कुछ दूरी आगे पश्चिमी ओवरब्रिज के समीप पहुंचते ही ट्रेन के इंजन, एसएलआर बोगी और एक एसी कोच के पहिए पटरी से उतर गए। हादसा रविवार सुबह के समय हुआ। उस वक्त ट्रेन में बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। अचानक ट्रेन के डिरेल होने और तेज आवाज आने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। लोग घबराकर अपनी सीटों से उठ गए और स्थिति को समझने की कोशिश करने लगे। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और यात्रियों के बीच चिंता का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए रेलवे की ओर से तत्काल स्थिति का जायजा लिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद रेलवे की टीम ने डिरेल हुए ट्रेन के हिस्सों को अलग करने का काम शुरू किया। रेलवे की टीम ने डिरेल हुए हिस्सों और बोगियों को अलग-अलग किया। इसके बाद दूसरे इंजन की मदद से ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

डॉ. दिनेश शर्मा की नई संवैधानिक जिम्मेदारी पर

अपर्णा यादव ने दी बधाई, सोशल मीडिया पर साझा किया संदेश

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान रखने वाली अपर्णा यादव ने राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. दिनेश शर्मा को अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से डॉ शर्मा के प्रति अपनी शुभेच्छाएं व्यक्त करते हुए उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा की प्रतिबद्धता की सराहना की।

डॉ. दिनेश शर्मा की नियुक्ति को लेकर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में अपर्णा यादव का संदेश भी चर्चा में रहा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि डॉ. दिनेश शर्मा का दीर्घ राजनीतिक अनुभव और सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रिय भूमिका नई संवैधानिक जिम्मेदारी के निर्वहन में महत्वपूर्ण साबित होगी। अपर्णा यादव ने अपने संदेश में डॉ। दिनेश शर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल और यशस्वी कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रति डॉ. शर्मा का समर्पण और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक अनुभवी जननेता के रूप में अलग पहचान देती है।

अपने संदेश में अपर्णा यादव ने विश्वास जताया कि डॉ. दिनेश शर्मा अपने अनुभव और कार्यशैली के माध्यम से नई संवैधानिक जिम्मेदारी में भी राष्ट्रहित को नई दिशा देने का कार्य करेंगे। उन्होंने ईश्वर से उनके सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की कामना भी की। अपर्णा यादव की ओर से दी गई यह बधाई ऐसे समय में सामने आई है, जब डॉ. दिनेश शर्मा की नियुक्ति को लेकर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में लगातार चर्चा चल रही है। भाजपा नेताओं, समर्थकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से भी उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

एटीएम बूथ में घुसकर लूटपाट करने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, तीन गिरफ्तार एक को लगी गोली

मेरठ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। थाना कंकरखेड़ा पुलिस और स्वाट नगर की संयुक्त टीम ने चार सितंबर को एटीएम बूथ में हुई 20 हजार की लूट का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बदमाश पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है। मेरठ-शामली रोड पर चेकिंग के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर भागने का प्रयास किया, जिस पर जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश बनत थाना आदर्श मंडी शामली निवासी विपिन पुत्र रामपाल के पैर में गोली लग गई।

पुलिस ने मौके से घायल विपिन और उसके साथी बनत शामली निवासी लुकमान पुत्र दीन मोहम्मद को दबोच लिया, जबकि तीसरे अभियुक्त लक्ष्मी विहार कंकरखेड़ा मेरठ निवासी अंकुर पुत्र राजेन्द्र को जेवरी पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, 2 तमंचे .315 बोर, 2 कारतूस और 4 सितंबर को हुई लूट के कुल 15 हजार रुपये बरामद हुए हैं।

खरगे के 'शुद्धिकरण' पर भड़के सचिन पायलट

बोले- कानून तोड़ने वालों को संरक्षण क्यों?

गाजियाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भाजपा पर सत्ता और पुलिस के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कानून तोड़ने वाला व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कानून की नजर में सभी बराबर हैं। मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट ने घटना को लेकर उठाए सवाल कहा कि संविधान के खिलाफ काम करने वालों पर कार्रवाई जरूरी है।

उन्होंने जातिवाद को लेकर भी कानून का हवाला दिया और कहा कि यदि कोई व्यक्ति ऐसा काम करता है और उसे सार्वजनिक करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। पायलट ने कहा कि एफआईआर कराने का उद्देश्य सिर्फ कार्रवाई करना नहीं है। इससे समाज में यह संदेश जाता है कि देश में कानून सभी के लिए समान है। चाहे कोई किसी राजनीतिक दल से जुड़ा हो, बड़ा उद्योगपति हो या कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति हो, कानून तोड़ने पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा।

पायलट ने कहा कि खरगे वहां भाषण देने गए थे और उन्होंने कोई अपशब्द नहीं कहा। इसके बावजूद उनकी मौजूदगी भाजपा को स्वीकार नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां 'शुद्धिकरण' किया गया। पायलट ने कहा कि इस घटना से आम दलित समाज का व्यक्ति क्या महसूस करता होगा, यह समझना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की ओर से ऐसा संकेत दिया गया कि उसकी विचारधारा से जुड़े लोग कानून तोड़ सकते हैं और संविधान की धज्जियां उड़ा सकते हैं, फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। पायलट ने इसे गलत मानसिकता बताते हुए कहा कि कांग्रेस सिर्फ न्याय की मांग कर रही है

संभल में भीषण सड़क हादसा : ई-रिक्शा को बचाने के चक्कर में ट्रक से भिड़ा टेंपो, पांच की मौत

संभल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर बहजोई से करीब तीन किमी दूर बमनेटा गांव के पास रविवार सुबह करीब आठ बजे एक हादसा हुआ। इस हादसे में ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में टेंपो सामने से आ रहे बजरी लदे ट्रक से भिड़ गया। ट्रक भी बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में पांच लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। सभी लोग बहजोई से टेंपो में सवार होकर चंदौसी की ओर जा रहे थे। मृतकों में मऊ कठेर थाना बहजोई निवासी दीपक उर्फ की तीन माह की पुत्री आराध्या और आठ वर्षीय पुत्र ध्रुव है,

जोकि अपनी मां भावना और मामा पुनीत के साथ चंदौसी जा रहे थे। बहजोई के मोहल्ला कुरैशियान रुवेद और एक अज्ञात व्यक्ति मृतकों में शामिल है। घायल रोहिणी ने भी रास्ते में दम तोड़ दिया। घायलों में पुनीत निवासी परमानंदपुर, फैजगंज बेहटा जनपद बदायूं, बहन भावना निवासी मऊ कठेर थाना बहजो, रामपाल निवासी जड़वार थाना धनारी, बिट्टू निवासी सेमरी थाना रजपुरा और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

ट्रेन में बेटी की शादी के खर्चे के 3.20 लाख रुपये चोरी, जीआरपी ने बुजुर्ग पिता को लौटाए

फतेहपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बेटी की शादी के लिए जुटाए गए लाखों रुपये अगर रास्ते में चोरी हो जाएं तो एक पिता पर क्या गुजरती है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लेकिन यूपी के फतेहपुर जिले में जीआरपी पुलिस की तत्परता ने एक बुजुर्ग पिता की चिंता को खुशी में बदल दिया। प्रयागराज से कानपुर जा रहे बुजुर्ग महमूद अहमद का ट्रेन में बैग चोरी हो गया था। बैग में बेटी की शादी के लिए जुटाए गए 3 लाख 20 हजार रुपये नकद समेत जरूरी सामान रखा था। चोरी की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस एक्टिव हुई और तेजी से कार्रवाई करते हुए बुजुर्ग का पूरा कैश और सामान बरामद कर लिया। आपको बता दें की बुजुर्ग महमूद अहमद अपनी बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे थे। नवंबर महीने में बेटी की शादी होनी है। शादी के खर्च के लिए उन्होंने अपने बहनोई से 3 लाख 20 हजार रुपये उधार लिए थे। इसी रकम को लेकर वह प्रयागराज से ट्रेन में सवार होकर कानपुर के लिए निकले थे। लेकिन सफर के दौरान उनका बैग चोरी हो गया। बैग गायब होते ही बुजुर्ग के होश उड़ गए। मामले की सूचना जीआरपी पुलिस को मिली तो पुलिस ने बिना देर किए जांच शुरू कर दी। पुलिस की तत्परता और लगातार प्रयासों का नतीजा रहा कि बुजुर्ग का पूरा 3 लाख 20 हजार रुपये कैश और अन्य सामान बरामद कर लिया गया।

मस्जिद विवादः लखनऊ से दिल्ली तक गरमाई सियासत

आज सहारनपुर पहुंचेगा सपा का 22 सदस्यीय डेलिगेशन

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित करीब 100 साल से ज्यादा पुरानी मस्जिद को गिराए जाने के मामले में को लेकर सूबे की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी दल योगी सरकार और प्रशासन पर इस कार्रवाई को लेकर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस बीच खबर है कि समाजवादी का एक प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर जाएगा।

जानकारी के मुताबिक मस्जिद गिराए जाने के मामले को लेकर सपा प्रतिनिधिमंडल कल यानी सोमवार (7 सितंबर) को सहारनपुर जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के 22 नेता शामिल होंगे।

बताया जा रहा है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर ये प्रतिनिधिमंडल कमिश्नर से मुलाकात करेगा। इस 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में कैराना सांसद इकरा हसन, सांसद हरेंद्र मलिक, सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, विधायक अतुल प्रधान, विधायक आशु मलिक, विधायक उमर अली समेत कई नेता शामिल होंगे। पार्टी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

पार्टी के मुताबिक पहले ये प्रतिनिधिमंडल आज यानी रविवार (6 सितंबर) को जाना था, लेकिन किसी वजह से इसकी तारीख में

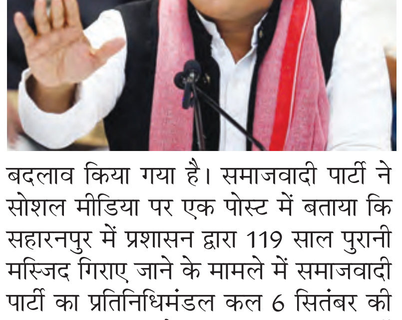

बदलाव किया गया है। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि सहारनपुर में प्रशासन द्वारा 119 साल पुरानी मस्जिद गिराए जाने के मामले में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कल 6 सितंबर की जगह 7 सितंबर को सहारनपुर जाएगा। पार्टी ने कहा कि इस घटना के संबंध में प्रतिनिधिमंडल कमिश्नर से मिलेगा और इस पूरे मामले की जानकारी लेगा एवं उसकी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा।

इकरा हसन ने की कोर्ट जाने की बात

बीते दिन माजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने इस मुद्दे को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी और कोर्ट जाने की बात कही थी। उन्होंने का संविधान का गला घोंटने की बात कहते हुए कहा था कि इस मामले में कोई मोहलत नहीं दी गई,जबकि टेररिस्ट को मोहलत दी जा रही है। उन्होंने ये भी कहा था कि कि सहारनपुर की मस्जिद पर प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू होता है। उन्होंने कहा था कि ये मस्जिद ये 1947 से पहले की बनी हुई है।

'संविधान का गला घोंटा जा रहा है'

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोगों को दरकिनार करते हुए वहां पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि संविधान का गला घोंटा जा रहा है और नियम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि वो इस मामले को लेकर लोग कोर्ट जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगर सभी निर्णय केवल सरकार की मनमर्जी से लिए जाएंगे, तो कानून व्यवस्था या न्यायिक प्रणाली की कोई जरूरत ही नहीं रह जाएगी।

प्रशासन ने मस्जिद के खिलाफ कार्रवाई की

रिपोर्ट्स के अनुसार सिटी मजिस्ट्रेट ने पिछले महीने मस्जिद को अवैध मानते हुए उसके ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। जिसके बाद मुस्लिम पक्ष ने इस आदेश के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने पहले सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश पर रोक लगाई थी। हालांकि, शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष की तरफ से किया गया दावा खारिज कर दिया गया। इसके बाद प्रशासन ने मस्जिद के खिलाफ कार्रवाई की। जिससे काफी बवाल मचा हुआ है।

बेढ़ना शराब कांड पर बवाल

ग्रामीणों ने सीबीआई जांच की मांग उठाई; एसटीआई और पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव में शराब पीने से चार लोगों की मौत के बाद मामला लगातार गरमाता जा रहा है। दर्दनाक घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने अब पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसपी द्वारा गठित एसआईटी की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि स्थानीय प्रशासन सच्चाई सामने लाने के बजाय मामले को दूसरी दिशा में ले जाने और मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने शराब कांड को कथित तौर पर प्रेम-प्रसंग का मामला बताने की कोशिश की। इसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। घटना के कुछ ही दिनों बाद जांच की कमान संभाल रहे ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार का प्रशासनिक विभाग में तबादला किए जाने से भी जांच प्रक्रिया को लेकर संदेह और गहरा गया है। ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों का आरोप है कि पुलिस ने बिना किसी ठोस साक्ष्य के महज एक आरोपी के बयान के आधार पर जल्दबाजी में पूरे मामले को प्रेम-प्रसंग से जोड़ दिया। उनका कहना है कि इससे न केवल जांच की दिशा भटक गई, बल्कि पूरे गांव और समाज की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हुई। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि पुलिस को शराब से हुई मौतों के वास्तविक कारण और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच करनी चाहिए थी, लेकिन जांच को दूसरे मुद्दे की ओर मोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस पर एक और गंभीर आरोप लगाया है।

उनके अनुसार, पुलिस हिरासत में बंद आरोपी लाली से फोन पर बात कराई गई और उसके बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि मामले में पर्याप्त ठोस साक्ष्य मौजूद थे तो सिर्फ एक आरोपी के बयान को आधार बनाकर इतनी जल्दी मामले की दिशा कैसे तय कर दी गई। इसी को लेकर ग्रामीण पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

सरेंडर करने वाले माओवादियों को कोई आसान छूट नहीं मिलेगी

उन्हें कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा: छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हथियार डालने वाले माओवादी विद्रोहियों को अब जेल से बचने का कोई आसान या पक्का रास्ता नहीं मिलेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 और 31 मार्च 2026 (वामपंथी उग्रवाद या एलडब्ल्यूई को खत्म करने की समय-सीमा) के बीच छत्तीसगढ़ में 2587 माओवादियों ने सरेंडर किया और 516 कैडर मारे गए। सरेंडर करने वाले माओवादियों के लिए अपनी राहत और पुनर्वास नीति के तहत, छत्तीसगढ़ सरकार ने साफ किया है कि एलडब्ल्यूई संगठन छोड़ने से कोई ऑटोमैटिक छूट या लंबित आपराधिक मामलों को तुरंत खत्म करने का अधिकार नहीं मिलता।

हालांकि 'छत्तीसगढ़ नक्सली सरेंडर/पीड़ित राहत और पुनर्वास नीति, 2025' मुख्यधारा के समाज में लौटने का एक संस्थागत रास्ता बनाती है, लेकिन किसी भी मामले को वापस लेने का फैसला कड़ी जांच, कानूनी प्रक्रिया और अंतिम न्यायिक सहमति पर निर्भर करता है। आपराधिक मुकदमा वापस लेने के किसी भी प्रस्ताव को दिसंबर 2025 में राज्य कैबिनेट द्वारा मंजूर की गई कड़ी, कई स्तरों वाली जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा। सबसे पहले, जिला स्तर पर एक तय पैनल हर सरेंडर करने वाले कैडर का मूल्यांकन करता है। इसमें सरेंडर के बाद के व्यवहार, संगठन से पूरी तरह अलग होने के सबूत और उनके कथित अपराधों की गंभीरता की जांच की जाती है। इसके बाद सिफारिशें पुलिस मुख्यालय और गृह विभाग से होकर कैबिनेट की उप-समिति के पास समीक्षा के लिए जाती हैं।

केंद्रीय कानूनों के तहत दर्ज अपराधों या जहां संघीय अधिकार क्षेत्र लागू होता है, वहां केंद्र सरकार से पहले से अनिवार्य मंजूरी लेनी होगी। नौकरशाही और मंत्रियों की मंजूरी के बाद भी, कार्यपालिका एकतरफा तरीके से आरोप वापस नहीं ले सकती। कानूनी प्रक्रिया 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023' की धारा 360 पर निर्भर करती है (जो पहले के 'दंड प्रक्रिया संहिता' (सीआरपीसी) की धारा 321 की जगह लेती है)।

लाइव-इन पार्टनर की हत्या के आरोपी को गाड़ी से बांधकर पीटा, पुलिस बोली- कड़ा संदेश जरूरी

भावनगर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भावनगर में लाइव-इन पार्टनर की हत्या के आरोपी की पुलिस पिटाई का वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। घटना उस समय की है, जब पुलिस हत्या की वारदात का घटनास्थल पर पुनर्निर्माण करा रही थी। इसी दौरान आरोपी फैजल लखानी को रस्सियों से बांधकर घसीटते और डंडे से पीटते हुए देखा गया। नीलमबाग थाने के पुलिस निरीक्षक डीपी उनाडकट ने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि हत्या की क्रूरता और पुलिस की छवि को हुए नुकसान को देखते हुए इस मामले में पुलिस को एक कदम आगे जाना पड़ा। उन्होंने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए कहा कि घटना के बाद लोगों का पुलिस और कानून-व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित हुआ था। सामने आए वीडियो में फैजल लखानी को रस्सियों से बांधा गया था और उसे घटनास्थल के आसपास घसीटते हुए पुलिसकर्मी डंडे से मारते दिखाई दे रहे हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई, जब पुलिस मामले की जांच के तहत वारदात का पुनर्निर्माण करा रही थी। पुलिस निरीक्षक डीपी उनाडकट ने कहा कि आरोपी ने महिला पर सार्वजनिक जगह पर हमला किया था और इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठे थे।

निरीक्षक उनाडकट के मुताबिक, लोगों में यह धारणा बन रही थी कि बदमाश महिलाओं और लड़कियों की हत्या कर रहे हैं और पुलिस असहाय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे बेहद गंभीर मामलों में अपराधियों को कड़ा संदेश देना जरूरी हो जाता है।

रूस के साथ अमेरिकी प्रतिनिधियों की बातचीत के बीच जेलेंस्की भी युद्धविराम के लिए तैयार

हमले रोकने का लिया निर्णय

कीव, 6 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने घोषणा की है कि यूक्रेन उन रूसी शहरों पर हवाई हमले नहीं करेगा जो बातचीत की प्रक्रिया में शामिल हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा, "अभी से लेकर शनिवार के अंत तक और रविवार व सोमवार को भी, यूक्रेन मॉस्को पर हमले न करने के लिए तैयार है।" जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन उम्मीद करता है कि रूस भी कीव के संबंध में इसी तरह का कदम उठाएगा। इंटरफैक्स-यूक्रेन समाचार एजेंसी के अनुसार, विटकोफ और कुशनर मॉस्को की यात्रा के बाद रविवार को कीव जाने की योजना बना रहे हैं। इस बीच, क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने रविवार तड़के बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में अमेरिकी दूतों स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ बेहद खुली, रचनात्मक और गंभीर बातचीत की। उशाकोव ने कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा एक औपचारिक कार्य बैठक के दौरान हुई और बाद में रात्रिभोज के समय अनौपचारिक रूप से भी बातचीत जारी रही। पुतिन ने दोहराया कि रूस यूक्रेन से जुड़े मुद्दों का राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम जारी रखने को तैयार है। उशाकोव के मुताबिक, रूसी पक्ष ने विशेष सैन्य अभियान के दौरान बन रही स्थिति का स्पष्ट और विस्तृत आकलन अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने रखा। उन्होंने कहा, "खास तौर पर युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना की प्रगति का उल्लेख किया गया। यह भरोसा भी जताया गया कि निर्धारित उद्देश्यों को हासिल किया जाएगा। साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि संघर्ष के मूल कारणों को समाप्त करना जरूरी है।"

उशाकोव ने बताया कि बातचीत केवल यूक्रेन संकट के समाधान तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने आर्थिक मुद्दों और रूस-अमेरिका के बीच बड़े पैमाने पर संभावित आपसी लाभ वाली परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। उनके अनुसार, कुल मिलाकर यह वार्ता सही समय पर हुई और दोनों देशों के लिए काफी फायदेमंद रही। यह भी तय हुआ कि दोनों देशों के राष्ट्रपति आगे भी सीधे संपर्क में रहेंगे और विटकोफ तथा कुशनर के माध्यम से बातचीत जारी रहेगी। यह बैठक कुल 3 घंटे 10 मिनट तक चली।

मिस्र की महिला टीवी प्रजेंटर सारा खलीफा समेत 12 को मौत की सजा, फैसला सुन अदालत में रो पड़ी

काहिरा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मिस्र की एक अदालत ने महिला एंकर सारा खलीफा समेत 12 लोगों को मौत की सजा सुनाई है। इन सभी को ड्रग्स से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया है। मिस्र के सरकारी मीडिया आउटलेट अल अहराम ने इस बारे में जानकारी दी है। 39 साल की सारा खलीफा अपने प्रोग्राम मिशन इम्पॉसिबिल के लिए मशहूर रही हैं। यह कार्यक्रम सुरक्षा और अपराध से जुड़े मुद्दों पर आधारित था। काहिरा की क्रिमिनल कोर्ट ने आरोपों को नशीले पदार्थों को बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जुटाने और उनकी तस्करी करने के लिए आपराधिक गिरोह बनाने का दोषी पाया गया था। 12 लोगों की मौत की सजा के अलावा कोर्ट ने 9 अन्य आरोपों को आजीवान कारावास की सजा सुनाई है। 7 लोगों को बरी किया गया है।

इस मामले में कुल 28 आरोपी थे और 750 किलोग्राम से ज्यादा ड्रग्स जब्त की गई थी। अधिकारियों को आरोपियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी मिले थे। यह फैसला पिछले महीने ही लिया गया था, लेकिन मिस्र के ग्रैड मुफ्ती से धार्मिक राय लेने के बाद अदालत ने इसे सार्वजनिक किया गया। मिस्र के कानून के तहत मौत की सजा पाने वाले मामलों में ग्रैंड मुफ्ती की राय लेने जरूरी है। हालांकि, अदालत इसे मानने के लिए बाध्य नहीं होती है। खलीफा एक बिजनेसवुमन भी थीं। वह कॉस्मेटिक सर्जरी क्लिनिक और इवेंट प्लानिंग कंपनी चलाती थीं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी मौजूदगी थी और इंस्टाग्राम पर उनके 26 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। खलीफा ने अपने लगे आरोपों से इनकार किया है और खुद को बेगुनाह बताया है। खलीफा ने जांचकर्ताओं से कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी सिगरेट नहीं पी। मिस्र की मीडिया ने बताया कि सुनवाई के दौरान खलीफा रो रही थी और अदालत से रहम की भीख मांग रही थीं।

वे कह रही थीं, सर प्लीज मेरी बात सुनिए। मेरे माता-पिता ने मेरी अच्छी परवरिश की है। वे ईश्वर को मानने वाले लोग हैं और मुझे ड्रग्स से कमाए पैसे की कोई जरूरत नहीं है। सरकारी वकीलों के मुताबिक, यह गैंग सिंथेटिक ड्रग्स बनाने के लिए विदेश से कच्चा माल मंगाता था और उसे रिहायशी घरों में जमा करके रखता था। अधिकारियों के अनुसार, गैंग के सदस्यों ने माल खरीदने, ड्रग्स बनाने और उसे बांटने के काम आपस में बांट रखे थे। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र की अदालतों ने साल 2025 में 492 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी, जबकि 23 लोगों को फांसी दी गई।

3.5 साल में 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन

जगरनाथ–रामदास के बाद अब सुदिव्य ने अंतिम सांस ली

रांची, 6 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू के रविवार सुबह आकस्मिक निधन के साथ राज्य की राजनीति में एक असामान्य और दुखद संयोग जुड़ गया है। पिछले करीब साढ़े तीन वर्षों में झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग से जुड़े तीन मंत्रियों जगन्नाथ महतो, रामदास सोरेन और सुदिव्य कुमार सोनू का निधन हो चुका है।

हालांकि हेमंत सोरेन के सात वर्षों के कार्यकाल में अब तक चार मंत्रियों का निधन हो चुका है। मंत्री हफीजुल हसन अंसारी का निधन भी हेमंत सोरेन के पहले कार्यकाल में हुई थी। सुदिव्य कुमार सोनू का शनिवार देर रात गिरिडीह में निधन हुआ। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, गिरिडीह के हरसिंगरायडीह स्थित आवास पर वह देर रात सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें छाती में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद परिजन तत्काल उन्हें गिरिडीह के मर्सी हॉस्पिटल ले गए।

इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। सुदिव्य कुमार सोनू राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री थे। उनके पास पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य तथा नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी भी थी। इके पहले झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का 6 अप्रैल 2023 को चेन्नई में इलाज के दौरान निधन हुआ था। कोरोना संक्रमण के बाद उनके फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचा था और उनका फेफड़ा प्रत्यारोपण भी किया गया था। वह डुमरी विधानसभा सीट से लगातार चार बार विधायक चुने गए थे और झामुमो के कद्दावर नेताओं में शामिल थे।

जहरीली शराब ने फिर ली 11 लोगों की जान

सागर में मौतों से मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

सागर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर मध्य प्रदेश के सागर जिले से सामने आ रही है। यहां सागर जिले की बंडा तहसील क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत हो गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गई। बताया जा रहा है कि ये मामला शनिवार-रविवार के दरमियान का है। जानकारी के मुताबिक मरने वाले बंडा के बराज गांव के लोग बताए जा रहे हैं। 11 लोगों की मौत की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों में भी हड़कंप मच गई। फिलहाल एसपी अनुराग सुजानिया समेत अधीनस्थ अमला मौके पर पहुंच गया है। मामले की जांच की जा रही है। घटना को लेकर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि जहरीली शराब के सेवन से लोग बीमार पड़े हैं। इनमें से कुछ लोगों की मौत भी हुई है।

वहीं कुछ अन्य लोगों की सिविल अस्पताल में जांच भी चल रही है। साथ ही जो आस-पास के दो गांव हैं, वहां पर डॉक्टर्स की टीम स्क्रीनिंग कर रही है। कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसको लगता है कि उनको किसी प्रकार के लक्षण हैं या उन्होंने किसी भी प्रकार के शराब का सेवन पिछले 24-48 घंटों में किया है तो वो अपने डॉक्टर के पास जांच जरूर करा लें। अगर वहां के बजाय सिविल अस्पताल आना चाहते हैं तो भी अपनी जांच जरूर करा लें। हम ऐसे केस को ऑब्जर्व कर रहे हैं। मामले में अग्रिम कार्रवाई भी की जा रही है।

हाथ झिड़ककर भागा पाकिस्तान के जिगर का छल्ला, समेट रहा बलूचिस्तान से बोरिया-बिस्तर, शहबाज-मुनीर का फूलने लगा दम

इस्लामाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में दिन पर दिन हालात और खराब होते जा रहे हैं। यहां जब से कमान पाकिस्तान के सेना प्रमुख के हाथ में आई है, तब से ये देश सिर्फ और सिर्फ हथियार बनाने के बारे में ही सोच रहा है। धीरे-धीरे यहां आंतरिक परिस्थितियां इतनी खतरनाक होती जा रही हैं कि पाकिस्तान के दोस्त भी अपने पांव खींचने लगे हैं। पाकिस्तान में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने दावा किया है कि चीन, पाकिस्तान से खुश नहीं है और बलूचिस्तान में चल रही कुछ खनन परियोजनाओं से पीछे हट रहा है। उन्होंने पाकिस्तान की खनिज संपदा, आर्थिक स्थिति और संप्रभुता को लेकर कई सवाल उठाए हैं। वे पहले भी पाकिस्तान के हालात को लेकर हुकूमत से सवाल उठा चुके हैं और इस बार वो खनिज संसाधनों पर सवाल करते नजर आए। एक वीडियो में फजलुर रहमान पाकिस्तान के खनिज संसाधनों और खनन परियोजनाओं पर बात करते हुए फजलुर रहमान ने सवाल उठाया कि पाकिस्तान की जमीन में मौजूद खनिज संसाधनों का असली फायदा किसे मिल रहा है। उन्होंने खास तौर पर रेको दिक परियोजना का जिक्र करते हुए पूछा कि वहां खनन कौन कर रहा है और वहां से निकाले जा रहे खनिज आखिर कहां जा रहे हैं। फजलुर रहमान का कहना है कि पाकिस्तान अपनी विशाल खनिज संपदा का वास्तविक लाभ नहीं उठा पा रहा है।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल किस तरह हो रहा है और इनसे मिलने वाला फायदा आखिर किसके पास पहुंच रहा है। फजलुर रहमान ने अपने बयान में पाकिस्तान की खनिज संपदा, चीन के साथ संबंधों, आर्थिक निर्भरता, विदेशी संस्थाओं के प्रभाव और राजनीतिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में स्थिति इतनी खराब है कि चीन भी अब बलूचिस्तान की खनन परियोजनाओं से पीछे हटने लगा है, जो दशकों से लटकी हुई हैं। कई बार चीन इसे लेकर पाकिस्तान को वॉर्निंग भी दे चुका है और ग्वादर प्रोजेक्ट में हो रही देरी भी उसे बेचैन कर रही है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटा

50 हजार फीट तक पहुंची राख, 209 उड़ानें प्रभावित

जकार्ता, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में रविवार तड़के विस्फोट हुआ। इससे निकली राख पश्चिमी इंडोनेशिया के कई हिस्सों में फैल गई। राख के कारण जकार्ता के सुकर्णो-हट्टा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें रोकनी पड़ीं। इससे कुल 209 उड़ानें प्रभावित हुईं और करीब 22,800 यात्री परेशान हुए। इनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानें शामिल हैं। ज्वालामुखी जावा और सुमात्रा द्वीपों के बीच सुंडा स्ट्रेट में स्थित है। इसकी गतिविधियां बढ़ रही थीं। रविवार सुबह 3:53 बजे करीब 30 सेकंड तक विस्फोट हुआ। इसके बाद राख के दो बड़े गुबार बने। पहला गुबार करीब 20 हजार फीट यानी 6 किमी की ऊंचाई तक पहुंचा और उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा। इससे जकार्ता, बैंटन और पश्चिमी जावा प्रभावित हुए।

दूसरा गुबार करीब 50 हजार फीट यानी 15 किमी तक पहुंचा और पश्चिम व उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा। इससे बैंटन, लामपुंग, बेंगकुलु, दक्षिणी सुंडा जलडमरूमध्य और सुमात्रा के पश्चिम में हिंद महासागर के कुछ हिस्से प्रभावित हुए। सुकर्णो-हट्टा एयरपोर्ट ने पहले सुबह 5:30 बजे तक उड़ानें रोकने की बात कही थी, लेकिन राख के कारण इसे बढ़ाकर सुबह 9:30 बजे तक कर दिया गया। एयरपोर्ट पर रात में खड़े 170 विमान वहीं मौजूद रहे। यात्रियों ने टिकट का पैसा वापस मांगा और अपना चेक-इन सामान भी वापस लिया। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट सबसे प्रभावित रही। हांगकांग, सिडनी, एम्स्टर्डम, सियोल, दोहा और कुआलालंपुर की उड़ानें भी रद्द, लेट या री-शेड्यूल हुईं। लामपुंग, बाली, सुराबाया और मकासर की कुछ घरेलू उड़ानों पर भी असर पड़ा। अभी किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है और लोगों को वहां से हटाने का आदेश भी नहीं दिया गया है।

ज्वालामुखी के सबसे नजदीक आबादी करीब 16 किमी दूर है। हालांकि, लोगों और पर्यटकों को सक्रिय क्रेटर से कम से कम 3 किमी दूर रहने को कहा गया है। राख गिरने वाले इलाकों में लोगों को मास्क और आंखों की सुरक्षा करने, बाहर कम निकलने, पानी के स्रोत ढकने और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राख से आंखों में जलन की शिकायतें आई हैं। कुछ स्कूलों ने गतिविधियां रद्द कीं और मछुआरों ने समुद्र में जाना रोक दिया।

ओल्ड मॉन्क पर बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र में बिक्री पर फिलहाल रोक बरकरार, कंपनी की मांग ठुकराई

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ओल्ड मॉन्क बनाने वाली कंपनी मोहन रॉकी स्प्रिंगवॉटर ब्रुअरीज प्राइवेट लिमिटेड को फिलहाल कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। कंपनी ने महाराष्ट्र में ओल्ड मॉन्क की बिक्री पर रोक लगाने वाले एफएसएसएआई के आदेश को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज सीरवाई ने तीन संशोधित प्रोडक्ट लेबल अदालत के सामने पेश किए। उन्होंने कहा कि कंपनी ने इन लेबल को बिना किसी अधिकार को छोड़े संभावित समाधान तलाशने के लिए पेश किया है।

अगर संबंधित पक्ष इन लेबल को स्वीकार करते हैं तो कंपनी बदलाव करने को तैयार है, जबकि विरोध होने पर इन्हें वापस लिया जा सकता है। केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने इन संशोधित लेबल पर निर्देश लेने के लिए अदालत से समय मांगा। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर 2026 को 'अर्जेंट सप्लीमेंट्री बोर्ड' में तय की है। हालांकि, अदालत ने फिलहाल कंपनी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। कंपनी ने एफएसएसएआई के आदेश पर रोक लगाने और मामले की अंतिम सुनवाई तक उसके द्वारा निर्मित रम की बिक्री की अनुमति देने की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि इस चरण में ऐसा अंतरिम आदेश देना लगभग अंतिम राहत देने जैसा होगा।

अदालत ने यह भी ध्यान दिया कि दोनों पक्ष मामले के अंतिम निपटारे को लेकर पहले से विस्तृत दलीलें पेश कर रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे में अंतरिम स्तर पर कंपनी को बिक्री की अनुमति देना उचित नहीं होगा।

क्यों लगी ओल्ड मॉन्क पर रोक?

विवाद की शुरुआत एफएसएसएआई के उस आदेश से हुई, जिसमें महाराष्ट्र के खोपोली, रायगढ़ स्थित कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के निरीक्षण के बाद ओल्ड मॉन्क की बिक्री रोक दी गई थी। एफएसएसएआई का कहना था कि कंपनी के उत्पाद में बाहरी रम फ्लेवरिंग का इस्तेमाल किया जा रहा था, लेकिन उत्पाद के लेबल पर इसे स्पष्ट रूप से 'फ्लेवर्ड रम' के रूप में नहीं बताया गया था। इसी आधार पर खाद्य नियामक ने महाराष्ट्र में इसकी बिक्री पर रोक लगा दी।

मयूर विहार में युवक की चाकू घोंपकर हत्या, बीच-बचाव करने आए सिक्योरिटी गार्ड पर भी हमला

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली में मयूर विहार के फेस-3 इलाके में रविवार तड़के बेखौफ बदमाशों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। कोंडली से आप विधायक कुलदीप कुमार के ऑफिस के सामने दुर्गा मंदिर के पास एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना पर आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार का कहना है कि देश की राजधानी अपराध का केंद्र गई है। उन्होंने कहा कि कोंडली विधानसभा महाअपराध का अड्डा बन चुकी है। यहां एक महीने में 7-8 लोगों की हत्या हो चुकी है। उनका कहना है कि पॉश इलाके भी हत्याएं हो रही हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पास की एक हाउसिंग सोसाइटी के एक सिक्योरिटी गार्ड नंदलाल यादव ने पुलिस को बताया कि उसने तड़के करीब 4 बजे दो लोगों को एक युवक पर चाकू से हमला करते देखा। गार्ड ने बीच-बचाव करने और हमलावरों को भगाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर उस पर भी हमला किया।

इसके बाद गार्ड ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित को घायल पाया। इसके बाद पुलिस की मदद से परिजन आनन-फानन में घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर ही है।

'हर साल जल प्रलय का इंतजार क्यों'

रोहिणी आचार्य बोलीं- अरबों का बजट फिर भी हर वर्ष पानी में डूब रहा बिहार

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार के विभिन्न जिलों में बाढ़ की उत्पन्न स्थिति पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर सवाल साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ आने के पहले बिहार सरकार कुंभकर्णी निद्रा में सोयी रहती है। सिंगापुर में रहने वाली रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बिहार में बाढ़ की उत्पन्न स्थिति को लेकर एक फोटो भी शेयर किया है, जिसमें पूरा इलाका पानी में डूबा है और सीएम सम्राट चौधरी आराम से कुर्सी पर बैठकर चाय पी रहे हैं। जबकि आम लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने 'एक्स' पर लिखा- 'बिहार में हर साल आने वाली बाढ़ एक ज्ञात और नियमित आपदा है, लेकिन बावजूद इसके सरकार, आपदा प्रबंधन विभाग, शासन और प्रशासन की कार्यशैली समस्या के स्थायी समाधान की बजाय आपदा आने के बाद ही महज खानापूर्ति करने की कवायद में सक्रिय होती है। हवाई सर्वेक्षणों , दिखावे की समीक्षा बैठकों एवं कोरी बयानबाजी का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है।' रोहिणी आचार्य ने लिखा- 'बिहार का लगभग दो-तिहाई चिह्नित हिस्सा बाढ़ और बाढ़ की वजह से होने वाले कटाव के मद्देनजर संवेदनशील है। हर साल जुलाई-अगस्त - सितंबर के महीनों में उत्तरी, मध्य और पूर्वी बिहार के दो दर्जन से अधिक जिले जलमग्न होते हैं। इसके बावजूद बिना किसी माकूल पूर्व की तैयारी के सरकारी अमला और आपदा प्रबंधन विभाग हर वर्ष बाढ़ के पानी में बस्तियों के डूबने और कटने का इंतजार करते हैं।

जलभराव के बाद ही सरकार की नींद खुलना साफ तौर पर शासन की गंभीर लापरवाही है।' लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी ने कहा- 'बाढ़ नियंत्रण और कटाव से बचाव के नाम पर हर साल अरबों रुपयों का आवंटन होता है , लेकिन तटबंधों की मरम्मत, गाद हटाने, जल निकासी, पुनर्वास और राहत की व्यवस्था सरकारी फाइलों में ही सिमट कर रह जाती है। तटबंधों का समय से पहले ऑडिट न होना, कटाव रोकने के लिए ठोस कार्रवाई न होना सरकारी योजना तंत्र की विफलता है।'

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और अवैध रूप से निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ बिलासपुर पुलिस की कार्रवाई

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश में अवैध अप्रवासियों, घुसपैठियों और बिना वैध दस्तावेजों के अनधिकृत रूप से निवासरत व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं घुसपैठियों को वापस भेजे जाने के संबंध में निर्देश प्राप्त होने के बाद बिलासपुर पुलिस द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है। उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह द्वारा तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आईयूसीएडब्ल्यू) रश्मिता कौर चावला के नेतृत्व में 7 निरीक्षकों सहित विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया गया। सभी थाना प्रभारियों को अवैध घुसपैठियों एवं बिना वैध दस्तावेजों के निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान एवं सत्यापन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके बाद जिले में सघन चेकिंग एवं जांच अभियान शुरू किया गया। विशेष टास्क फोर्स द्वारा बिलासपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार छापामार कार्रवाई एवं जांच करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी एकत्र की गई। जांच के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे व्यक्ति पाए गए, जिनके मूल निवास एवं पहचान से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन आवश्यक पाया गया। संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणिकता की जांच के लिए संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों से भी संपर्क किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 7 सितंबर - 2026

बेहतर शिक्षक ही राष्ट्रनिर्माता

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सोच, संस्कार और क्षमता को आकार देने वाला मार्गदर्शक है। इसलिए शिक्षक की योग्यता पर चर्चा केवल भर्ती तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; प्रशिक्षण, विषय-ज्ञान, तकनीकी समझ और जिम्मेदारी की कसौटियों पर उसे परखा जाना भी जरूरी है। शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के 82 शिक्षकों का सम्मान किया जाना इस पेशे की महत्ता को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित शिक्षकों से मुलाकात के दौरान छात्रों में बढ़ती नशे की लत और उनके स्क्रीन टाइम पर नजर रखने की अपील भी की गई। यह चिंता इसलिए गंभीर है क्योंकि मोबाइल और डिजिटल माध्यमों का अनियंत्रित इस्तेमाल बच्चों के व्यवहार, पढ़ाई और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया आधारित डिजिटल मंचों की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं, लेकिन समाधान केवल तकनीक को दोष देने में नहीं, बल्कि बच्चों को उसके जिम्मेदार उपयोग के लिए तैयार करने में है। इसमें परिवार, स्कूल, समाज और सरकार की साझी जिम्मेदारी है। सम्मानित 82 शिक्षकों का उदाहरण यह भी बताता है कि अच्छे काम को पहचान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। ऐसे सम्मान से दूसरे शिक्षकों में बेहतर काम करने की प्रेरणा पैदा होती है। लेकिन पुरस्कार व्यवस्था के साथ व्यापक स्तर पर गुणवत्ता की निगरानी भी जरूरी है, ताकि उत्कृष्टता कुछ उदाहरणों तक सीमित न रहे और उसका लाभ पूरी शिक्षा व्यवस्था को मिले। इसी संदर्भ में एक बड़ा प्रश्न शिक्षक तैयार करने की व्यवस्था का भी है। जिला स्तर पर डाइट यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग जैसे संस्थान शिक्षकों को प्रशिक्षण देते हैं और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की निगरानी व्यवस्था भी है। इसके बावजूद समय-समय पर यह सवाल सामने आता रहा है कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच रही। जब शिक्षक प्रशिक्षण देने वाला प्रशिक्षक ही पर्याप्त रूप से दक्ष नहीं होगा, तो उससे तैयार होने वाले शिक्षक कितने सक्षम होंगे, यह सवाल स्वाभाविक है। इसलिए प्रशिक्षण संस्थानों की नियमित समीक्षा, प्रशिक्षकों की योग्यता का मूल्यांकन और प्रशिक्षण की वास्तविक प्रभावशीलता की जांच अनिवार्य होनी चाहिए। शिक्षक बनने की प्रक्रिया में भी दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। एक समय था जब शिक्षण के प्रति वास्तविक रुचि रखने वाले लोग इस क्षेत्र में आते थे, लेकिन आज बड़ी संख्या में युवा सरकारी नौकरी की चाह में शिक्षक बनने का विकल्प चुनते हैं। सरकारी नौकरी पाना गलत नहीं, पर यदि शिक्षण केवल रोजगार का माध्यम बन जाए और बच्चों को पढ़ाने, समझाने तथा उनके व्यक्तित्व निर्माण की प्रतिबद्धता पीछे छूट जाए, तो शिक्षा व्यवस्था कमजोर होगी। भर्ती के साथ अभ्यर्थी की विषयगत दक्षता, संवाद क्षमता, संवेदनशीलता और शिक्षकीय अभिरुचि को भी महत्व मिलना चाहिए। नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षकों की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया गया है, लेकिन नीतियों की सफलता कागजों से निकलकर कक्षाओं तक पहुंचने पर ही मानी जाएगी। शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए केंद्र के साथ राज्यों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। राज्यों को प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने, संसाधन उपलब्ध कराने और योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए सक्रिय कदम उठाने होंगे। केवल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, उनके परिणामों की निष्पक्ष समीक्षा भी जरूरी है। आखिरकार, बेहतर शिक्षक ही बेहतर विद्यार्थी और सक्षम नागरिक तैयार कर सकते हैं। बच्चों को मोबाइल और नशे जैसी चुनौतियों से बचाने की जिम्मेदारी केवल परिवार की नहीं है; शिक्षक भी उन्हें सही दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की स्वीकार्यता भी शिक्षकों के अनुकरणीय आचरण से मजबूत होती है। इसलिए शिक्षक की गुणवत्ता को शिक्षा व्यवस्था का केंद्र बनाना होगा। सम्मान केवल पुरस्कार से नहीं, बल्कि ऐसा चयन, प्रशिक्षण और कार्य-परिवेश देकर होना चाहिए, जो शिक्षक को सचमुच राष्ट्र-निर्माता बनने में सक्षम बनाए।

लेखनी में असीमित सामर्थ्य और क्षमताएं

संजीव ठाकुर

अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है। मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं।

एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहारें छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस ,जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं।

कस्बाई छात्र आंदोलनों के सकारात्मक पहलू

रघु ठाकुर

दिल्ली के जून के अंत और जुलाई के आरम्भ में हुए छात्रों और अन्य वामपंथी संगठनों आईसा, ए स ए फ आ ई , एआईएसएफ, भीम आर्मी, आम आदमी पार्टी, सपा और अन्य दलों के छात्रों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं का मिला जुला आंदोलन देश देख चुका है। इसे जैन जी का आंदोलन कह के प्रचारित किया गया। इस आंदोलन के विभिन्न पक्षों के बारे में और कुछ स्याह पक्षों के बारे में भी मैं पहले लिख चुका हूँ। इस आंदोलन के सफलता-असफलता आदि के बारे में देश के सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में काफी चर्चा हुई है और हो भी रही है क्योकि इसके पीछे व प्रचार में वैश्विक ताकतों का भी कुछ सहयोग था। परंतु इस दिल्ली के धरने से कुछ अच्छे प्रभाव भी देश में हुए हैं और अब लोगों में यह उत्साह की भावना आई है कि अगर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे होते हैं तो सरकार को उनकी बात मानना होगी। दिल्ली के आंदोलन के समाप्ति के तत्काल बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मूंग की खरीदी को लेकर किसानों ने आंदोलन किया पुलिस के लगाए गए 21 बैरिकेड तोड़कर किसान भोपाल में प्रवेश कर गए और मुख्यमंत्री को उनसे बात कर उनकी बात माननी पड़ी। इस बीच में देश के अनेक स्थानों पर छात्रों और विशेरुतरू स्कूली छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर ऐसे शांतिपूर्ण और अहिंसक धरना प्रदर्शन किए हैं जिनके सामने सरकार को झुकना पड़ा।

जंतर मंतर के घटना क्रम के दो महत्वपूर्ण सकारात्मक पक्ष है एक-लोगों में अपने घरों से बाहर निकलने का अपनी मांगों को उठाने का साहस पैदा हुआ है और दूसरा-सरकारें भी अब इन घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता और उदारता दिखाकर उनकी मांगों को पूरा कर रही हैं। इसके कुछ उदाहरण निम्नानुसार हैं-

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के सिरोंज में बस ऑपरेटर्स द्वारा किराया 10 रुपए से बढ़ाकर 25 रुपये कर दिया गया था। इसके विरोध में स्कूल की छात्राओं ने प्रदर्शन किया। बसों के आगे खड़ी हो गईं और अंत में बस ऑपरेटर्स ने पुराने 10 रुपए की पुरानी दर को ही लागू किया।

राजस्थान के अलवर में स्कूल के जर्जर भवन को बदलने व्याख्याताओं की नियुक्ति आदि मांगों को लेकर विद्यार्थियों ने ग्रामीण जनों के साथ स्कूल पर तालाबंदी की और प्रदर्शन धरना किया तब लाचार होकर शिक्षा विभाग के अधकारियों ने मांगें पूरी करने का वचन दिया और तब तालाबंदी समाप्त हुई।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ के जयनारायण स्कूल के सैकड़ों छात्र छात्राएं पर्याप्त स्कूल शिक्षक नियुक्त करने की मांग को लेकर सड़क पर बैठ गए और लंबे जाम के बाद अंततरू स्कूल प्रबंधन को उनकी बात माननी पड़ी। यूपी के कन्नौज में ही जवाहर नवोदय विद्यालय में बच्चों ने मूलभूत सुविधाओं शिक्षकों के दुर्व्यवहार और घटिया खाने के खिलाफ अपने आप को कमरों में बंद कर लिया तथा बाद में डीएम श्री आशुतोरु मोहन अग्निहोत्री ने जाकर समस्याओं का हल निकाला।चंडीगढ़ में भी मूक बधिर विद्यालय के छात्रों ने मूल भूत सुविधाओं और बेहतर शिक्षा की माँग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया तब सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान दिया। 14 अगस्त 2026 को मध्य प्रदेश के उज्जैन में सराफा स्कूल को दाऊदखेड़ी के संदीपनी विद्यालय में विलय करने के विरोध में बड़ी संख्या में छात्राएँ कलेक्टर कार्यालय पहुंची। वे जमीन पर बैठ गईं और उन्होंने नारे बाजी की। उज्जैन मुख्यमंत्री का गृह जिला है तथा यह नीति मध्य प्रदेश सरकार ने ही बनाई थी कि 12 किमी भीतर के स्कूलों को संदीपनी विद्यालयों में विलय कर दिया जाए। आज कल सरकारें केवल प्रचार के लिए काम करती हैं और दिखावा करती हैं।

कुछ ऐसे धार्मिक नामों का इस्तेमाल करती हैं कि जिससे वे धार्मिक सिद्ध हो जायें। मध्य प्रदेश में संदीपनी विद्यालय सरकार ने इस आधार पर शुरू किए हैं कि संदीपनी आश्रम में भगवान श्री द्धरुण रहे थे और उनका शिक्षण हुआ था। अब इसके माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार यह प्रदर्शित करना चाहती थी कि ये द्धरुण भक्त सरकार है और यादव समाज भगवान द्धरुण को यादव मानता है क्योकि जब उन्हें कंस के द्वारा उनकी हत्या के भय से उनके पिता भीरुण बारिश में रात्रि में सिर पर टोकरी रख कर यमुना पार कर नंद के यहाँ लाए थे जहाँ उनका पालन पोरुण हुआ था, वे नंद यदुवंशी थे। इसलिए उन्हें द्धरुण का पिता जैसा ही माना जाता है और इसलिए यादव भाई द्धरुण को यदुवंशी मानते हैं। हालाकि द्धरुण राजा के वंशज और क्षत्रिय थे। सरकार ने जो संदीपनी विद्यालय बनाये उनमे आस पास के 12 किमी के स्कूलों के विलय करने का निर्णय किस तर्क से किया यह समझ से परे है। क्योकि यथासंभव स्कूल तो छात्रों के लिए उनके घर के समीप होने चाहिए और सरकार को उन ग्रामीण स्कूलों की व्यवस्था ठीक करनी चाहिए परंतु सरकार ने ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, छात्राओं के आवागमन के लिए सड़कों की कमी आदि को पूरा करने से बचने के लिए यह संदीपनी विद्यालय के नाम का जुमला फेंका था। उज्जैन की जिन छात्राओं ने 14 अगस्त को स्वाधीनता दिवस की पूर्व बेला में अपने स्कूल चार धाम हरि सिद्धि रोड पर स्थित कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय सराफा से कलेक्ट्रेट तक की पैदल यात्रा की और उन्होंने एडीएम जो उन्हें रोकने के लिए आए थे, से कहा कि श्अगर हमारा स्कूल यथावत नहीं रहेगा तो हमारी पढ़ाई समाप्त हो जाएगी और हम पढ़ नहीं सकेंगे। अभी भी सराफा उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10 किमी के क्षेत्र की बच्चियाँ पढ़ने के लिए आती हैं और जहाँ नया संदीपनी स्कूल दाऊदखेड़ी में बनाया जा रहा है वह सराफा स्कूल से 12 किमी दूर है। बच्चियों को बहलाने को अधिकारियों ने निरर्थक दिखावे का प्रयास किया परंतु बच्चियों ने उनकी बात नहीं मानी तथा 3 घंटे के धरने के बाद संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह के निर्देश पर जब जिला शिक्षा अधिकारी ने लिखकर दिया तब छात्राओं ने अपना धरना समाप्त किया। इस दौरान 3 छात्राएं बेहोश भी हुईं परंतु किसी भी छात्रा ने न अधिकारियों के लिए, न शासन के लिए किसी गाली का इस्तेमाल किया न कोई तोड़ फोड़ की न पुलिस से कोई झगड़ा किया। बस केवल शांति पूर्ण नारे लगाए बातचीत की, तर्क किये और अधिकारियों के द्वारा लिखित दिए जाने तक अपने धरने को शांतिपूर्ण ढंग से चलाया । इन छात्राओं के साथ अनेकों छात्राओं के अभिभावक भी चिंता में उनके साथ-साथ पहुंचे थे। दिल्ली के जंतर मंतर के धरने के बाद जो 6 घटनाएं लखनऊ, अलवर, चंडीगढ़, कन्नौज, विदिशा और उज्जैन की मैंने ऊपर बताई हैं, इन सारी घटनाओं में गाली का कोई शब्द इस्तेमाल नहीं किया गया, कोई हिंसा नहीं हुई, पुलिस या अधिकारियों से इधर या उधर से कोई मारपीट नहीं हुई। बस केवल शांति पूर्ण और अहिंसक ढंग से याने गांधीवादी तरीके से आंदोलन किया गया और जिसमें लगभग हर आंदोलन में सफलता मिली है।यह भी एक तथ्य है कि इन आंदोलनों के आधार या कारण तार्किक थे। दरअसल, दिल्ली में धरना देने वाले छात्रों, वामपंथी संगठनों या अन्य राजनैतिक दलों या भीम सेना, सपा, आप, कांग्रेस और अन्य दलों के छात्र नेताओं को और राजनैतिक दल के आंदोलन करने वालों को इन छात्रों या बच्चीओं से आंदोलन करना सीखना चाहिए। इनमें अधिकांश छात्रायें थीं और उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ लोहिया और जयप्रकाश नारायण के आंदोलन के नैतिक आदर्श का पालन किया।

मंदिरों की लोककल्याणकारी परंपरा लौटानी होगी

सत्यम तिवारी

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के लिए आस्था और गौरव का विषय है। मंदिर का विशाल परिसर, भव्य स्थापत्य और उसके आसपास विकसित हो रहा नया अयोध्या क्षेत्र देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। किंतु राम मंदिर की वास्तविक उपलब्धि केवल उसके भव्य निर्माण तक सीमित नहीं होनी चाहिए। असली चुनौती उस परंपरा को समझने और पुनर्जीवित करने की है, जिसमें मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं थे, बल्कि ज्ञान, सेवा, संस्कृति, व्यापार, चिकित्सा और सामाजिक समरसता के केंद्र भी हुआ करते थे। राम मंदिर के नवनियुक्त सीईओ एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र और उनकी टीम के सामने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। अयोध्या के सौंदर्यीकरण और मंदिर परिसर के विस्तार के लिए लंबे समय तक व्यापक प्रशासनिक प्रयास हुए। आसपास के निर्माण हटाए गए, मार्गों को चौड़ा किया गया और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए सुविधाएं विकसित की गईं। इन प्रयासों के बाद मंदिर की भव्यता सामने है, लेकिन यह केवल पहला चरण है। आगे का असली प्रश्न यह है कि क्या अयोध्या अपने उस प्राचीन स्वरूप और सामाजिक आदर्श को भी वापस पा सकेगी, जिसके कारण वह सदियों तक भारत की सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रही?

अयोध्या के प्राचीन गौरव को समझने के लिए इतिहास के प्रमाणों पर नजर डालना जरूरी है। वर्ष 2003 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से न्यायालय के आदेश पर परिसर में खुदाई की गई थी। इसी क्रम में विष्णु-हरि शिलालेख का उल्लेख सामने आया, जिसे 12वीं शताब्दी से संबंधित माना गया। शिलालेख में साकेत यानी अयोध्या में रामजन्मस्थान पर विष्णु-हरि के भव्य मंदिर का वर्णन होने की बात कही गई। हालांकि इस शिलालेख को लेकर इतिहासकारों के बीच मतभेद भी रहे और इसकी प्राप्ति को लेकर सवाल उठाए गए। ऐसे विवादों के बीच इतिहास को भावनाओं के बजाय प्रमाण, शोध और निष्पक्ष अध्ययन के आधार पर समझना ही उचित रास्ता है। अयोध्या की विशेषता केवल मंदिर निर्माण में नहीं थी। प्राचीन परंपरा में यहां अन्नसत्र जैसी व्यवस्थाएं थीं, जहां दूर-दराज से आने वाले साधुओं, यात्रियों और अतिथियों को भोजन और आश्रय मिलता था। स्कंद पुराण से जुड़े उल्लेखों में भी अन्नदान और लोकसेवा की परंपरा का संकेत मिलता है। सातवीं शताब्दी में भारत आए चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी अयोध्या की ऐसी व्यवस्थाओं का वर्णन किया, जहां जरूरतमंदों को भोजन, बीमारों को चिकित्सा और आगंतुकों को आश्रय मिलने की बात सामने आती है। यह तथ्य मंदिरों के उस व्यापक सामाजिक चरित्र की ओर संकेत करता है, जिसमें धर्म का अर्थ केवल पूजा नहीं, बल्कि लोककल्याण भी था।

अयोध्या अकेली ऐसी नगरी नहीं थी। मथुरा और काशी भी अपने-अपने ढंग से ज्ञान और सभ्यता के बड़े केंद्र थे। मथुरा प्राचीन उत्तरापथ पर स्थित होने के कारण व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थी। यह पुराने सिल्क रूट से जुड़ी हुई थी। कुषाणकालीन प्रमाणों से मथुरा के व्यापार और आर्थिक गतिविधियों की महत्ता का पता चलता है। यहां देश-विदेश से व्यापारी आते थे और आर्थिक लेन-देन की व्यवस्थाएं विकसित थीं। कृष्ण परंपरा से जुड़ी गौशालाएं भी इस सामाजिक-आर्थिक तानेबाने का हिस्सा थीं। यानी मथुरा में धर्म और व्यापार एक-दूसरे से अलग क्षेत्र नहीं थे, बल्कि नगर के व्यापक जीवन में परस्पर जुड़े हुए थे।

काशी की भूमिका तो इससे भी अलग और विशिष्ट थी। विश्वनाथ की नगरी को लंबे समय तक भारत के प्रमुख बौद्धिक केंद्र के रूप में देखा गया। स्कंद पुराण के काशीखंड से जुड़े वर्णनों में विश्वनाथ मंदिर की विद्वत परिषद का उल्लेख मिलता है। किसी नए दर्शन, सिद्धांत या विचार को व्यापक मान्यता मिलने से पहले शास्त्रार्थ की परंपरा में उसे परखा जाता था। शंकराचार्य और रामानुजाचार्य जैसे महान दार्शनिकों की परंपरा इस बौद्धिक वातावरण से जुड़ी रही। काशी केवल धार्मिक कर्मकांड की नगरी नहीं थी; वह शिक्षा, तर्कशास्त्र, खगोल विज्ञान, ज्योतिष, चिकित्सा और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों के अध्ययन का भी महत्वपूर्ण केंद्र रही।

यही वह व्यापक दृष्टि है, जिसे आज मंदिरों के पुनर्निर्माण के साथ फिर से समझने की जरूरत है। मंदिरों की ऊंचाई, शिखर और स्थापत्य जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण उनसे जुड़ी सेवा और ज्ञान की परंपरा भी है। यदि मंदिर विशाल हो जाएं लेकिन उनके आसपास शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन और जरूरतमंदों की सहायता की संस्कृति कमजोर हो जाए, तो मंदिरों की ऐतिहासिक भूमिका का केवल बाहरी हिस्सा ही बचता है।

सवाल यह भी है कि ऐसी महान परंपरा धीरे-धीरे कमजोर क्यों हुई? इसका पूरा उत्तर केवल विदेशी आक्रमणों में खोज लेना आसान जरूर है, लेकिन पर्याप्त नहीं। विदेशी शासन के दौर में अनेक धार्मिक संस्थान सीमित समूहों के नियंत्रण में भी जाते गए और कहीं-कहीं धर्म की रक्षा के नाम पर संकीर्णता बढ़ी। परिणाम यह हुआ कि मंदिरों की व्यापक लोककल्याणकारी भूमिका धीरे-धीरे सिकुड़ती गई। भारत के अन्य धार्मिक संस्थान भी इस परिवर्तन से अछूते नहीं रहे। हालांकि कुछ संस्थाओं ने समय के साथ अपनी सामाजिक भूमिका को मजबूत किया। गुरुद्वारों का उदाहरण सामने है, जहां धार्मिक आस्था के साथ शिक्षा, चिकित्सा, भोजन और जनकल्याण की गतिविधियां भी दिखाई देती हैं।

इसलिए आज मंदिरों को लेकर बहस केवल अधिकार, विवाद या भव्यता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अयोध्या, मथुरा और काशी की ऐतिहासिक यात्रा बताती है कि इन नगरों का महत्व मंदिरों की संख्या या आकार में नहीं, बल्कि उनके माध्यम से विकसित हुई सभ्यता में था। अलग-अलग संस्कृतियों का मिलन, ज्ञान का आदान-प्रदान, यात्रियों की सेवा, व्यापार का विस्तार और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता—ये सभी उस परंपरा के महत्वपूर्ण हिस्से थे। राम मंदिर की नई व्यवस्था के सामने इसलिए चुनौती केवल श्रद्धालुओं की भीड़ संभालना, सुरक्षा सुनिश्चित करना या प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत करना नहीं है। मंदिर में चढ़ावे की चोरी जैसी सामने आई खबरें व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही का सवाल भी उठाती हैं।

समंदर की उफनती लहरें और कंक्रीट का ढहता गुरूर

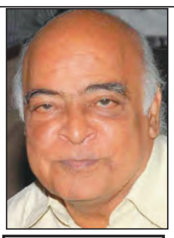

अशोक भाटिया

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर उस कड़वी और भयावह हकीकत को हमारे सामने ला खड़ा किया है, जिससे हम लगातार अपनी आँखें मूँदने की कोशिश करते रहे हैं। मुंबई, कोलकाता और ढाका जैसे दक्षिण एशिया के सबसे जीवंत, आर्थिक रूप से समृद्ध और घनी आबादी वाले महानगरों के समुद्र में समा जाने की चेतावनी अब किसी हॉलीवुड विज्ञान-कथा (साइंस-फिक्शन) का हिस्सा नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही एक ऐसी आसन्न त्रासदी है जिसकी पटकथा हमने खुद लिखी है। सोशल मीडिया और सनसनीखेज खबरों के इस दौर में भले ही इन शहरों के रातों-रात पानी में डूब जाने की अफवाहें उड़ाई जा रही हों, लेकिन इस अतिशयोक्ति के पीछे छिपा वास्तविक सच किसी महाविनाश से कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के अनुसार, दक्षिण एशिया के इन निचले डेल्टा क्षेत्रों में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ लोग आने वाले दशकों में हमेशा के लिए बेघर हो सकते हैं। यह केवल कुछ शहरों के भूगोल के बदलने का संकट नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता, अर्थव्यवस्था और हमारी संप्रभुता के अस्तित्व पर एक ऐसा प्रहार है, जिसकी भरपाई आने वाली कई सदियाँ भी नहीं कर पाएँगी।

इस संकट की जड़ें केवल समुद्र के बढ़ते जलस्तर में नहीं हैं, बल्कि आधुनिक विकास के उस अंधे मॉडल में हैं जिसने प्रकृति को हमेशा अपनी दासी समझा है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का उदाहरण हमारे सामने है। सात टापुओं को आपस में जोड़कर और समंदर को पाटकर खड़ी की गई यह अट्टालिकाएँ आज अपने ही बोझ से दबी जा रही हैं। कंक्रीट के इस जंगल ने जमीन के भीतर की उन नसों को सुखा दिया है जो पानी को सोखती थीं। भूजल के अंधाधुंध दोहन के कारण मुंबई की जमीन हर साल कुछ मिलीमीटर नीचे धंस रही है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'लैंड सबसिडेंस' कहा जाता है। एक तरफ ऊपर से बढ़ता समंदर और दूसरी तरफ नीचे धंसती जमीन—मुंबई आज प्रकृति के दोहरे शिकंजे में है। हर साल मानसून में मुंबई की सड़कों पर दिखने वाला समंदर दरअसल प्रकृति का वह उग्र रूप है जो हमें याद दिलाता है कि जिसे हम विकास कह रहे हैं, वह दरअसल विनाश का एक धीमा जहर है।दूसरी ओर, कोलकाता और ढाका की स्थिति और भी अधिक संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चिंताजनक है। ये दोनों ही महानगर दुनिया के सबसे बड़े गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा के मुहाने पर बसे हैं। समुद्र तल से नाममात्र की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण, बंगाल की खाड़ी में होने वाली मामूली हलचल भी इन शहरों के अंतःकरण को हिलाकर रख देती है। जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों की आवृत्ति और उनकी तीव्रता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अम्फान, यास और रेमल जैसे चक्रवातों ने हाल के वर्षों में जो तबाही मचाई है, वह केवल एक झांकी थी। समुद्र का खारा पानी अब केवल तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह नदियों के रास्ते इन महानगरों के मीठे पानी के स्रोतों और कृषि योग्य भूमि को नष्ट कर रहा है। ढाका, जो कभी अपनी मलमल और नदियों के लिए जाना जाता था, आज दुनिया के सबसे प्रदूषित और जलवायु रूप से संवेदनशील शहरों में से एक बन चुका है। बांग्लादेश के ग्रामीण इलाकों से हर साल लाखों लोग जलवायु शरणार्थी (क्लाइमेट रिफ्यूजी) बनकर ढाका की झुग्गियों में पनाह ले रहे हैं, जिससे इस शहर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक समुद्र का जलस्तर अब तक की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना और गर्म होते महासागरों के पानी का फैलाव कोई ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसे हम रातों-रात रोक सकें। इस संकट का सबसे क्रूर पहलू यह है कि जिन देशों और आम नागरिकों ने वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम योगदान दिया है, वे ही इस त्रासदी की पहली कतार में खड़े हैं। मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वाला मजदूर, सुंदरवन के द्वीपों पर खेती करने वाला किसान या ढाका की फैक्ट्रियों में काम करने वाला आम नागरिक—ये वे लोग हैं जिनके पास इस आपदा से बचने के लिए कोई एयर-कंडीशनर कमरा या किसी ऊंचे पहाड़ पर बना दूसरा घर नहीं है। जब समंदर का पानी बस्तियों में घुसेगा, तो यह अमीर और गरीब की खाई को पाटते हुए सबको अपनी चपेट में लेगा, लेकिन सबसे पहले और सबसे बुरी तरह वही कुचला जाएगा जो आर्थिक रूप से कमजोर है।

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को केवल एक चेतावनी मानकर फाइलों में बंद कर देना सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल होगी। यह समय वैश्विक नेताओं के लिए खोखले वादों और जलवायु सम्मेलनों में लंबी-चौड़ी घोषणाएँ करने का नहीं, बल्कि जमीन पर सख्त और ठोस कार्रवाई करने का है। हमें यह समझना होगा कि पारंपरिक इंजीनियरिंग के तरीके, जैसे कि केवल तटीय दीवारें खड़ी कर देना या ड्रेनेज सिस्टम को थोड़ा साफ कर देना, अब इस महासंकट का समाधान नहीं कर सकते। हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की कला को दोबारा सीखना होगा। तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव (सदाबहार वन) की रक्षा करना हमारा सबसे पहला रक्षा कवच होना चाहिए। मैंग्रोव के जंगल केवल पेड़ नहीं हैं, बल्कि वे समंदर की उग्र लहरों की गति को थामने वाले प्रकृति के अपने सैनिक हैं।

सुराहीदार घड़ा एक पहेली

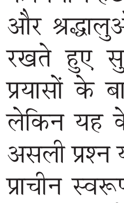

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

तहसील परिसर के पुराने नीम के पेड़ की छाँव में ईंटों के चबूतरे पर रखा वह मिट्टी का सुराहीदार घड़ा पूरे कसबे के लिए एक पहेली बना हुआ था, ठीक वैसे ही जैसे किसी दफ्तर में फाइल की ईमानदारी एक पहेली होती है। उस घड़े का मुँह लाल सूती कपड़े से बँधा था और उसकी गर्दन पर सूखे फूलों की एक पुरानी माला लटकी रहती थी जिसे वक्त की धूल ने मटमैला कर दिया था, मानो वह सरकारी फाइलों पर जमी वह धूल हो जिसे सिर्फ रिश्वत की फूँक ही उड़ा सकती है। उस चबूतरे के एक कोने पर अपनी लाठी टिकाए हरिशंकर काका रोज सुबह कचहरी खुलने से पहले आकर बैठ जाते थे, जैसे किसी मरे हुए विभाग की आत्मा उसकी चौखट पर न्याय की भीख माँगने पहुँच गई हो। सफेद धोती और कंधे पर पुराना अंगोछा डाले हरिशंकर काका का दिन भर बस एक ही काम था कि वे उस सूखे घड़े के पास हाथ में ताँबे का एक खाली लोटा लेकर बैठे रहते थे, क्योंकि इस देश में खाली लोटा लेकर बैठना ही आम आदमी की सबसे बड़ी संवैधानिक उपलब्धि है। तहसील में रोज मुकदमों की तारीखें पड़ती थीं, ज़मीनों की नापजोख के लिए वकीलों की मेजों पर स्टाम्प पेपरों का ढेर लगता था और मुंशियों की लिखापढ़ी का शोर गूँजता था, यह वह शोर था जिसमें सत्य की चीख अक्सर गले में ही दम तोड़ देती है। काका को दुनिया के किसी बखेड़े से कोई मतलब नहीं था, वे जानते थे कि व्यवस्था के इस कीचड़ में कमल नहीं, सिर्फ दलाल खिलते हैं। जब भी कोई प्यासा फरियादी उस चिलचिलाती धूप में पानी की आस लेकर चबूतरे की तरफ बढ़ता तो काका बड़े अपनेपन से उसे रोक देते और अपने लोटे की तरफ इशारा करते हुए कहते कि बेटा इस घड़े का ढक्कन मत खोलना, इसमें कोई साधारण पानी नहीं बल्कि इस पूरे कसबे की सूखी हुई तकदीर का हिसाब बंद है, और तकदीर का हिसाब अगर खुल गया तो प्रशासन को नींद की गोलियाँ खानी पड़ जाएँगी। तहसील का चायवाला मन्नू जब भी केतली लेकर उधर से निकलता तो काका की उस शांत मुद्रा को देखकर सोच में पड़ जाता कि आखिर इस खाली पड़े मिट्टी के बर्तन में ऐसा कौन सा रहस्य गड़ा हुआ है, शायद वह रहस्य कि व्यवस्था के पेट में कितनी ज़मीनें हजम हो जाती हैं। तहसीलदार बने प्रहलाद जोशी नियम कायदे के बहुत कड़े और पढ़े लिखे अफसर माने जाते थे जिनकी मेज पर फाइलों का अंबार कभी बिना कानूनी जाँच के आगे नहीं सरकता था, हालाँकि वे जानते थे कि कानून वह मकड़ी का जाला है जिसमें सिर्फ छोटे कीड़े फँसते हैं। प्रहलाद बाबू जब भी अपनी सरकारी गाड़ी से उतरकर सीढ़ियाँ चढ़ते तो उनकी नजर सबसे पहले उसी नीम के पेड़ के नीचे बैठे हरिशंकर काका पर जाकर टिक जाती थी, उन्हें लगता कि कोई पुराना पाप उनकी वर्दी को घूर रहा है। प्रहलाद बाबू को सरकारी दफ्तर के परिसर में किसी बुजुर्ग का इस तरह रोज एक मिट्टी के बर्तन को पूजते देखना प्रशासनिक मर्यादा के खिलाफ लगता था, क्योंकि प्रशासन की मर्यादा सिर्फ भ्रष्टाचारियों को सलाम करने में सुरक्षित रहती है। एक दिन जब दोपहर की जनसुनवाई खत्म हुई और धूप थोड़ी मद्धम पड़ी तो तहसीलदार साहब अपने कमरे से बाहर निकले और सीधे उस चबूतरे के पास पहुँच गए, जैसे कोई शिकारी अपने शिकार की सादगी से घबरा गया हो। उन्होंने अपनी कड़क आवाज में पूछा कि काका आप रोज इस सूखे घड़े के पास अपना ताँबे का लोटा लेकर क्यों जम जाते हैं, अगर आपकी कोई पेंशन, ज़मीन का विवाद या दाखिल खारिज का मुकदमा अटका है तो अर्जी दीजिए वरना इस तरह सरकारी जमीन घेरकर बैठने से दफ्तर का अनुशासन बिगड़ता है, जबकि सच्चाई यह थी कि अनुशासन सिर्फ गरीबों के लिए एक जेलखाना है।

भौम प्रदोष व्रत कल

किसी भी माह की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष तिथि का व्रत किया जाता है और प्रदोष तिथि भगवान शिव को समर्पित है। यह तिथि मंगलवार के पड़ने की वजह से इस प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भौम प्रदोष व्रत में कथा सुनने व कहने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है...

हर माह के शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष तिथि का व्रत किया जाता है। प्रदोष व्रत की तिथि जब मंगलवार को आती है, तब उसे भौम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है।

भौम प्रदोष व्रत में कथा सुनना व कहना बहुत पुण्यदायी माना जाता है और इस कथा से पूजा भी पूरी होती है। मान्यता है कि भौम प्रदोष व्रत की कथा सुनने व कहने से देवों के देव महादेव का आशीर्वाद प्राप्त होता है और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

भौम प्रदोष व्रत कथा

सूतजी बोले- अब मैं मंगल त्रयोदशी प्रदोष व्रत का विधि विधान कहता हूं। मंगलवार का दिन व्याधियों का नाशक है। इस व्रत में एक समय व्रती को गेहूं और गुड़ का भोजन करना चाहिए। इस व्रत के करने से मनुष्य सभी पापों व रोगों से मुक्त हो जाता है इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं है।

अब मैं आपको उस बुढ़िया की कथा सुनाता हूं, जिसने यह व्रत किया व मोक्ष को प्राप्त हुई। अत्यन्त प्राचीन काल की घटना है। एक नगर में एक बुढ़िया रहती थी।

उसके मंगलिया नाम का एक पुत्र था। वृद्धा को हनुमानजी पर बड़ी श्रद्धा थी। वह प्रत्येक मंगलवार को हनुमानजी का व्रत रखकर यथाविधि उनका भोग लगाती थी। इसके अलावा मंगलवार को एक न तो घर लीपती थी और न ही मिट्टी खोदती थी।

इसी प्रकार से व्रत रखते हुए जब उसे काफी दिन बीत गए तो हनुमानजी ने सोचा कि चलो आज इस वृद्धा की श्रद्धा की परीक्षा करें।

वे साधु का वेष बनाकर उसके द्वार पर जा पहुंचे और पुकारा "है कोई हनुमान का भक्त जो हमारी इच्छा पूरी करे। वृद्धा ने यह पुकार सुनी तो बाहर आई और महाराज क्या आज्ञा है? साधु वेषधारी हनुमान जी बोले कि 'मैं बहुत भूखा हूं भोजन करूंगा। तू थोड़ी सी जमीन लीप दे।' वृद्धा बड़ी दुविधा में पड़ गई। अंत में हाथ जोड़कर प्रार्थना की- हे महाराज! लीपने और मिट्टी खोदने के अतिरिक्त जो काम आप कहें वह मैं करने को तैयार हूं।

भगवान श्रीकृष्ण की सीख

अगर किसी स्थान या वातावरण में लगातार तनाव, असुरक्षा और नकारात्मकता बढ़ रही है तो उसके कारणों को समझने की कोशिश करें

महाभारत की कथा है। द्वारका में धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलने लगी थीं। जिस नगरी में कभी सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण रहता था, वहां अब तरह-तरह के अपशकुन और उत्पात दिखाई देने लगे थे। लोग आपस में झगड़ने लगे थे, परिवारों में कलह बढ़ रही थी और नई पीढ़ी भी अनुशासन से दूर होती जा रही थी।

एक दिन श्रीकृष्ण द्वारिका के बुजुर्गों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, "हमारी द्वारका में जगह-जगह अपशकुन हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि ऋषियों ने हमारे कुल को ऐसा शाप दिया है, जिसे टालना बहुत मुश्किल है। अब उस शाप के निदान का अवसर भी निकल चुका है। हमें इसका परिणाम भोगना ही होगा।"

श्रीकृष्ण की बातें सुनकर बुजुर्ग चिंतित हो गए। उन्होंने कहा, "कृष्ण, हमें तो तुम्हारा ही भरोसा है। यह सच है कि द्वारका में अब पहले जैसी स्थिति नहीं रही। लोग एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और हमारे बच्चे भी उद्दंड होते जा रहे हैं। अब हमें क्या करना चाहिए, यह तुम ही बताओ।"

तब श्रीकृष्ण ने बहुत महत्वपूर्ण बात कही। भगवान ने कहा, "अगर हम अपने प्राणों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। व्यक्ति को अपने स्थान से मोह हो जाता है, लेकिन जब वही स्थान हमारे लिए विपरीत परिस्थितियां पैदा करने लगे और दुख का कारण बनने लगे, तब उससे मोह बनाए रखना बुद्धिमानी नहीं है।"

उन्होंने आगे कहा कि पास ही प्रभास क्षेत्र है। वह एक पवित्र स्थान है और वहां जाना सभी के लिए हितकारी होगा।उस स्थान का महत्व बताते हुए श्रीकृष्ण ने चंद्रमा का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि दक्ष प्रजापति के शाप के कारण चंद्रमा को कष्ट हुआ था। उस संकट से मुक्ति पाने के लिए चंद्रदेव ने प्रभास क्षेत्र में स्नान किया, भगवान की पूजा की और इसके फलस्वरूप वे शाप के प्रभाव से मुक्त हो गए।

श्रीकृष्ण ने कहा कि हम भी वहां जाकर स्नान करेंगे, अपने पितरों का तर्पण करेंगे और सत्संग सुनेंगे। इससे संकटों का सामना करने के लिए आवश्यक आत्मबल मिलेगा। श्रीकृष्ण की बात सभी ने स्वीकार की और वे प्रभास क्षेत्र की ओर चले गए।

इस प्रसंग का संदेश यही है कि हर परिस्थिति में एक ही जगह टिके रहना समझदारी नहीं है। जब कोई स्थान, वातावरण या परिस्थिति लगातार हमारे जीवन में नकारात्मकता और संकट बढ़ाने लगे, तब उससे बाहर निकल जाना चाहिए।

प्रसंग की सीख

परिस्थितियों के संकेत पहचानें

जीवन में अचानक आने वाली हर परेशानी को नजरअंदाज न करें। अगर किसी स्थान या वातावरण में लगातार तनाव, विवाद, असुरक्षा और नकारात्मकता बढ़ रही है तो उसके कारणों को समझने की कोशिश करें। समस्या को पहचानना समाधान की पहली सीढ़ी है।

केवल मोह के कारण मत रुकिए

किसी जगह से वर्षों का जुड़ाव हो सकता है। वहां घर, रिश्ते, यादें और भावनाएं जुड़ी हो सकती हैं, लेकिन केवल भावनात्मक लगाव के कारण ऐसी परिस्थिति में बने रहना सही नहीं है, जो आपके विकास और शांति को नुकसान पहुंचा रही हो।

बदलाव को हार न समझें

जगह बदलना, नौकरी बदलना या किसी नकारात्मक वातावरण से बाहर निकलना हमेशा असफलता नहीं होता। कई बार बदलाव ही आगे बढ़ने का रास्ता बनता है। सही समय पर लिया गया निर्णय भविष्य की बड़ी परेशानी से बचा सकता है।

जाने से पहले कारण स्पष्ट करें

किसी जगह या परिस्थिति को छोड़ने से पहले खुद से पूछें- मैं यहां से क्यों जा रहा हूं? समस्या अस्थायी है या लगातार बनी हुई है? क्या इसे सुधारने की कोई वास्तविक संभावना है? अगर सुधार संभव नहीं है, तभी बदलाव की योजना बनाएं।

नए स्थान के लाभ समझें

सिर्फ पुरानी जगह छोड़ना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना जरूरी है कि नया स्थान आपको क्या देगा। बेहतर वातावरण, अच्छे लोग, सीखने के अवसर, मानसिक शांति और विकास की संभावनाएं नए विकल्प में होनी चाहिए।

आत्मबल मजबूत रखें

श्रीकृष्ण ने प्रभास क्षेत्र में स्नान, तर्पण और सत्संग की बात कही। इसका एक व्यावहारिक अर्थ यह भी है कि कठिन समय में हमें अपने मन और आत्मबल को मजबूत करने वाले काम करने चाहिए। अच्छे लोगों की संगति, सकारात्मक विचार और आत्मचिंतन हमें सही निर्णय लेने की शक्ति देते हैं।

हर समस्या का समाधान लड़ाई नहीं है

कुछ लोग हर विपरीत परिस्थिति का सामना संघर्ष करके करना चाहते हैं, लेकिन हर लड़ाई लड़ना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी पीछे हटना, दूरी बनाना या स्थान बदलना ही सबसे समझदार रणनीति होती है।

शुरू हुआ भादो का महीना, सितंबर में भूलकर भी ना खाएं बैंगन समेत ये सब्जियां और ये 2 दाल

हिंदू पंचांग में भाद्रपद मास को बेहद पवित्र और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है, इसे भादों के नाम से भी जाना जाता है. इस महीने का नाम भाद्रपद नक्षत्र के नाम पर रखा गया है. हिंदू कैलेंडर का छठा महीना भाद्रपद मास आमतौर पर अगस्त के मध्य से लेकर सितंबर के मध्य तक रहता है. सावन के बाद आने वाले इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव यानी जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, हरतालिका तीज और ऋषि पंचमी जैसे कई प्रमुख पर्व मनाए जाते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद में पूजा-पाठ, व्रत और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है. इस महीने में खान-पान को लेकर भी कुछ विशेष परंपराएं बताई गई हैं. इन परंपराओं का पालन करने से कई तरह के रोग और शोक से मुक्ति मिलती है।

भाद्रपद में मौसम में बदलाव होने लगता है. बारिश और उमस के कारण पाचन तंत्र पर भी असर पड़ सकता है. इसलिए इस दौरान हल्का, ताजा और आसानी से पचने वाला भोजन करना बेहतर माना जाता है. घर का बना ताजा भोजन, मूंग और अरहर की दाल और पर्याप्त मात्रा में पानी को आहार में शामिल किया जा सकता है. इसके साथ ही टमाटर का सूप, अदरक, प्याज, लहसुन खा सकते हैं. साथ ही बेसन की चीजें व हलवा के साथ काढ़ा और हल्दी वाला दूध पीएं।

व्रत रखने वाले लोग अपनी परंपरा के अनुसार फल, दूध, दही, मखाना, साबूदाना, कुट्टू या सिंघाड़े के आटे से बने व्यंजन ले सकते हैं. इन चीजों के साथ सेब, केला, अनार, नासपाती आदि मौसमी फल खाना बेहतर रहेगा. भोजन को बहुत ज्यादा तला-भुना और मसालेदार बनाने से बचना बेहतर है. इस मौसम में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना भी जरूरी है.

भाद्रपद मास में किन चीजों का सेवन करने से बचें?

धार्मिक परंपराओं में इस महीने सात्विक भोजन करने पर जोर दिया जाता है. कई परिवारों में मांसाहार, शराब और तामसिक भोजन से परहेज किया जाता है. इसके अलावा बहुत ज्यादा तला-भुना, बासी या लंबे समय से रखा भोजन खाने से बचना चाहिए. बारिश के मौसम में दूषित पानी और संक्रमित खाद्य पदार्थों से पेट संबंधी परेशानियों का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए बाहर का अस्वच्छ भोजन भी सावधानी से लें।

भाद्रपद मास में मांस, शहद, गुड़, हरी सब्जियां, मूली खाने से बचना चाहिए. इनके साथ सब्जियों में बैंगन खाने से बचें क्योंकि इसमें कीड़े हो जाते हैं और सेवन करने से गैस भी बनती है. साथ ही इस मास में नारियल के तेल का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए. इस मास में ठंडी व बासी चीजों को ना खाएं और आइसक्रीम व कोल्ड ड्रिंक्स पीने से बचें।

भाद्रपद मास में चकुंदर, खीरा, ककड़ी खाने से बचें और फास्ट फूड से तो दूर ही रहें. बरसात के मौसम की वजह से इस मास में हरी पत्तेदार सब्जियों के साथ तरबूज खाने से बचें. सब्जियों के अलावा इस मास में मसूर और चना की दाल भी खाने से बचें.

हालांकि खान-पान के नियम अलग-अलग क्षेत्रों, परिवारों और व्रत की परंपराओं के अनुसार बदल सकते हैं. इसलिए धार्मिक नियमों के लिए अपनी पारिवारिक परंपरा को प्राथमिकता देना उचित है।

खड़े होकर क्यों नहीं पीना चाहिए पानी?

पानी जीवन का आधार है और भारतीय परंपरा में इसे केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि पवित्र तत्व भी माना गया है। यही वजह है कि पुराने समय से जल ग्रहण करने को लेकर भी कुछ नियम और परंपराएं बताई जाती रही हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर खड़े होकर पानी पीने के बजाय बैठकर पानी पीने की सलाह देते हैं। आखिर इसके पीछे क्या धार्मिक मान्यता है और पानी पीने का सही तरीका क्या माना गया है?

जल का महत्व

सनातन धर्म में जल को जीवनदायी और पवित्र तत्व माना गया है। शास्त्रों में दैनिक जीवन से जुड़े कई नियम बताए गए हैं, जिनका उद्देश्य जीवन में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखना है। पानी पीने से जुड़ी परंपराएं भी इसी सोच का हिस्सा मानी जाती हैं।

शांति से पीएं पानी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जल ग्रहण करते समय जल्दबाजी के बजाय शांत भाव रखना चाहिए। पानी को सम्मान के साथ बैठकर पीने की परंपरा रही है। खड़े होकर पानी पीना कुछ परंपराओं में जल और अन्न के प्रति अनादर या अशिष्टता से जोड़कर देखा गया है। माना जाता है कि शांत होकर जल ग्रहण करने से मन में भी स्थिरता बनी रहती है।

जल तत्व का संतुलन

ज्योतिष और पारंपरिक मान्यताओं में जल को शरीर और प्रकृति के महत्वपूर्ण तत्वों में शामिल किया गया है। मान्यता है कि बैठकर और संयम के साथ पानी पीने से शरीर में जल तत्व का संतुलन बना रहता है। इसके विपरीत खड़े होकर पानी पीने को शरीर और स्वभाव में चंचलता आती है।

आयुर्वेद का नजरिया

पानी पीने के तरीके को लेकर आयुर्वेदिक परंपरा में भी संयम और सहजता पर जोर दिया गया है। हालांकि, खड़े होकर पानी पीने से सीधे किडनी, जोड़ों या आंतों को नुकसान पहुंचने जैसे दावों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों से स्थापित नहीं माना जा सकता। इसलिए इन्हें पारंपरिक मान्यता के तौर पर ही समझना उचित है।

सही तरीका

पानी पीते समय आराम से बैठना और धीरे-धीरे घूंट लेकर पानी पीना एक अच्छी आदत मानी जाती है। धार्मिक दृष्टि से भी जल को सम्मान देते हुए शांत मन से ग्रहण करने की परंपरा बताई गई है।

सीढ़ियों की सही दिशा बदल सकती है घर का माहौल

घर बनाते समय सीढ़ियों की दिशा को वास्तु में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. मान्यता है कि सीढ़ियों की सही दिशा घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में मदद कर सकती है।

घर बनवाते समय अक्सर लोग कमरों, रसोई, पूजा घर और मुख्य दरवाजे की दिशा पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन सीढ़ियों की दिशा को नजरअंदाज कर देते हैं. वास्तु शास्त्र में सीढ़ियों को भी घर की ऊर्जा और बनावट से जोड़कर देखा जाता है. मान्यता है कि सीढ़ियों का सही स्थान और दिशा घर में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद कर सकती है. अगर आप नया घर बनवा रहे हैं या पुराने मकान में सीढ़ियों का निर्माण कराने की योजना बना रहे हैं, तो वास्तु से जुड़े कुछ सामान्य नियमों की जानकारी होना उपयोगी हो सकता है।

घर में सीढ़ियों के लिए कौन-सी दिशा मानी जाती है शुभ?

वास्तु की मान्यताओं के अनुसार घर में सीढ़ियों के निर्माण के लिए दक्षिण, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा को बेहतर माना जाता है. इन दिशाओं में सीढ़ियां होने से घर की संरचना में संतुलन बनाए रखने की मान्यता है. दक्षिण-पश्चिम यानी नैऋत्य कोण को वास्तु में भारी वस्तुओं के लिए सही माना जाता है. चूंकि सीढ़ियां भी घर की भारी संरचनाओं में शामिल होती हैं, इसलिए इस हिस्से को इनके लिए अच्छा माना जाता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में सीढ़ियां बनाने से क्यों बचते हैं?

वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को काफी महत्वपूर्ण माना गया है. इसे पूजा, ध्यान और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है. इसी वजह से वास्तु की मान्यताओं में इस दिशा को खुला और हल्का रखने की सलाह दी जाती है. इसलिए घर की सीढ़ियों को उत्तर-पूर्व दिशा में बनाने से आमतौर पर बचने की सलाह दी जाती है. मान्यता है कि यहां भारी निर्माण होने से घर के ऊर्जा संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सीढ़ियों की शुरुआत किस दिशा से हो?

वास्तु में सिर्फ सीढ़ियों की जगह ही नहीं, बल्कि उनके चढ़ने के क्रम को भी महत्व दिया जाता है. सामान्य वास्तु मान्यताओं के अनुसार सीढ़ियां ऐसी होनी चाहिए कि उन पर चढ़ते समय व्यक्ति पूर्व से पश्चिम या उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़े. इसे वास्तु के हिसाब से सही माना गया है।

सीढ़ियों के नीचे क्या बनाना चाहिए?

सीढ़ियों के नीचे की खाली जगह का इस्तेमाल आजकल स्टोरेज, अलमारी या अन्य कामों के लिए किया जाता है. वास्तु की मान्यताओं के अनुसार इस स्थान को साफ-सुथरा और सही से रखना बेहतर माना जाता है. अगर वहां पूरी जगह हो तो यहां स्टोरेज बनाया जा सकता है, लेकिन सीढ़ियों के नीचे पूजा घर या मंदिर बनाने से वास्तु में आमतौर पर बचने की सलाह दी जाती है।

सीढ़ियों का मुंह किस तरफ होना चाहिए?

वास्तु मान्यताओं के अनुसार सीढ़ियों का निर्माण इस तरह करना बेहतर माना जाता है कि चढ़ते समय दिशा दक्षिणावर्त रहे. यानी सीढ़ियां ऊपर जाते हुए दाईं ओर घूमती हुई आगे बढ़ें. ऐसा माना जाता है कि दक्षिणावर्त दिशा घर के लिए सकारात्मक मानी जाती है।

बालकनी में रखी 4 चीजें बन सकती हैं वास्तु दोष का कारण

घर की बालकनी वह जगह होती है जहां हम सुबह की ताजा धूप और शाम की ठंडी हवा का आनंद लेते हैं। वास्तु के अनुसार घर की बालकनी के जरिए हमारे जीवन में सकारात्मकता भी आती है। ऐसे में बालकनी से जुड़े वास्तु नियमों का पालन भी हमको अवश्य करना चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर की बालकनी में कुछ चीजों को रखने से बचना चाहिए नहीं तो घर का माहौल खराब हो सकता है। आज इन्हीं चीजों के बारे में हम आपको अपने इस लेख में जानकारी देने जा रहे हैं। अगर आपके घर की बालकनी में भी ये चीजें रखी हैं तो आपको इन्हें दूर कर देना चाहिए।

बालकनी में भूलकर भी न रखें कांटेदार पौधे

कई लोग अपने घर की बालकनी में सजावट करने के लिए कैक्टस जैसे कांटेदार पौधे लगा देते हैं। वास्तु की मानें तो घर की ऊर्जा के लिए बालकनी में कांटेदार पौधों का होना अच्छा नहीं है। बालकनी में रखे कांटेदार पौधे घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं और परिवार के लोगों के बीच मनमुटाव

हो सकता है। इसके साथ ही कांटेदार पौधे आर्थिक हानि का कारण भी बन सकते हैं। इसलिए गलती से भी कांटेदार पौधों को बालकनी में न रखें। तुलसी, मनी प्लांट जैसे पौधों को बालकनी में रखना शुभ माना जाता है।

बालकनी में न रखें जूते-चप्पल

बालकनी में आपको शू-रैक और पुराने जूते चप्पल भी नहीं रखने चाहिए। ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती, साथ ही देवी-देवता भी नाराज हो सकते हैं। बालकनी में रखे जूते चप्पल करियर में रुकावटों का कारण भी बन सकते हैं। इसकी वजह से शनि और राहु-केतु का प्रभाव भी आपके जीवन पर बढ़ सकता है।

टूटी-फूटी चीजें और कूड़ा बालकनी में रखने से बचें

कई लोगों की आदत होती है कि वो टूटी-फूटी और काम में न आने वाली चीजों को बालकनी में रख देते हैं। वास्तु की मानें तो ऐसा करना गलत है। टूटी-फूटी चीजें अगर आप बालकनी में रखते हैं तो राहु के प्रकोप का आपको सामना करना पड़ सकता है।

आपके बने-बनाए काम बिगड़ सकते हैं और साथ ही मानसिक रूप से भी आप परेशान हो सकते हैं। इसके साथ ही कूड़ा भी बालकनी में रखने से हमेशा बचना चाहिए। आपकी बालकनी में भी अगर कूड़ा या टूटी हुई चीजें रखी हैं तो उन्हें तुरंत बाहर आपको कर देना चाहिए।

बालकनी में न रखें भारी फर्नीचर

बालकनी में भारी फर्नीचर जैसे सोफा, टेबल आदि रखने से भी आपको बचना चाहिए। खासकर बालकनी की उत्तर और पूर्व दिशा में तो भारी फर्नीचर भूलकर भी न रखें। भारी फर्नीचर बालकनी में रखने से धन से जुड़ी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। बालकनी से जुड़े नियमों के साथ ही अगर आप जानना चाहते हैं कि किन नियमों का घर में पालन करने से सुख-समृद्धि प्राप्ति हो सकती हैं।

दूसरी शादी की चर्चाओं के बीच गोविंदा का बड़ा बयान, फैंस से मांगी दुआ; इशारों में कही ऐसी बात

बीते कुछ दिनों से गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। उनकी तलाक की खबरें भी सामने आई थी, लेकिन फिर सुनीता ने तलाक की अर्जी वापस ले ली। अब दही हांडी कार्यक्रम में पहुंचे गोविंदा ने इशारों-इशारों में बड़ा बयान दिया है।

क्या बोल गए गोविंदा?

गोविंदा मुंबई में आयोजित यूथ शक्ति दही हांडी कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा बयान दिया। हालांकि, उन्होंने अपनी शादी से जुड़े विवाद या किसी आरोप पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने बस अपने फैंस से साथ और सपोर्ट बनाए रखने की अपील की।कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए गोविंदा ने कहा, 'और बहुत सी बातें आसमान में लिख दी गई हैं, मैं माई से प्रार्थना करता हूं कि वो क्लीन-अप हो और गोविंदा उसे क्लीन-अप कर पाए।'

गोविंदा ने यह साफ नहीं किया कि वह 'आसमान में लिखी गई बातों' से क्या कहना चाहते हैं। उन्होंने शादी को लेकर चल रही किसी भी चर्चा या हालिया बयानों का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि वह खुद इन चीजों को साफ कर पाएंगे।

फैंस से मांगा साथ

गोविंदा ने अपने फैंस से भी खास अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह का प्यार और साथ उन्हें इतने वक्त से मिलता आया है, उन्हें आगे भी उसी तरह अपने फैंस के सपोर्ट की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आप लोगों का सहयोग चाहिए, साथ चाहिए।'

सुनीता और गोविंदा की पर्सनल लाइफ में दूरियां?

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।

नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।

अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है।

जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

'खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं?' आकांक्षा पर फिर भड़के ओरी, कहा- 'चुप नहीं रहूंगा'

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

'मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है'

मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद एक और इंटरव्यू भी आया। मुझे यही समझ नहीं आया कि ऐसा करने की जरूरत क्या थी।

'फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं?'

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो?

गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।"

'मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं'

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

'एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया'

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया।

मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

क्यों अमरीश पुरी से हुई भाईजान की तुलना? बिग बॉस 20 से पहले नए लुक पर हुए ट्रोल

'बिग बॉस 20' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट है। शो के प्रीमियर से पहले प्रोमो के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें सलमान खान अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके इस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स का क्या कहना है? आइए जानते हैं।

क्यों ट्रोल हुए सलमान खान?

'बिग बॉस 20' से पहले सेट से सलमान खान के कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं। इनमें वो टी शर्ट के ऊपर जैकेट, जीन्स और काउबॉय हैट में नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

यूजर्स ने क्यों किया ट्रोल

कुछ यूजर्स ने उनके लुक को लेकर उन्हें ट्रोल किया है, जबकि कुछ यूजर्स ने उनकी उम्र को लेकर चिंता जाहिर की है। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में अमरीश पुरी का फोटो शेयर कर कमेंट किया- 'सेम अमरीश पुरी।' वहीं एक ने कमेंट किया- 'क्राइम मास्टर गोगो।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'ये तो अंडरटेकर के छोटे भाई लग रहे हैं।' वहीं कुछ यूजर्स ने उनकी उम्र और सेहत को लेकर चिंता जाहिर की।

'हनुमान अंश' देखकर दिग्गज एक्ट्रेस तनुजा हुईं भावुक

7 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म 'हनुमान अंश' की गूंज अब दूर-दूर तक पहुंच चुकी है। बॉलीवुड में एक समय पर फिल्म को नकार दिया गया था लेकिन अब कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज इस फिल्म पर रिएक्शन देते दिख रहे हैं। दिग्गज एक्ट्रेस तनुजा ने फिल्म 'हनुमान अंश' देखी और वह काफी भावुक दिखाई दीं। सोशल मीडिया पर तमाम ऐसे वीडियोज इस समय वायरल हैं जहां फिल्म की तारीफ करते लोग थक नहीं रहे हैं। अब फिल्म की तारीफ करते हुए तनुजा ने कहा कि इस फिल्म ने उनका दिल छू लिया है। काजोल की मां और एक्ट्रेस तनुजा अपनी बेटी तनीशा के साथ इस फिल्म को देखने थिएटर में पहुंची थीं। फिल्म के बारे में बात करते हुए फिल्म की आईपी प्रड्यूसर ने उनसे पूछा कि उन्हें फिल्म कैसी लगी। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि "अमेजिंग फिल्म, मैंने हर एक पल फिल्म का काफी इंजॉय किया।" भावुक होते हुए एक्ट्रेस का गला भारी हो गया और उन्होंने कहा कि "इस फिल्म ने उनका दिल छू लिया है।" फिल्म की तारीफ करते हुए तनीशा ने कहा "ये बहुत ही शानदार तरीके से बनाई गई फिल्म है। पहले फ्रेम से लेकर आखिर तक काफी जुड़ाव था। फिल्म में बहुत गहरे इमोशन को दिखाया गया है। फिल्म में गानों को बहुत ही प्यारे तरीके से बनाया गया और फिल्म से जोड़ा गया है। ऐसा लग रहा था जैसी कोई बातचीत चल रही हो। ये बहुत अच्छे ढंग से लिखी गई कहानी है और शानदार तरीके डायरेक्ट की ई है।" तनीशा ने फिल्म की तारीफ करते हुए ये भी कहा कि वह पूरे समय रोते हुए इस फिल्म को देखा है उनकी आंखो में आंसू थे। बता दे इससे पहले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, कंगना रनौत, वीरेंद्र सहवाग जैसे लोगों ने फिल्म की तारीफ की है। फिल्म को रिलीज हुए करीब 1 महीना हो गया है और फिल्म 100 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। महज 2 करोड़ रुपये के बजट में ये फिल्म बन कर तैयार की गई थी। ट्रेड एनालिस्ट्स का ये भी कहना था कि मिर्जापुर द मूवी के रिलीज से फिल्म के कलेक्शन पर असर पड़ सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिल्म 'हनुमान अंश' ने 'टॉक्सिक', 'मिर्जापुरः द मूवी' को कड़ी टक्कर देते हुए भी ताबड़तोड़ कमाई जारी रखी।

मनोज तिवारी की बेटी रीति की बिग बॉस में एंट्री सलमान बोले- 'बाप पे मत जाना'

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का प्रीमियर आज रात होगा। इससे पहले शो का एक प्रोमो सामने आया। जिसमें भोजपुरी एक्टर और बीजेपी नेता मनोज तिवारी नजर आए। हालांकि, इस बार वह कंटेस्टेंट बनकर नहीं, बल्कि अपनी बेटी रीति तिवारी को शो में छोड़ने पहुंचे।

प्रोमो की शुरुआत मनोज तिवारी के गाना गाते हुए स्टेज पर आने से होती है। सलमान उन्हें दोबारा शो में आने को लेकर चिढ़ाते हैं। इस पर मनोज बताते हैं कि वह खुद हिस्सा लेने नहीं, बल्कि अपनी बेटी को शो में छोड़ने आए हैं। मनोज तिवारी साल 2010 में 'बिग बॉस सीजन 4' के घर में कुल 62 दिन (करीब 9 हफ्ते) रहे थे।

मनोज तिवारी साल 2010 में 'बिग बॉस सीजन 4' के घर में कुल 62 दिन (करीब 9 हफ्ते) रहे थे। इसके बाद रीति स्टेज पर आती हैं और परफॉर्म करती हैं। सलमान उन्हें घर के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर सलाह देते हुए कहते हैं कि अंडों को लेकर मत लड़ना। इसके बाद सलमान कहते हैं, ₹ऐ बाप पे मत जाना। रीति तिवारी की बात करें तो वह सिंगर, सॉन्गराइटर, कंपोजर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने कवर सॉन्ग्स के साथ ओरिजिनल म्यूजिक पर भी काम किया है। रीति तिवारी की बात करें तो वह सिंगर, सॉन्गराइटर, कंपोजर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने कवर सॉन्ग्स के साथ ओरिजिनल म्यूजिक पर भी काम किया है।

मनोज और डॉली के बीच अंडों को लेकर विवाद हुआ था

रीति की बिग बॉस एंट्री के साथ मनोज तिवारी की करीब 16 साल पुरानी बिग बॉस जर्नी भी चर्चा में आ गई। मनोज तिवारी ने 2010 में 'बिग बॉस सीजन 4' में हिस्सा लिया था।

उस सीजन में श्वेता तिवारी, खली, डॉली बिंद्रा और मनोज तिवारी जैसे चर्चित चेहरे घर में मौजूद थे। उस सीजन की विनर श्वेता तिवारी बनी थीं।

फिल्म 'जिस्म' के बोल्ड सीन पर क्या बोलीं अभिनेत्री? बताया लोगों ने क्या दी थी नसीहत

अभिनेत्री बिपाशा बसु बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री रही हैं। उनकी फिल्म 'जिस्म' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। मगर एक्ट्रेस ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि इंडस्ट्री के अनुभवी लोगों ने उन्हें यह फिल्म न करने की सलाह दी थी।

बिपाशा ने फिल्म 'जिस्म' पर क्या कहा?

एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने एले इंडिया से बातचीत में कहा, ' जब मेरे पास यह फिल्म आई तो उस वक्त फिल्मी दुनिया से जुड़े लोगों ने मुझे इस फिल्म में काम न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर मैंने फिल्म में बोल्ड सीन्स दिये तो इससे मेरे करियर पर बुरा असर पड़ेगा। यह भी हो सकता है कि मुझे आगे फिल्में न मिलें।' इस सुझाव पर क्या था एक्ट्रेस का जवाब?बिपाशा बसु ने आगे अपनी बातचीत में बताया कि इन सुझावों को सुनने के बाद उन्होंने अपना तर्क रखा। एक्ट्रेस ने उन सभी लोगों से कहा, 'मैं एक व्यस्क हूं।

यह फिल्म भी एक व्यस्क प्रेम कहानी पर आधारित है। यह बच्चों के लिए नहीं है।' बिपाश ने बताया कि फिल्म में सोनिया का किरदार ऐसा था जिसमें वह खुद को ढाल सकती थीं और यह फिल्म करने में उन्हें काफी मजा आया।

बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई फिल्म

फिल्म 'जिस्म' बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8.14 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं वर्ल्डवाइड इसने 13.14 करोड़ की कमाई की थी। उस समय नए अभिनेताओं की फिल्म का इतना कलेक्शन करना बड़ी बात थी। फिल्म में बिपाशा ने सोनिया खन्ना और जॉन अब्राहम ने कबीर लाल का किरदार निभाया था।

यह जॉन अब्राहम की डेब्यू फिल्म थी।

फिल्म का निर्देशन अमित सक्सेना ने किया था। वहीं फिल्म की कहानी महेश भट्ट ने लिखी थी। फिल्म में गुलशन ग्रोवर ने सोनिया के पति रोहित खन्ना की भूमिका निभाई थी।

फिल्म का निर्माण पूजा भट्ट और सुजीत कुमार सिंह ने किया था।

भारत की उम्मीदें टूटी, निकिता पोरवाल टॉप 40 से बाहर किस बात पर भड़के भारतीय यूजर्स

73वें मिस वर्ल्ड 2026 (75वीं वर्षगांठ संस्करण) में भारत का सपना टूट चुका है। प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व कर रहीं निकिता पोरवाल ने एशिया एंड ओशिनिया कॉन्टिनेंटल ग्रुप के टॉप 10 में तो जगह बना ली पर टॉप 5 तक नहीं पहुंच पाईं। निकिता ने मिस वर्ल्ड 2026 के टॉप 40 क्वाटरफाइनल्स में अपनी जगह सुनिश्चित की थी।

111 सुंदरियों से था मुकाबला

निकिता ने मिस वर्ल्ड टॉप मॉडल चैलेंज के माध्यम से सीधा इस सूची में प्रवेश किया था। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आज यानी 5 सितंबर 2026 को वियतनाम के न्हा ट्रांग शहर में आयोजित किया जा रहा है, जहां दुनियाभर की 111 सुंदरियां ताज के लिए मुकाबला कर रही हैं।

निराश हुए यूजर्स

निकिता के टॉप 40 से बाहर होने के बाद कई यूजर्स बेहद निराश हुए। उन्होंने भारत की सुंदरी को छोड़कर कुक आइलैंड्स की सुंदरी के चुने जाने पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की। वहीं कई यूजर्स निकिता का उत्साहवर्धन करते दिखे।

भावना लक्जरी ने डिजाइन किया था गाउन

मिस वर्ल्ड के फिनाले में निकिता पोरवाल बेहद खूबसूरत और खास गाउन में नजर आईं। उनका पेस्टल पिंक गाउन फूलों की खूबसूरत कढ़ाई और हाथ से किए गए बारीक काम से सजा हुआ था। गाउन पर हजारों मोतियों और फ्लोरल डिटेल्स का इस्तेमाल किया गया था, जबकि इसकी मरमेड सिल्हूट और हल्के इटैलियन ट्यूल ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया।

इस पूरे लुक में भारतीय कारीगरी और नारीत्व की खूबसूरती को दिखाने की कोशिश की गई। हर फूल और हर बारीक डिटेल के जरिए निकिता ने मिस वर्ल्ड के मंच पर भारत की कला और खूबसूरती को पेश किया।

कौन हैं निकिता पोरवाल?

निकिता पोरवाल मध्य प्रदेश के उज्जैन की रहने वाली हैं।

उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का खिताब अपने नाम किया था।

इसके बाद उन्हें मिस वर्ल्ड 2026 में भारत को रिप्रेजेंट करने का मौका मिला।

निकिता ने मिस वर्ल्ड के मंच पर भारत की संस्कृति और परंपरा को भी अपने अंदाज में पेश किया। 'डांसेस ऑफ द वर्ल्ड' सेगमेंट में उन्होंने देवी मीनाक्षी से प्रेरित लुक में शानदार प्रस्तुति दी, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई।

स्कूलों में बदलेगा पढ़ाई का तरीका: असम में एक लाख शिक्षक सीखेंगे एआई, बिहार में गूगल से करार, क्या है तैयारी?

स्कूलों में पढ़ाई का तरीका आने वाले समय में बदल सकता है। असम ने छह संस्थाओं के साथ मिलकर शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल की तैयारी शुरू की है। बिहार में भी शिक्षकों को एआई उपकरणों का प्रशिक्षण देने के लिए गूगल के साथ समझौता किया जा रहा है। झारखंड ने भी एआई को प्रभावी शिक्षण से जोड़ने पर जोर दिया है।

स्कूलों में पढ़ाई का तरीका अब सिर्फ किताब और कक्षा तक सीमित नहीं रहने वाला है। शिक्षक दिवस पर असम, बिहार और झारखंड से सामने आए कदम बताते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने की तैयारी तेज हो रही है। असम ने करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है, वहीं बिहार ने गूगल के साथ शिक्षकों को एआई उपकरणों की जानकारी देने के लिए करार किया है। झारखंड ने भी एआई और नई तकनीक को पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाने से जोड़ा है।

असम में क्या है तैयारी?

असम सरकार ने स्कूल शिक्षा व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीक के इस्तेमाल के लिए छह संस्थाओं के साथ समझौता किया है। शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने बताया कि इन सहयोगों का उद्देश्य समावेशी और विद्यार्थियों की जरूरत के अनुसार सीखने की व्यवस्था तैयार करना है।

इन समझौतों के तहत शिक्षा के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया जाएगा। सबसे बड़ी योजना शिक्षकों को एआई के लिए तैयार

शिक्षा में एआई की दस्तक

सिर्फ किताब और कक्षा तक सीमित नहीं रहेगी पढ़ाई

असम: एक लाख शिक्षक सीखेंगे एआई

बिहार: गूगल के साथ मिलकर शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण

झारखंड: पढ़ाई में एआई के इस्तेमाल पर जोर

करने की है। कक्षा 6 से 12 तक के करीब एक लाख शिक्षकों को मई 2027 तक एआई दक्षता का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है।

एक लाख शिक्षकों को कैसे मिलेगा प्रशिक्षण?

असम में आईआईटी मद्रास और बोधन एआई के साथ साझेदारी के तहत शिक्षकों की एआई क्षमता बढ़ाने पर काम किया जाएगा।

गूगल एआई के साथ सहयोग में शिक्षकों को एआई आधारित शैक्षणिक उपकरण, डिजिटल कौशल और पेशेवर विकास से जुड़ा प्रशिक्षण देने पर जोर रहेगा।

इसका उद्देश्य शिक्षकों को नई तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना है, ताकि वे विद्यार्थियों की जरूरत के अनुसार पढ़ाई को ज्यादा प्रभावी बना सकें।

एआई का इस्तेमाल बच्चों की पढ़ाई में कैसे होगा?

असम में एआई का इस्तेमाल केवल शिक्षक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। अलग-अलग संस्थाओं के साथ हुए सहयोग में विद्यार्थियों की पढ़ाई और मूल्यांकन को भी शामिल किया गया है।

विद्यार्थियों की पढ़ने की क्षमता का एआई आधारित आकलन किया जाएगा।

मूलभूत साक्षरता को मजबूत करने पर जोर रहेगा।

विद्यार्थियों की जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत और एआई-सहायित सीखने की व्यवस्था विकसित की जाएगी।

मूलभूत साक्षरता और गणितीय क्षमता को मजबूत करने में तकनीक का इस्तेमाल होगा।

शिक्षकों और विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता, रचनात्मकता, डिजाइन सोच और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

स्कूल से बाहर रहने वाले किशोरों, खासकर लड़कियों की पहचान, नामांकन और पढ़ाई जारी रखने में भी सहयोग किया जाएगा।

बिहार में क्या कदम उठाया गया है?

बिहार में भी स्कूल शिक्षा में एआई के इस्तेमाल की दिशा में तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षकों को एआई उपकरणों का प्रशिक्षण देने के लिए गूगल के साथ समझौता कर रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को नई तकनीक और एआई के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे बेहतर तरीके से पढ़ा सकें। बिहार में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और सर्वम एआई के सहयोग से आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तंत्र विकसित करने की भी बात कही गई है।

बिहार में विद्यार्थियों को एआई से क्या फायदा होगा?

बिहार में बिहार विद्या साथी के जरिए डिजिटल पढ़ाई का दायरा बढ़ाया गया है।

यह चौबीसों घंटे संवाद आधारित डिजिटल शिक्षण और एआई की मदद से सवालों के समाधान की सुविधा देता है।

इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान अपनी शंकाओं का समाधान पाने में मदद मिल सकती है।

शिक्षकों के लिए एआई प्रशिक्षण का उद्देश्य उनकी शिक्षण क्षमता को बेहतर करना है।

झारखंड में एआई को लेकर क्या कहा गया?

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षक दिवस पर कहा कि समय के साथ शिक्षा व्यवस्था भी बदल रही है। उनके मुताबिक, एआई और नई तकनीक पढ़ाने की प्रक्रिया को अधिक सहज और प्रभावी बनाने के साथ उसे विद्यार्थियों की जरूरत के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने और उसे मजबूत करने के लिए सुधार के प्रयास कर रही है। साथ ही नई तकनीक के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया जा रहा है।

विदेश में पीएचडी करना है?

ऑस्ट्रेलिया की ये यूनिवर्सिटी पढ़ाई को करेगी फंड

विदेश में पीएचडी करना एक शानदार अनुभव हो सकता है, लेकिन पढ़ाई के लिए लगने वाली फीस, रहने का खर्च और रोजमर्रा के खर्चे कई स्टूडेंट्स के सपनों पर पानी फेर देते हैं। हम सब जानते हैं कि विदेश में पढ़ाई करना कितना ज्यादा महंगा हो चुका है। हालांकि, कई सारी यूनिवर्सिटीज ऐसी हैं, जो रिसर्च स्कॉलरशिप के जरिए स्टूडेंट्स को आर्थिक मदद देती हैं। इससे स्टूडेंट्स पैसों की चिंता किए बिना पूरी तरह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकते हैं।

ऐसा ही एक मौका ऑस्ट्रेलिया में मिल रहा है। यहां की 'द यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड' (UQ) छात्रों को पीएचडी करने के लिए आर्थिक मदद दे रही है। ये यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलरशिप देती है, जिससे पीएचडी और दूसरे बड़े रिसर्च कोर्स करने वाले योग्य छात्रों को आर्थिक सहायता मिलती है। अच्छी बात ये है कि भारतीय स्टूडेंट्स भी इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आइए अब इस रिसर्च स्कॉलरशिप के बारे में अच्छी तरह जान भी लेते हैं।

रिसर्च स्कॉलरशिप की खास बातें

UQ की 'ग्रेजुएट स्कूल स्कॉलरशिप' (UQGSS) घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के स्टूडेंट्स के लिए बनाई गई है।

ये स्कॉलरशिप उन स्टूडेंट्स को दी जाती है, जिनकी पढ़ाई लिखाई और रिसर्च करने की क्षमता

बेहतरीन होती है।

ये स्कॉलरशिप्स ट्यूशन फीस भरने में मदद करती हैं और छात्रों को उनकी रिसर्च के दौरान खर्च चलाने के लिए रहने का भत्ता (स्टाइपेंड) भी देती हैं।

UQ की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, साल 2026 के लिए इस स्कॉलरशिप में प्रति वर्ष 39,220 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) का टैक्स-फ्री लिविंग अलाउंस (भत्ता) शामिल है।

इस रकम की हर साल समीक्षा की जाती है और इसे बढ़ाया जाता है।

पीएचडी के छात्र आमतौर पर यह आर्थिक मदद साढ़े 3 साल तक पा सकते हैं, बशर्ते वे स्कॉलरशिप के नियमों और शर्तों पर खरे उतरते रहें।

स्कॉलरशिप लिंक: University of Queensland Scholarships

किस तरह मिलेगी स्कॉलरशिप?

हालांकि, यूनिवर्सिटी में एडमिशन पाने वाले हर स्टूडेंट को यह पैसा अपने आप नहीं मिल जाता। इसके लिए आवेदकों को कुछ खास शर्तों को पूरा करना होता है और एक कड़े मुकाबले से गुजरना पड़ता है। यूनिवर्सिटी इसमें कई चीजें देखती है, जैसे— छात्र का अकेडमिक रिकॉर्ड, पहले का रिसर्च का एक्सपीरियंस, उनकी प्रपोज्ड रिसर्च की क्वालिटी और छात्र की रिसर्च में मदद करने के लिए वहां उपलब्ध माहौल कैसा है।

ये स्कॉलरशिप उन छात्रों के लिए है जो रिसर्च वाले कोर्स कर रहे हैं, जैसे—डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (PhD), मास्टर ऑफ फिलॉसफी और कुछ ऐसे प्रोफेशनल डॉक्टरेट कोर्स जिनमें रिसर्च का बड़ा हिस्सा होता है। PhD स्कॉलरशिप को कोई नियमित नौकरी की सैलरी नहीं समझना चाहिए। यह एक ऐसी आर्थिक मदद है जो छात्रों को तब संभालती है जब वे कई सालों तक किसी खास विषय पर रिसर्च करते हैं, नतीजों का विश्लेषण करते हैं और अपने क्षेत्र में नई जानकारी जोड़ते हैं।

यूनिवर्सिटीज ऐसी स्कॉलरशिप इसलिए देती हैं क्योंकि पीएचडी करने वाले ये शोधकर्ता विज्ञान, टेक्नोलॉजी, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे क्षेत्रों में नई खोज और पढ़ाई-लिखाई को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान देते हैं। जो छात्र विदेश में रिसर्च करियर बनाने की सोच रहे हैं, उनके लिए UQ जैसी यूनिवर्सिटी की तरफ से मिलने वाली फंडिंग विदेश में पीएचडी करना आसान बनाती है और उनके पूरे सफर में बेहतरीन मदद देती है।

वित्त वर्ष 2027 में 12 हजार कर्मचारियों की होगी भर्ती, 250 नई शाखाएं खोलने की तैयारी में एसबीआई

देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के चेयरमैन सी.एस. सेट्टी ने बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष में करीब 12,000 नए कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बना रहा है। बैंक अपने कामकाज और सेवाओं को बढ़ाने के लिए देशभर में करीब 250 नई शाखाएं भी खोलेगा। उन्होंने बातचीत में कहा, भर्ती के मामले में, मुझे लगता है कि इस साल हम क्लर्क और ऑफिसर दोनों कैडर में लगभग 11,000 से 12,000 नियुक्तियां करेंगे। रिटायरमेंट और नई जरूरतों के आधार पर यह संख्या बदल सकती है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि साल के आखिर तक हम लगभग 12,000 भर्तियां कर लेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 1,100 ह्यूमन रिसोर्स पदों पर बंपर भर्ती शुरू युवाओं के पास 24 सितंबर तक मौका

बैंकिंग सेक्टर में नौकरी तलाश रहे युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। दरअसल, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने अपने विभिन्न विभागों के लिए नियमित आधार पर ह्यूमन रिसोर्स (मानव संसाधन) के कुल 1,100 पदों पर पात्र उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके रिक्तियों की घोषणा की है। बीओबी की ओर से जारी 1,100 रिक्तियों में वेल्थ एग्जीक्यूटिव (जेएमजी/एस-आई) - वेल्थ मैनेजमेंट सर्विसेज के 1,000 और क्रेडिट एनालिस्ट - सी एवं आईसी (एमएमजी/एस-II) - कॉर्पोरेट और इंस्टीट्यूशनल क्रेडिट के 100 पद शामिल हैं। इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 4 सितंबर से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 24 सितंबर तक तय की गई है। ऐसे में जो पात्र और इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे बैंक ऑफ बड़ौदा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरा कर लें।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से वेल्थ एग्जीक्यूटिव पद के लिए किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ भारतीय बीमा संस्थान से आईसी 38 प्रमाणपत्र या आदि होना चाहिए। वहीं, क्रेडिट एनालिस्ट के लिए किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट होना जरूरी है। इसके अलावा, कैंडिडेट्स के पास प्रासंगिक क्षेत्र में पद के अनुसार निर्धारित कम से कम 1 से 2 वर्षों का अनुभव होना भी जरूरी है।

आवेदकों की न्यूनतम आयु पद के अनुसार 21 से 22 वर्ष के बीच और अधिकतम आयु 32 से 33 वर्ष के बीच तय की गई है, जिसकी गणना 1 सितंबर 2026 के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन आवेदन की जांच, ऑनलाइन टेस्ट, साइकोमेट्रिक टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन और/या इंटरव्यू, दस्तावेज सत्यापन, आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी वेल्थ एग्जीक्यूटिव पद के लिए 48,480 से 85,920 रुपए के बीच और क्रेडिट एनालिस्ट पोस्ट के लिए 64,820 से 93,960 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसके अलावा, कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो सामान्य/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी के लिए 750 रुपए और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी/ईएसएम और महिलाओं के लिए 175 रुपए तय किया गया है।

डीआरडीओ फेलोशिप: इंजीनियरिंग और साइंस छात्रों के लिए मौका, हर महीने मिलेगा स्टाइपेंड; 13 सितंबर तक करें आवेदन

शिक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद ने शोध के प्रति रुचि रखने वाले युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। भर्ती के तहत रिसर्च एसोसिएट (आरए) और जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) के लिए अस्थायी नियुक्ति की जाएगी। उम्मीदवारों को रक्षा अनुप्रयोगों के लिए अत्याधुनिक तकनीक से जुड़े अनुसंधान में काम करने का अवसर मिलेगा।

आवश्यक योग्यताएं

आरए पद के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और फिजिक्स विषयों में अवसर हैं। उम्मीदवार के पास पीएचडी या प्रथम श्रेणी एमटेक के साथ निर्धारित शोध अनुभव होना चाहिए। डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल-टाइम सिस्टम, स्ट्रक्चरल एवं थर्मल एनालिसिस, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, आरएफ एवं माइक्रोवेव, रडार

इंजीनियरिंग तथा एक्सपेरिमेंटल क्वांटम ऑप्टिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले उम्मीदवार पात्र हैं। एमटेक उम्मीदवारों के लिए तीन वर्ष और फिजिक्स में एमएससी उम्मीदवारों के लिए चार वर्ष का संबंधित शोध अनुभव तथा एससीआई जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित होना आवश्यक है।

रिसर्च का अवसर

जेआरएफ के लिए इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, आईटी, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल/ एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आदि विषयों में आवेदन मांगे गए हैं। उम्मीदवार के पास संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी बीई/बीटेक के साथ वैध गेट स्कोर या संबंधित क्षेत्र में एमई/एमटेक होना चाहिए। केमिस्ट्री और फिजिक्स में प्रथम श्रेणी एमएससी के साथ नेट/गेट/एसएलईटी स्कोर वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। जेआरएफ शुरुआत में दो वर्ष के लिए होगी, जिसे प्रदर्शन के आधार पर तीसरे और चौथे वर्ष में एसआरएफ के रूप में बढ़ाया जा सकता है।

आयु और अनुभव

आरए के लिए सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 35 वर्ष और जेआरएफ के लिए 28 वर्ष निर्धारित है। एससी/एसटी उम्मीदवारों को पांच वर्ष और ओबीसी उम्मीदवारों को तीन वर्ष की आयु सीमा में छूट मिलेगी। चयन से पहले आवेदनों की जांच की जाएगी और शोध कार्य, अनुभव या पीएचडी थीसिस की प्रासंगिकता के आधार पर आरए उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन

उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट drdo.gov.in पर जाकर आवेदन का फॉर्मेट डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा, शैक्षणिक योग्यता और अनुभव प्रमाण-पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां संलग्न करनी होंगी। आरए के लिए लिफाफे पर 'रिसर्च एसोसिएट के लिए आवेदन' और जेआरएफ के लिए 'जूनियर रिसर्च फेलो के लिए आवेदन' लिखना होगा। आवेदन प्रमुख मानव संसाधन विकास, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, आरसीआई, विज्ञान कांचा, हैदराबाद, तेलंगाना-500069 के पते पर भेजें। आवेदकों को 13 सितंबर, 2026 तक ऑफलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा। आरए के लिए आवेदकों की उम्र 35 वर्ष और जेआरएफ के लिए 28 वर्ष निर्धारित है। चयनित उम्मीदवारों को भारत सरकार के मानकों के अनुसार मासिक स्टाइपेंड मिलेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट में 150 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 15 सितंबर से आवेदन होंगे शुरू

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीनियर पर्सनल असिस्टेंट समेत कुल 150 पदों पर योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से जारी 150 रिक्तियों में सीनियर पर्सनल असिस्टेंट (एसपीए) के 117 और पर्सनल असिस्टेंट (पीए) के 33 पद शामिल हैं। एसपीए के 117 पदों में सामान्य के 43, ईडब्ल्यूएस के 14, ओबीसी-एनसीएल के 32, एससी के 16 और एसटी के 12 पद शामिल हैं। वहीं, पीए के 33 पदों में ईडब्ल्यूएस के 7, ओबीसी-एनसीएल के 16, एससी के 5 और एसटी के 5 पद शामिल हैं। इन सभी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर के सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर तक तय की गई है। ऐसे में इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरने के इच्छुक उम्मीदवार दिल्ली हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर संबंधित पोस्ट के लिए आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र भरते समय कुछ गलती हो जाएगी। उनके लिए आवेदन फॉर्म में त्रुटि सुधार की विंडो और सुधार शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की तारीख 12 अक्टूबर के सुबह 11 बजे से 14 अक्टूबर के सुबह 11 बजे के बीच तय की गई है।

इन दोनों पोस्ट के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ कंप्यूटर की अच्छी जानकारी और इंग्लिश में टाइपराइटिंग का कौशल होना चाहिए।

आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 32 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन इंग्लिश टाइपिंग टेस्ट, इंग्लिश शॉर्टहैंड टेस्ट, मुख्य (डिस्क्रिप्टिव) परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी सीनियर पर्सनल असिस्टेंट (एसपीए) पद के लिए ग्रुप-'बी', 7वें सीपीसी के पे-मैट्रिक्स का 8वां लेवल और पर्सनल असिस्टेंट (पीए) पद के लिए ग्रुप-'बी', 7वें सीपीसी के पे-मैट्रिक्स का 7वां लेवल के तहत प्रतिमाह होगी।

आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो सामान्य/ओबीसी-एनसीएल/ईडब्ल्यूएस के लिए 1,500 रुपए के साथ लागू ट्रांजैक्शन शुल्क और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी के लिए 1,300 रुपए के साथ लागू ट्रांजैक्शन शुल्क तय किया गया है।

टाइट जूते से हाई हील तक, पैरों में क्या पहनते हैं इसका शरीर पर पड़ता है असर

हम अक्सर कपड़े, हेयरस्टाइल और अपनी फिटनेस पर तो खूब ध्यान देते हैं, लेकिन पैरों में क्या पहन रहे हैं, इस पर उतना गौर नहीं करते। जूते या चप्पल खरीदते समय कई लोगों के लिए डिजाइन, रंग और कीमत सबसे जरूरी होती है। लेकिन साइंस की मानें तो फुटवियर सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध पहनते हैं तो यह सिर्फ पैरों तक सीमित असर नहीं डालती। रिसर्च में हाई हील्स को पैर की बनावट में बदलाव, मस्कुलोस्केलेटल दर्द और चोट के बढ़े हुए खतरे से जोड़ा गया है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस में पाया गया कि ऊंची हील पहनने पर चलते समय घुटने पर पड़ने वाले कुछ लोड और मोमेंट बढ़ जाते हैं। लेकिन इसका

पैरों की चाल, दबाव और शरीर के निचले हिस्से की मूवमेंट से भी है। गलत साइज या गलत डिजाइन का फुटवियर लंबे समय तक पहनने पर पैरों में दर्द और दूसरी परेशानियों का कारण बन सकता है। अगर जूता पैर से छोटा है या बहुत टाइट है तो पैर की उंगलियों को सही जगह नहीं मिलती। इससे उंगलियों पर लगातार दबाव पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर पैरों में दर्द, छाले, कॉर्न और त्वचा पर मोटी परत जैसी परेशानियां हो सकती हैं। कई लोग जूता खरीदते समय सिर्फ यह देखते हैं कि पैर उसमें आ रहा है या नहीं। लेकिन जूते की चौड़ाई भी उतनी ही जरूरी है। अगर आगे से जूता बहुत संकरा है तो पैर की उंगलियां आपस में दब सकती हैं। इससे चलने में परेशानी और पैरों में दर्द हो सकता है। इसलिए ऐसा जूता बेहतर माना जाता है जिसमें उंगलियों को थोड़ा फैलने की जगह मिले।

अगर आप लगातार हाई हील मतलब यह नहीं है कि कभी-कभार हील पहनना हर किसी के लिए नुकसानदायक है। रोजाना लंबे समय तक हाई हील पहनना पैरों के लिए परेशानी बढ़ा सकता है।

हमारे पैर जमीन पर शरीर का वजन संभालते हैं। जूते का आकार और डिजाइन बदलने पर चलने का तरीका भी थोड़ा बदल सकता है। अगर जूता सही फिट नहीं है तो पैर को सामान्य तरीके से रखने में दिक्कत हो सकती है। इसी वजह से लंबे समय तक गलत फुटवियर पहनने पर दर्द या असहजता महसूस हो सकती है।

साइंस के मुताबिक, जूता ऐसा होना चाहिए जिसमें पैर आराम से रहे। उंगलियों पर ज्यादा दबाव न पड़े, एड़ी बार-बार जूते से बाहर न निकले और चलते समय पैर को परेशानी न हो। अगर जूता पहनने के कुछ देर बाद ही पैर में दर्द, जलन या दबाव महसूस होने लगे तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ओला, उबर और डिलीवरी ब्वॉय के लिए नया नियम आ सकता है सामाजिक सुरक्षा कोष; कैसे होगा फायदा?

नई दिल्ली,6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में गिग और ऑनलाइन मंचों (प्लेटफॉर्म) के लिए काम करने वाले श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान को लागू करने की तैयारी के बीच नियमों से जुड़ा एक तकनीकी ऑप्शन प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।यह विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि एग्रीगेटर कंपनियों से अंशदान उनके वार्षिक कारोबार के आधार पर लिया जाए या कामगारों को किए जाने वाले भुगतान के प्रतिशत के आधार पर। विश्लेषकों और उद्योग जगत से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कंपनियों के वार्षिक कारोबार के बजाय प्रति लेनदेन या कामगारों के भुगतान से जुड़ा अंशदान मंच से जुड़ी अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक असमान वित्तीय बोझ डाल सकता है। इसका सबसे बुरा असर उन कारोबार क्षेत्रों पर पड़ेगा जो बहुत अधिक लेनदेन संख्या लेकिन कम मूल्य पर आधारित हैं।

सस्ती मिल रही प्याज, 17 शहरों में 4000 टन बफर स्टॉक लाई सरकार

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्याज की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों के लिए अब राहत की खबर है।

केंद्र सरकार ने बाजार में प्याज की कीमतों पर लगाम लगाने के लिए अपने बफर स्टॉक से प्याज की रियायती बिक्री शुरू कर दी है। सरकार की ओर से 17 शहरों में अब तक करीब 4,000 टन बफर बेचा जा चुका है। बड़ी बात यह है कि चुनिंदा शहरों में ग्राहकों को प्याज 35 रुपये प्रति किलो की रियायती कीमत पर दिया जा रहा है। सरकार का कहना है कि इस कदम का असर अब बाजार में भी दिखाई देने लगा है और प्याज की कीमतों में कुछ कमी आई है।

35 रुपये किलो में कहां मिल रहा प्याज?

सरकार ने कुछ ऐसे शहरों को चुना है जहां प्याज की कीमतें काफी ज्यादा थी। सरकार की ओर से इन जगहों पर बफर स्टॉक का प्याज 35 रुपये प्रति किलो की रियायती कीमत पर बेचा जा रहा है। एनसीसीएफ के मुताबिक अब तक करीब 1,500 टन प्याज खुदरा बिक्री के जरिए बेचा जा चुका है। दिल्ली-एनसीआर तमिलनाडु उत्तर प्रदेश केरल राजस्थान पंजाब ओडिशा

सरकार के कदम से कितनी गिरी प्याज की कीमत?

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, रियायती बिक्री शुरू होने से पहले 28 अगस्त को प्याज का आखिल भारतीय औसत खुदरा भाव 48.50 रुपये प्रति किलो था। वहीं 5 सितंबर को यह कीमत बढ़कर करीब 50.79 रुपये प्रति किलो हो गया था। वहीं अलग-अलग शहरों में 5 सितंबर को प्याज के दाम इस तरह रहे हैं।

दिल्लीः 58 रुपये प्रति किलो

मुंबईः 53 रुपये प्रति किलो

चेन्नईः 63 रुपये प्रति किलो

रांचीः 40 रुपये प्रति किलो

औसत थोक कीमतः 42.79 रुपये प्रति किलो।

क्या दुनिया का सोना जब्त करने वाले हैं ट्रंप, यूरोप में मची अफरा-तफरी

भारत का विदेश में कितना जमा है गोल्ड?

नई दिल्ली,6 सितंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया में सोना सांसत में है। दरअसल, यह अपना नया पता-ठिकाना खोज रहा है। बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों और हालातों के बीच हाल ही में यूरोपीय देश नीदरलैंड्स ने अपने रिजर्व का लगभग 86 टन सोना अमेरिका और कनाडा से निकालकर लंदन पहुंचा दिया है। इससे पहले इसी साल फ्रांस ने भी न्यूयॉर्क से यूरोप में 129 टन सोना भेजा है।वहीं, भारत की बात करें तो ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि उसका लगभग 77 फीसदी सोना अब देश के भीतर ही रखा है। बड़ा सवाल ये है कि यूरोप में अमेरिका से सोना निकालने की भगदड़ क्यों मची है। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश में रखे दुनिया के गोल्ड रिजर्व पर कब्जा कर सकते हैं। एक्सपर्ट और रिपोर्टों से इसे समझते हैं।

नीदरलैंड्स ने अमेरिका से वापस सोना लाने के पीछे क्या दिए तर्क

यूरोप के सेंट्रल बैंक अपने सोने के भंडार को उत्तरी अमेरिका से हटाकर अपने देश के करीब ला रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि जियोपॉलिटिकल तनाव, युद्ध और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सरकारें अपनी सबसे महत्वपूर्ण रिजर्व एसेट्स में से एक पर अपना नियंत्रण मजबूत करना चाहती हैं। डच अधिकारियों ने कहा कि इस बदलाव का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि किसी गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में सोना आसानी से उपलब्ध हो सके। नीदरलैंड के पास रिजर्व में लगभग 313 टन सोना है।

अमेरिका से सोना लाने की क्यों मची भगदड़

डच फैसला यूरोप में चल रहे एक बड़े ट्रेंड का हिस्सा है। फ्रांस ने अमेरिका से अपना काफी सोना वापस मंगा लिया है, जबकि जर्मनी ने पहले ही अपनी रिजर्व मैनेजमेंट स्ट्रैटेजी के तहत न्यूयॉर्क और पेरिस में रखे 216 टन से ज्यादा सोने को वापस जर्मनी मंगा लिया था।

इटली पर भी अमेरिका में रखी अपनी संपत्ति पर दोबारा सोचने का दबाव रहा है। याहू फाइनेंस के मुताबिक, इटली के पास लगभग 2,452 टन सोना है और वह इसका 43 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा अमेरिका में रखता है।भारत का सोना भी लंदन, स्विट्जरलैंड के बेसल शहर में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स यानी बीआईएस में समेत कई विदेशी वॉल्ट (सुरक्षित भंडार) में रखा है, जिसमें न्यूयॉर्क भी शामिल है।

सेंट्रल बैंकों ने हर साल खरीदा 1,000 टन सोना

यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब सेंट्रल बैंकों ने सोने की खरीद में तेजी से बढ़ोतरी की है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, सेंट्रल बैंकों ने पिछले चार सालों में हर साल औसतन 1,000 टन सोना खरीदा है। यह पिछले दशक की औसत सालाना खरीद से दोगुना है, जिससे इस साल की शुरुआत में सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं।

भारत के सोने के रिजर्व का क्या है हाल

भारत का सोना नीदरलैंड्स के उलट दिशा में जा रहा है। भारत के ताजा सरकारी आंकड़े एक अलग पैटर्न दिखाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक आरबीआई के पास 880.52 टन सोना था।इस कुल मात्रा में से 312.32 टन सोना भारत में जारी किए गए नोटों के बैकअप के तौर पर रखा गया था। इसके अलावा, 367.73 टन सोना आरबीआई के बैंकिंग विभाग की संपत्ति के तौर पर भारत में रखा गया था।

भारत का विदेश में रखा है सोना, पर कुछ बदला है

द इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार, मार्च 2025 में, 511.98 टन सोना भारत में और 367.60 टन विदेश में रखा गया था। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि एक साल में घरेलू होल्डिंग्स में लगभग 168 टन की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल होल्डिंग्स में एक टन से भी कम की बढ़ोतरी हुई। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में सोने की जगह का तो जिक्र है, लेकिन इस बदलाव की कोई खास वजह नहीं बताई गई है।

इसलिए, डेटा दो अलग-अलग नजरिए दिखाता है। नीदरलैंड्स ने लंदन में रखे अपने रिजर्व का हिस्सा बढ़ाया क्योंकि उसका मानना है कि वहां इस धातु का व्यापार ज्यादा आसानी से किया जा सकता है। भारत के आंकड़े दिखाते हैं कि अब उसके सोने का एक बड़ा हिस्सा घरेलू स्तर पर रखा गया है।

अमेरिका से गोल्ड रिजर्व ट्रांसफर के पीछे का मतलब

यह एक ऐसी रणनीति है जिसे पहले भी दुनिया में अस्थिरता के समय अपनाया गया है। गोल्डमैन सैक्स की रिसर्च एनालिस्ट लीना थॉमस और डान स्टूवेन ने कहा, 'कोल्ड वॉर के दौरान कुछ यूरोपीय सेंट्रल बैंकों ने अपने सोने का कुछ हिस्सा न्यूयॉर्क भेज दिया था।'

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के सीनियर मार्केट स्ट्रैटेजिस्ट जोसेफ कैवाटनी ने बीबीसी को बताया कि हालांकि युद्ध और व्यापारिक तनाव 'इनमें से कुछ फैसलों की वजह' थे, लेकिन ये वजहें सबसे अहम नहीं थीं।महंगाई, ब्याज दरें और सोने को ऐसी जगह रखना जहां उसका तेजी से व्यापार किया जा सके, इन बातों ने भी अहम भूमिका निभाई।

गोल्ड रिजर्व के जियोपॉलिटिकल रिस्क बनने का डर

न्यूयॉर्क और लंदन दुनिया के दो बड़े गोल्ड सेंटर हैं। लेकिन जियोपॉलिटिकल संकट इस स्थिति को बदल सकते हैं। 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूसी सेंट्रल बैंक की संपत्ति को फ्रीज करना इसका एक उदाहरण है।वहां में, यूरोपीय संघ और जी7 इस बात पर सहमत हुए कि फ्रीज की गई संपत्ति से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल यूक्रेन के लिए 50 अरब डॉलर के लोन पैकेज में मदद के लिए किया जाएगा। इस घटनाक्रम ने एक नई मिसाल कायम की कि विदेशों में रखे गोल्ड रिजर्व जियोपॉलिटिकल विवादों में फंस सकते हैं। मिडिल ईस्ट काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स के नॉन-रेजिडेंट के सीनियर फेलो फ्रेडरिक श्नाइडर ने अल जजीरा को बताया कि देश कई सालों से अपने सोने को वापस लाने पर विचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसका मकसद 'अपने गोल्ड रिजर्व पर फिजिकल कंट्रोल हासिल करना' था।दरअसल, यूक्रेन युद्ध और मिडिल ईस्ट संकट के तौर पर इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि ट्रंप इस गोल्ड रिजर्व को कहीं जब्त करके उसका कुछ हिस्सा युद्धों से हुए नुकसान की भरपाई में इस्तेमाल कर लें।

सोने की कीमतों में भी हो गई बढ़ोतरी

हाल के सालों में सोने की कीमत में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। जनवरी 2026 में इस धातु की कीमत $5,000 प्रति औंस के पार चली गई और फरवरी में यह महंगाई के हिसाब से एडजस्ट किए जाने पर लगभग $5,394 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। जुलाई तक इसकी कीमत गिरकर लगभग $4,046 हो गई, लेकिन यह ज्यादातर ऐतिहासिक स्तरों से ऊपर ही बनी रही। गोल्डमैन सैक्स के एनालिस्ट्स का अनुमान है कि 2026 के आखिर तक इसकी कीमत $4,900 प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच जाएगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-41 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	कन्या	06-47 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	07-51 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक	11-01 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	13-17 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	15-30 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	17-12 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	18-49 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	20-25 बजे
			वृष	22-08 बजे
			मिथुन	00-12 बजे
			कर्क	02-28 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**

शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - **432000**

भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-01** सूर्यास्त. **18-39**

कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - **1972949127**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष सोमवार **07 Sep 2026**

तिथि - एकादशी **17-04** तक उपरान्त द्वादशी

नक्षत्र - पुनर्वसु **18-14** तक उपरान्त पुष्य

योग - व्यतिपात **06-40** तक उप परिघ

करण - बव **06-16** तक उप बालव

विशेष:अजा एकादशी व्रत

कन्या मे बुध **13-32** से

विशेष- राशिफल ग्रहो के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-37 से 09-09 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 06-01 - 07-37 शुभ	चंचल 18-42 - 19-52 शुभ
काल 07-37 - 09-09 अशुभ	रोग 19-52 - 21-19 अशुभ
शुभ 09-09 - 10-42 शुभ	काल 21-19 - 22-47 अशुभ
रोग 10-42 - 12-14 अशुभ	लाभ 22-47 - 00-14 शुभ
उत्पात 12-14 - 13-47 अशुभ	उत्पात 00-14 - 01-42 अशुभ
चंचल 13-47 - 15-19 शुभ	शुभ 01-42 - 03-09 शुभ
लाभ 15-19 - 16-52 शुभ	अमृत 03-09 - 04-37 शुभ
अमृत 16-52 - 18-42 शुभ	चंचल 04-37 - 06-01 शुभ

अमेजन संस्थापक की पूर्व पत्नी की दरियादिली

अश्वेत कॉलेजों को अरबों का दान; मैकेंजी स्कॉट क्यों बनी मिसाल?

मैकेंजी स्कॉट ने बनाया नया रिकॉर्ड

- अश्वेत कॉलेजों को कुल दान एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया।
- एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को हाल में 4.2 करोड़ डॉलर की मदद दी।
- 2025 में हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर का बड़ा दान दिया।
- कई दान बिना शर्त, संस्थानों को रकम खर्च करने की पूरी आजादी।

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने अमेरिका के ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दान के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। उनकी हालिया 4.2 करोड़ डॉलर की मदद के बाद इन संस्थानों को दिए उनके कुल दान का आंकड़ा एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है।

मैकेंजी स्कॉट ने हाल में कितना दान दिया?

स्कॉट ने इस साल नॉर्थ कैरोलिना की एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर का दान दिया। यह रकम विश्वविद्यालय के फाउंडर्स डे के मौके पर दी गई। विश्वविद्यालय के चांसलर एस. कीथ हार्ग्रोव ने स्कॉट का आभार जताते हुए कहा कि इससे संस्थान की एएसईसीयूएनडी 2030 रणनीतिक योजना को मदद मिलेगी।

जेफ बेजोस से अलग होने के बाद स्कॉट की संपत्ति कैसे बढ़ी?

स्कॉट ने 2020 में अमेजन में अपनी करीब आधी हिस्सेदारी बेच दी थी। इसके बाद उन्होंने बड़े स्तर पर परोपकारी काम शुरू किया। वर्ष 2020 से अब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, आपदा राहत और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले हजारों संगठनों के लिए करीब 26 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं।

किन बड़े विश्वविद्यालयों को मिला स्कॉट का दान?

स्कॉट ने पिछले कुछ वर्षों में कई अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बड़ी रकम दी है। नवंबर 2025 में उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर दिए थे। इसके अलावा मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी, नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों को भी उन्होंने आर्थिक मदद दी है। स्कॉट के दान में अलबामा स्टेट यूनिवर्सिटी को 2025 में 3.8 करोड़ डॉलर, अल्कॉर्न स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर और मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी को 2020 और 2025 में कुल 10.3 करोड़ डॉलर शामिल हैं। प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी को 11.3 करोड़ डॉलर और नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी को 9 करोड़ डॉलर भी मिले हैं।

स्कॉट के दान को क्यों खास माना जा रहा है?

स्कॉट के कई दान बिना किसी विशेष शर्त के दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरत के हिसाब से रकम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका उपयोग छात्रवृत्ति, शिक्षकों की नियुक्ति, एंडोमेंट, कैंपस सुधार या अन्य प्राथमिकताओं के लिए किया जा सकता है।

स्कॉट का मानना रहा है कि परोपकार में संस्थानों पर भरोसा करते हुए उन्हें सीधे मदद दी जानी चाहिए।

क्या सिर्फ विश्वविद्यालयों को ही मिला है बड़ा दान?

नहीं। वर्ष 2025 में स्कॉट ने थर्गुड मार्शल कॉलेज फंड और यूनाइटेड नीग्रो कॉलेज फंड को भी 7-7 करोड़ डॉलर का दान दिया था। इसके अलावा हैम्पटन यूनिवर्सिटी, मोरहाउस कॉलेज, नॉर्थ कैरोलिना एएंडटी स्टेट यूनिवर्सिटी, टस्केगी यूनिवर्सिटी, जेवियर यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसियाना और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर को भी उनकी ओर से मदद मिली है।

बायजू से जुड़ी के-3 एजुकेशन की संपत्तियों की नीलामी पर रोक

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी एजुटेक कंपनी बायजू से जुड़ी के-3 एजुकेशन की संपत्तियों की नीलामी पर रोक लगा दी है। के-3 एजुकेशन बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) की सहायक कंपनी है।

कंपनी पर लगभग 150 करोड़ रुपये मूल्य की अपनी संपत्तियों को मात्र 16 करोड़ रुपये में बेचने के आरोप थे। यह आदेश के3 एजुकेशन के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) और क्रिटिकल सॉल्यूशंस की ओर से दायर उस याचिका पर आया है, जिसमें स्वामित्व के सत्यापन तक संपत्तियों की सुरक्षा की मांग की गई थी। न्यायाधिकरण ने कंपनी को संपत्तियों के निपटान पर आगामी 21 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है और यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है।

टाटा टेक्नोलॉजी के पूर्व सीईओ ने बेचे 165 करोड़ के शेयर

टाटा टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ एवं प्रबंध निदेशक पैट्रिक रेमन मैकगोल्ड्रिक ने बीएसई पर खुले सौदे के जरिये लगभग 165 करोड़ रुपये के शेयर बेचकर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। मैकगोल्ड्रिक ने शुक्रवार को चार चरणों में 21 लाख शेयर बेचे। ये शेयर पुणे स्थित वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी में 0.51 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयर 785 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे लेनदेन का कुल मूल्य 164.85 करोड़ रुपये रहा। शेयर बिक्री के बाद टाटा टेक्नोलॉजीज में मैकगोल्ड्रिक की हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत से घटकर 0.62 फीसदी रह गई।

रूस समेत 21 देश लेने वाले हैं ऐसा फैसला जिस पर भारत की टिकी हैं निगाहें, सीधे पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। रूस समेत ओपेक+ समूह के 21 देश एक अहम फैसला लेने वाले हैं। इस पर भारत समेत दुनियाभर की नजरें टिकी हैं। यह ऑयल प्रोडक्शन पॉलिसी से जुड़ा है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रविवार को होने वाली इस बैठक में ओपेक+ अक्टूबर के लिए अपनी तेल उत्पादन नीति में कोई बदलाव नहीं करने वाला है। इस ग्रुप को उत्पादन के अगले कदमों पर फैसला लेने से पहले नए कोटा पर सहमति बनानी होगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से तेल निर्यात में बाधा आ रही है। इससे कीमतों और बाजार हिस्सेदारी पर ओपेक+ का असर सीमित हो गया है। पहले के मुकाबले अब बाजार पर ग्रुप के सप्लाई से जुड़े फैसलों का असर कम हुआ है।

अपने टारगेट से पीछे है ग्रुप

अगस्त में ओपेक+ ने सितंबर के लिए उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इससे 2023 में तय की गई 16.5 लाख बैरल प्रति दिन की सप्लाई कटौती को चरणबद्ध तरीके से वापस लेने की प्रक्रिया पूरी हो गई। उत्पादन बढ़ाने पर सहमति के बावजूद पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और रूस समेत उसके सहयोगियों से बने इस ग्रुप का उत्पादन युद्ध के कारण अभी भी अपने लक्ष्यों से काफी कम है।ओपेक+ ने अभी भी उत्पादन में कटौती का एक और दौर लागू कर रखा है। यह 21 देशों के इस ग्रुप के ज्यादातर सदस्यों पर 2026 के आखिर तक लागू रहेगा। कटौती को कैसे खत्म किया जाए और उत्पादन को बाजार में कैसे वापस लाया जाए, इस पर फैसला लेने से पहले ग्रुप को सदस्यों की तेल उत्पादन क्षमता की समीक्षा करनी होगी। मकसद यह है कि 2027 के लिए उत्पादन बेसलाइन तय की जा सके, जो कोटा का आधार बनती है।

सूत्रों ने पहले रॉयटर्स को बताया था कि मुमकिन है कि इस पर चर्चा 2026 के आखिर में होगी। इसलिए, ओपेक+ के चौथी तिमाही के लिए उत्पादन बढ़ाने की योजना को रोकने की संभावना है।भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 85% से अधिक हिस्सा आयात करता है।

ऐसे में ओपेक+ की ओर से उत्पादन नीति में बदलाव न करने और सप्लाई को सीमित रखने से वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ेगा।इसका सीधा असर देश के व्यापार घाटे और चालू खाता घाटे पर पड़ेगा। पेट्रोल, डीजल और माल ढुलाई महंगी होने से घरेलू स्तर पर महंगाई का दबाव भी बढ़ेगा। ऐसे में देश में महंगाई नियंत्रित करने के लिए भारत को रियायती दर वाले रूसी कच्चे तेल या गैर-ओपेक देशों से सप्लाई बढ़ाने और एनर्जी सोर्सेज का डायवर्सिफिकेशन करने पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ेगा।

कम से कम 58,000 पेंशन की उम्मीद

आज 8वें वेतन आयोग की एक और बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। 8वें वेतन आयोग के लिए बातचीत की अगली बैठकें 7 सितंबर को चेन्नई में शुरू हो रही हैं।दो दिनों तक चलने वाली इन बैठकों में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित पक्ष वेतन, पेंशन और भत्तों में बदलाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हाल ही में जयपुर में हुई दो दिवसीय बैठक के बाद चेन्नई की यह बैठक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की मांगों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।पिछली बार की तरह इस बार भी बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा सालाना सैलरी इंक्रीमेंट का होगा।कर्मचारी संगठनों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा 3% का इंक्रीमेंट नाकाफी है।ऐसे में अब यूनियनों ने इसे बढ़ाकर 5% से 7% करने की मांग रखी है, जिससे बेसिक सैलरी में इजाफा हो।कर्मचारी संगठन 7वें वेतन आयोग के 2.57 फिटमेंट फैक्टर के मुकाबले 8वें वेतन आयोग में इसे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं ताकि मिनिमम बेसिक पे को 18,000 से बढ़ाया जा सके।इस बैठक में पेंशनर संगठनों की ओर से पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग के साथ-साथ लेवल 4 से 7 तक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन दरों को बेहतर करने पर गहन चर्चा होगी।बैठक में लॉजिस्टिक्स से संबंधित उन समस्याओं पर भी चर्चा करेंगे जिनका सामना केंद्र सरकार के कई कर्मचारियों को अपनी पोस्टिंग और ट्रांसफर के दौरान करना पड़ता है।8वें वेतन आयोग के तहत पेंशनर्स के लिए पेंशन अमाउंट में भी बढ़ोतरी की मांग है।उनकी मांग है कि नए वेतन आयोग के लागू होने के बाद लेवल 7 के कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर 58,000 या उससे भी अधिक की बेसिक पेंशन मिल सके।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे ।अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । सेहत और ऊर्जा दोनों ही आपके मजबूत पहलू है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)

आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें । अधिक परेशान न हों,थोडा सा योजना बनाकर चलेंगे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं। इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे । अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

डिप्टी सीएम दिया कुमारी के 'गढ़' में फंसा पेंच!

विद्याधर नगर के कई वार्डों में बीजेपी के बाग़ी, मुकाबला 'टाइट'

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद अब जयपुर के विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे की सबसे बड़ी परीक्षा होने जा रही है। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के इस गृह क्षेत्र के सभी 22 वार्डों में भाजपा ने क्लीन स्वीप करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन टिकट वितरण के बाद सामने आए बागी उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के असंतोष ने इस मुकाबले को बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। कुल 3,61,612 मतदाताओं वाले इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा जहां उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रभाव और राज्य सरकार के विकास कार्यों के दम पर चुनावी मैदान में है, वहीं कांग्रेस पार्टी स्थानीय समस्याओं, पेयजल किल्लत और भाजपा के बागियों द्वारा होने वाले वोट विभाजन के भरोसे अपनी जीत की राह देख रही है। विद्याधर नगर क्षेत्र में इस बार 9,810 नए युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जो कई वार्डों में हार और जीत का अंतर तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। सबसे अधिक 22,075 मतदाताओं वाला वार्ड 13 और सबसे कम 12,258 मतदाताओं वाला वार्ड 15 दोनों ही राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बने हुए हैं।

कांग्रेस पार्टी की ओर से वरिष्ठ नेता विक्रम सिंह शेखावत और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने समर्थक कार्यकर्ताओं को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, वीकेआई इंडसट्रियल एरिया का ट्रैफिक जाम, कॉलोनियों में टूटी सीवर लाइनें और पेयजल आपूर्ति जैसे मुद्दे जनता के बीच सबसे बड़े सवाल बनकर उभरे हैं। विद्याधर नगर में भाजपा के टिकट बंटवारे में सीधे तौर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और पार्टी नेता अमित गोयल की अनुसंशा सबसे महत्वपूर्ण रही है। पार्टी ने ज्यादातर वार्डों में अपनी पहली पसंद के कार्यकर्ताओं को मौका दिया, जिसके बाद कई प्रमुख वार्डों में विरोध के स्वर भी तेज हो गए। हालांकि संगठन ने कई नाराज नेताओं को मना लिया है, लेकिन आधा दर्जनों से ज्यादा वार्डों में भाजपा के पूर्व पार्षद और वरिष्ठ कार्यकर्ता निर्दलीय बागी के रूप में ताल ठोक रहे हैं।

दूसरी तरफ, कांग्रेस ने रणनीतिक तौर पर पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विक्रम सिंह शेखावत के प्रभाव वाले जमीनी चेहरों पर दांव खेला है। कांग्रेस को उम्मीद है कि जिन वार्डों में भाजपा के बागी उम्मीदवार मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं, वहां वोटों का बंटवारा सीधा कांग्रेस प्रत्याशियों को फायदा पहुंचाएगा। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के कई अंदरूनी और बाहरी इलाकों में रहने वाले आम नागरिक इस बार केवल वादों से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। क्षेत्र की जनता का कहना है कि चुनाव में उतरे प्रत्याशियों को बुनियादी समस्याओं का ठोस रोडमैप देना होगा। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के आसपास सड़कों की खराब हालत और भारी वाहनों के ट्रैफिक से हर दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। इस रूट पर पूर्व में कई बड़े सड़क हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई बड़ा समाधान नहीं निकला है। पेयजल आपूर्ति की समस्याः विधानसभा क्षेत्र के बाहरी वार्डों में नई पेयजल लाइनें बिछा दी गई हैं, लेकिन कई कॉलोनियों में नियमित पानी की सप्लाई अभी तक शुरू नहीं हो पाई है।

वोट मांगने पहुंचे कांग्रेस विधायक प्रशांत शर्मा का उग्र विरोध

गाड़ी पर चढ़े लोग- काले झंडे दिखाए

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान में जारी नगर निगम चुनाव 2026 के बीच राजधानी जयपुर से हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। दरअसल, आमेर के हांडीपुरा इलाके में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे स्थानीय कांग्रेस विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को स्थानीय लोगों के भारी आक्रोश और विरोध का सामना करना पड़ा। मक्का मस्जिद हांडीपुरा के पास जैसे ही विधायक शर्मा का काफिला पहुंचा, बड़ी संख्या में एकत्र हुए स्थानीय निवासियों ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। जनता का गुस्सा इस कदर बढ़ा हुआ था कि विधायक अपनी गाड़ी से बाहर तक नहीं निकल पाए और उग्र माहौल को देखते हुए उन्हें बिना प्रचार किए ही वहां से वापस लौटना पड़ा।

हैरानी की बात इसलिए भी है, क्योंकि जिस क्षेत्र से विधायक प्रशांत शर्मा चुनकर आए हैं, वहीं की जनता ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मौके पर मौजूद लोगों ने न केवल विधायक के काफिले को रोककर काले झंडे दिखाए, बल्कि कई आक्रोशित युवा नारेबाजी करते हुए विधायक की चलती गाड़ी के बोनट पर चढ़ गए। इस दौरान हुए भारी हंगामे में गाड़ी के शीशे टूटने की भी खबर है। घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर इस विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी के कई वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिसने चुनाव मैदान में उतरी कांग्रेस पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है।

हांडीपुरा इलाके में हुए इस विरोध प्रदर्शन के पीछे स्थानीय निवासियों का लंबे समय से पनप रहा गुस्सा माना जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का सीधा आरोप था कि विधायक प्रशांत शर्मा ने विधानसभा चुनावों के दौरान उनसे वोट ले लिए, लेकिन चुनाव जीतने के बाद लगातार इस क्षेत्र और एक वर्ग विशेष के विकास कार्यों की पूरी तरह से उपेक्षा की।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि विधायक बनने के बाद वे क्षेत्र की समस्याओं को सुनने कभी वापस नहीं आए और अब जब नगर निगम चुनाव में फिर से वोट की जरूरत पड़ी है, तो वे प्रत्याशी के लिए समर्थन मांगने आ गए हैं। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम चुनाव 2026 के लिए किए गए टिकट वितरण में भारी अनियमितताओं और मनमानी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। लोगों का कहना था कि क्षेत्र के जमीनी और योग्य कार्यकर्ताओं को दरकिनार करके गलत प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसी बात से नाराज होकर हांडीपुरा के लोगों ने विधायक के सामने ही अपनी भड़ास निकाली और साफ कह दिया कि वे इस तरह की अनदेखी को अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा का वाहनों का काफिला हांडीपुरा इलाके में दाखिल हुआ, सैकड़ों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। देखते ही देखते माहौल इतना ज्यादा तनावपूर्ण हो गया कि लोगों ने विधायक की गाड़ी को पूरी तरह से रोक लिया। भीड़ में शामिल युवाओं ने हाथों में काले झंडे लेकर विधायक के खिलाफ तीखी नारेबाजी की और कुछ लोग आक्रोश में आकर सीधे गाड़ी के ऊपर चढ़ गए।

हाईकोर्ट को मिला नया मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस संजय के. अग्रवाल की नियुक्ति को केंद्र की मंजूरी

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आधिकारिक आदेश जारी करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने का वारंट जारी कर दिया है। राष्ट्रपति के वारंट के तुरंत बाद केंद्र सरकार के कानून एवं न्याय मंत्रालय ने भी उनकी आधिकारिक नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट को करीब 11 महीने के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अपना नियमित और स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। हाईकोर्ट प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा सकता है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे राजभवन में आयोजित होने वाले एक गरिमामय समारोह में जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश का पद काफी समय से कार्यवाहक व्यवस्था के तहत चल रहा था। इस प्रशासनिक शून्यता को खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इसी सप्ताह जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की औपचारिक सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी थी।

केंद्र सरकार और राष्ट्रपति भवन से त्वरित मंजूरी मिलने के बाद अधिसूचना जारी कर दी गई। कॉलेजियम की इस सिफारिश के तहत देशभर के कई अन्य हाईकोर्ट में भी नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्तियां की गई हैं, जिसमें राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी को जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। 15 जुलाई 1965 को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक नगर रतनपुर में जन्मे जस्टिस संजय के. अग्रवाल एक बेहद सम्मानित, जमीनी और समृद्ध न्यायिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तित्व हैं। उनके पिता श्री वीरेंद्र अग्रवाल और माता श्रीमती चमेली अग्रवाल हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती स्कूली शिक्षा रतनपुर से पूरी करने के बाद गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से विज्ञान स्नातक और कानून स्नातक की डिग्रियां प्राप्त कीं।

'ये अपमान है', प्रताप सिंह खाचरियावास की सीएम भजनलाल पर अभद्र टिप्पणी को लेकर भड़की बीजेपी

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान में निकाय चुनाव के गर्म सियासी माहौल के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के एक बयान ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर खाचरियावास द्वारा दी गई कथित निजी और अमर्यादित टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके सामने आते ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कांग्रेस और खाचरियावास के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही लगभग एक मिनट की इस वायरल क्लिप में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास मुख्यमंत्री की कथित व्यक्तिगत आदतों को लेकर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में खाचरियावास को यह कहते सुना जा सकता है कि 'मुख्यमंत्री शराब पीने के बाद लड्डू खाते हैं।' खाचरियावास की विवादित बयान सामने आने के बाद राज्य के राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। वीडियो खाचरियावास ने अपने सोशल अकाउंट से भी अपलोड किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे राजस्थान की समृद्ध लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं का अपमान बताया है। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने बयान की तीखी निंदा करते हुए कहा कि खाचरियावास की ओर से इस्तेमाल की गई ओछी और अभद्र भाषा राज्य की राजनीतिक मर्यादाओं को कलंकित करने वाली है।

भाजपा ने पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से इस अशोभनीय टिप्पणी के लिए तुरंत सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस बयान को लेकर भारी आक्रोश है और स्थानीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि माफी न मांगने की स्थिति में खाचरियावास के खिलाफ पूरे प्रदेश में उग्र विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

भगवान हनुमान आए वोटर लिस्ट में!

बीएलओ बोला- 'मैंने नहीं जोड़ा नाम'

कोटा6 सितंबर (एजेंसिया)। कोटा शहर में नगर निगम चुनाव का माहौल है। प्रत्याशी गली-गली घूमकर मतदाताओं के दरवाजे खटखटा रहे हैं और वोट की अपील कर रहे हैं। लेकिन कोटा के वार्ड नंबर 29 में एक ऐसा 'वोटर' सामने आया है, जिसने प्रत्याशियों से लेकर बीएलओ तक को उलझन में डाल दिया है। वोटर लिस्ट में नाम तो 35 साल के जगदीश पुत्र रामचंद्र का है, पता भी बाकायदा दर्ज है, लेकिन तस्वीर देखकर आप भी चौंक जाएंगे। जगदीश की फोटो की जगह वहां हनुमान जी महाराज की तस्वीर लगी हुई है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि संबंधित बीएलओ पिछले करीब 10 दिन से इस वोटर की तलाश कर रहे हैं, लेकिन जगदीश का अब तक पता नहीं चल पाया है। न मोबाइल नंबर दर्ज है और न ही मौके पर उनका कोई सुराग मिल रहा है। वार्ड 29 से बीजेपी प्रत्याशी बद्री आर्य ने बताया कि उन्हें भी इसकी जानकारी जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं से मिली। उनका कहना है कि संभव है कि वोटर वास्तविक हो और सिर्फ फोटो गलत लग गई हो। फिलहाल उनकी टीम भी संबंधित व्यक्ति की तलाश कर रही है।

क्षेत्र के बीएलओ राजेश गुप्ता के मुताबिक उन्होंने इस वोटर का वेरिफिकेशन नहीं किया और न ही यह नाम उन्होंने जोड़ा है। उनका कहना है कि एसआईआर के बाद यह नाम वोटर लिस्ट में जुड़ा है। कुछ आवेदन सीधे कार्यालय में भी आए थे। राजेश गुप्ता के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि तस्वीर लगने की गलती मानवीय भूल है या इसके पीछे कोई और वजह है। उन्होंने संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को भी मामले की जानकारी दे दी है। अब सबसे बड़ा सवाल चुनावी व्यवस्था पर है। किसी नए मतदाता का नाम जोड़ने के लिए आवेदन के बाद सत्यापन की प्रक्रिया होती है। ऐसे में अगर नाम वास्तव में नया जुड़ा है तो मौके पर फिजिकल वेरिफिकेशन किसने किया? आवेदन किस स्तर पर जांचा गया और जगदीश की जगह हनुमान जी की तस्वीर वोटर लिस्ट तक कैसे पहुंच गई?

यह पहली बार नहीं है जब वोटर लिस्ट में ऐसी अजीबोगरीब तस्वीर सामने आई हो। बीएलओ के मुताबिक 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी एक मतदाता की जगह अलमारी की फोटो लगी मिली थी। बाद में उसे मानवीय गलती मानते हुए दुरुस्त कराया गया था। फिलहाल कोटा के वार्ड 29 में असली सवाल यही है, वोटर जगदीश हैं या तस्वीर वाले बालाजी महाराज? इसका जवाब जांच और उस वोटर के सामने आने के बाद ही साफ होगा।

खाटू श्याम मंदिर पर गिरी कड़कड़ाती बिजली

मंगला आरती के समय टला बड़ा हादसा, फटा गुंबद

सवाई माधोपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान के सवाई माधोपुर और नवगठित गंगापुरसिटी जिले में मानसून का उग्र रूप देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग की ओर से जारी 'ऑरेंज अलर्ट' के बीच लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा सामने आया है। गंगापुरसिटी के प्रसिद्ध और आस्था के केंद्र कुशालगढ़ स्थित खाटू श्याम मंदिर पर अचानक कड़कड़ाती आकाशीय बिजली आ गिरी। यह खौफनाक घटना मंगला आरती के वक्त हुई, जिससे मंदिर परिसर में मौजूद सैकड़ों श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर में आरती की तैयारी चल रही थी और 'हारे के सहारे' के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद थी। तभी आसमान में तेज गड़गड़ाहट के साथ मंदिर के ऊपरी हिस्से (गुंबद) पर आकाशीय बिजली आ गिरी। बिजली गिरते ही इतना तेज धमाका हुआ कि पूरा मंदिर परिसर कांप उठा। अचानक हुए इस घटनाक्रम से आरती कर रहे पुजारी और दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु बुरी तरह सहम गए और अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। आकाशीय बिजली के प्रचंड प्रहार से खाटू श्याम मंदिर के मुख्य गुंबद को नुकसान पहुंचा है। गुंबद का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है और उसमें गहरी दरारें आ गई हैं। हादसे के तुरंत बाद मंदिर प्रबंधन और स्थानीय सेवादारों ने सूझबूझ का परिचय दिया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मंदिर में मौजूद सभी श्रद्धालुओं को त्वरित प्रभाव से सुरक्षित बाहर निकाला गया। गनीमत यह रही कि बिजली गुंबद के ऊपरी ढांचे पर ही गिरी और नीचे आरती कर रहे श्रद्धालुओं तक इसका सीधा असर नहीं पहुंचा, जिससे एक बड़ा हादसा और जनहानि होने से बाल-बाल बच गई।

अजमेर से गिरफ्तार 'संयुक्त निदेशक' के लॉकर में मिले 1.46 करोड़ के गहने, खाते में 64 लाख

अजमेर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक जयप्रकाश चारण की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच में आरोपी के परिवार के संयुक्त बैंक लॉकर से करीब 1.46 करोड़ रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। इसके अलावा आरोपी और उसके परिजनों से जुड़े 9 बैंक खातों में 64.26 लाख रुपए जमा मिले हैं। एसीबी अब इन संपत्तियों और रकम के स्रोत की जांच में जुटी है। एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के अनुसार, आरोपी के परिवार के संयुक्त नाम से संचालित बैंक लॉकर की तलाशी ली गई। इस

दौरान लॉकर से 945 ग्राम सोने के आभूषण और 1.027 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए। इनकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 46 लाख 43 हजार रुपए आंकी गई है।

एसीबी की टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में मिले आभूषण कब और कहां से खरीदे गए थे। इसके लिए खरीद से संबंधित दस्तावेज, भुगतान और स्वामित्व से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

जांच के दौरान आरोपी संयुक्त निदेशक और उसके परिजनों से जुड़े दो बैंकों के कुल 9 खातों की भी पड़ताल की गई। इन खातों में कुल 64 लाख 26 हजार 780 रुपए जमा मिले। एसीबी अधिकारियों के मुताबिक, बैंक खातों में जमा रकम और उसमें हुए लेन-देन की भी जांच की जा रही है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि खातों में जमा रकम आरोपी की वैध आय के अनुरूप है या नहीं। गौरतलब है कि एसीबी की जयपुर एसआईडब्ल्यू इकाई ने 4 सितंबर को कार्रवाई करते हुए संयुक्त निदेशक जयप्रकाश चारण को एक संस्थान के बिल पास करने की एवज में 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। आरोप है कि आरोपी ने इसके लिए कुल 5 लाख रुपए की मांग की थी।

12वीं की छात्रा शादी तय करने पर घर छोड़कर निकली

4 साल बाद पुणे में मिली

अजमेर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। आगे पढ़ाई करने की इच्छा रखने वाली एक नाबालिग छात्रा ने शादी तय होने के बाद घर छोड़ दिया। परिवार से शादी को लेकर हुए विवाद के बाद वह फरवरी 2023 में घर से निकलकर पुणे चली गई। वहां उसने मोबाइल नंबर बंद कर दिए और एक परिचित की मदद से अस्पताल में काम करने लगी। करीब चार साल तक परिवार और पुलिस को उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार बदनोर थाना पुलिस ने तकनीकी जांच और लगातार प्रयासों के बाद उसे महाराष्ट्र के पुणे से दस्तयाब कर लिया। पुलिस के अनुसार, 1 मार्च 2023 को बदनोर थाने में एक नाबालिग बालिका के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू की।

मानसून फिर एक्टिव, 20 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट; दो बांध छलके, कई रपट डूबीं

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। जयपुर समेत कई जिलों में दिनभर बारिश हुई। आज भी 20 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। लगातार बारिश के कारण कई नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। सवाई माधोपुर, बारां, बूंदी और कोटा में कई जगह नदी की रपट डूब गईं। बारिश के कारण पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में दिन के तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, दौसा और सवाई माधोपुर समेत कई जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे रहा। इससे दिन में भी मौसम ठंडा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार बारिश का दौर 8 सितंबर तक जारी रह सकता है। इसके बाद करीब एक सप्ताह तक प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश सवाई माधोपुर के खंडार में 102 MM दर्ज की गई। करौली, भरतपुर और अलवर के कई इलाकों में करीब 3 इंच तक बारिश हुई। अजमेर, बारां, बूंदी, दौसा, धौलपुर, करौली, टोंक, सीकर, कोटा और भीलवाड़ा के कई इलाकों में 1 से 2 इंच तक बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के बाद कई बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। भरतपुर के बंध बारैठा बांध के 2 गेट, धौलपुर के पार्वती बांध के 2 गेट, झालावाड़ के कालीसिंध बांध के 3 गेट और कोटा के नवनेरा बांध के 7 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। वहीं, धौलपुर का रामसागर डैम और सवाई माधोपुर का मानसरोवर बांध ओवरफ्लो होकर छलक गया। बारिश के कारण सवाई माधोपुर, बारां, बूंदी और कोटा के कई इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया। नदियों पर बनी कई रपट पानी में डूब गईं। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ते बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्वैलरी शॉप से 20 लाख की अंगूठियां लेकर भागी युवती

पकड़े जाने के बाद भी सुनार ने नहीं करवाया केस

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। शहर से एक चोरी की वारदात सामने आई है, जिसमें चोरी के बाद युवती को पकड़कर थाना ले जाया गया लेकिन फिर एफआईआर दर्ज नहीं करवाई गई। इस मामले में झोटवाड़ा के निवारू रोड स्थित एक ज्वैलरी शॉप में गहने देखने के बहाने आई एक युवती सोने की 25 अंगूठियों से भरा बॉक्स लेकर फरार हो गई। बॉक्स में रखी अंगूठियों की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही है। युवती के बॉक्स लेकर दुकान से निकलने के बाद कर्मचारियों को इसकी जानकारी हुई। इसके बाद दुकान के कर्मचारियों ने युवती का पीछा किया और करीब 500 मीटर तक पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया। इस पूरी वारदात का घटनाक्रम दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, युवती ज्वैलरी शॉप में पहुंची और कर्मचारियों से सोने की अंगूठियां दिखाने को कहा। कर्मचारियों ने उसके सामने सोने की अंगूठियों से भरा बॉक्स रख दिया। युवती ने काफी देर तक बॉक्स में रखी अंगूठियों को देखा और उन्हें देखने के बहाने दुकान में बैठी रही। इसी दौरान युवती के मोबाइल पर एक कॉल आई। मोबाइल पर कॉल आने के बाद उसने मौका पाकर सोने की अंगूठियों से भरा पूरा बॉक्स उठाया और दुकान से बाहर की तरफ दौड़ लगा दी। युवती के अचानक बॉक्स लेकर बाहर भागने की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

दुकानदार युवती को पकड़ने के बाद उसे झोटवाड़ा थाने लेकर पहुंचे। थाने में पुलिस ने युवती से पूरे मामले को लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने आया कि युवती कई दिनों से अपने घर से गायब थी। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया और युवती की मां को थाने बुलाया गया।

मंदिर में प्रसादी करने पर लगाया भारी जुर्माना, न देने पर किया हुक्का-पानी बंद

कोर्ट के आदेश 6 पर केस दर्ज

उदयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। उदयपुर के गोगुंदा क्षेत्र के भुताला गांव में मंदिर में प्रसादी करने पर एक परिवार का कथित तौर पर सामाजिक बहिष्कार करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने 5 पंचों सहित छह व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि समाज के लोगों ने परिवार पर 1 लाख 51 हजार रुपए का जुर्माना लगाया और राशि नहीं देने पर परिवार को समाज से अलग कर दिया। पीड़ित गणेश सिंह ने बताया कि 24 मई 2026 को गांव के मंदिर में प्रसादी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के बाद आरोपी किशोर सिंह, तेज सिंह, नवल सिंह, मोहन सिंह, भैरू सिंह, चंदन सिंह, राम सिंह, काल सिंह, लहर सिंह, कान सिंह और धर्मेंद्र सहित अन्य लोगों ने आपत्ति जताई। पीड़ित के अनुसार, अगले दिन पंचायत बुलाकर 1 लाख 51 हजार रुपए जुर्माना भरने को कहा गया। राशि देने में असमर्थता जताने पर परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि परिवार को समाज के अन्य लोगों से मेल-जोल और संपर्क नहीं रखने की हिदायत दी गई। मंदिर सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आने-जाने से भी रोका गया। रिश्तेदार की मौत होने पर श्मशान में भी जाने नहीं दिया गया। आदेश का विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

थाइलैंड में जीता था ब्रॉन्ज, अब किर्गिस्तान में गोल्ड पर नजर

भारत के लिए उतरेंगे स्ट्रेंथ लिफ्टर पवन

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसिया)। राजस्थान के पवन कुमावत की मेहनत एक बार फिर उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गई है. जयपुर के लालचन्दपुरा निवासी पवन किर्गिस्तान में होने वाली वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. सीनियर वर्ग के 68 किलो भार वर्ग के लिए उनका चयन सिक्किम में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप के ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद हुआ. पवन 7 सितंबर को दिल्ली से भारतीय टीम के साथ रवाना होंगे. कोच और मार्गदर्शक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ की देखरेख में उनकी तैयारी चल रही है. पवन इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए पदक जीत चुके हैं. जुलाई 2025 में थाइलैंड में उन्होंने 125 किलो वजन उठाकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था. अब किर्गिस्तान में वह अपने प्रदर्शन को और बेहतर कर गोल्ड मेडल जीतने के इरादे से उतरेंगे.

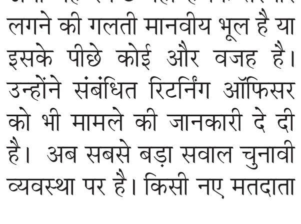

जयपुर के लालचन्दपुरा निवासी स्ट्रेंथ लिफ्टर पवन कुमावत एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं. 8 से 12 सितंबर तक किर्गिस्तान में होने वाली वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में पवन भारतीय टीम का हिस्सा होंगे. राजस्थान स्ट्रेंथ लिफ्टिंग संघ के सचिव चन्द्रेश सोनी ने बताया कि पवन लंबे समय से वेटलिफ्टिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं.

उन्होंने बताया कि पवन कुमावत 7 सितंबर को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भारतीय टीम के साथ किर्गिस्तान के लिए रवाना होंगे. उन्हें सीनियर वर्ग के 68 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम में जगह मिली है. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हाल ही में सिक्किम में आयोजित सीनियर स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप के दौरान हुए ट्रायल के आधार पर किया गया

मुख्य सचिव ने एनएच-44 और एसएच-1 एलिवेटेड कॉरिडोर का किया निरीक्षण

पैराडाइज़ से ओआरआर तक बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने रविवार को पैराडाइज़ जंक्शन पर प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। हैदराबाद मेट्रो रेल के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उन्होंने प्रस्तावित कॉरिडोर के अलाइनमेंट, कनेक्टिविटी, भूमि अधिग्रहण और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं सहित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को एनएच-44 पर पैराडाइज़ जंक्शन से डेयरी फार्म रोड तक तथा एसएच-1/राजीव हाईवे पर पैराडाइज़ से आउटर रिंग रोड जंक्शन तक प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर की योजनाओं की जानकारी दी। यह मार्ग बोलारम, गनरॉक एन्क्लेव और शमीरपेट से होकर गुजरेगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से पैराडाइज़, सिकंदराबाद, बोलारम, गनरॉक एन्क्लेव और शमीरपेट के बीच परिवहन संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे उत्तर हैदराबाद से आउटर रिंग रोड तक तेज और सुगम कनेक्टिविटी उपलब्ध होने के साथ ही प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव और जाम कम करने में मदद मिलेगी। मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए व्यापक कॉरिडोर विकास की योजना तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से सिकंदराबाद-बोलारम-शमीरपेट मार्ग पर लगातार बढ़ रहे वाहनों के यातायात को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जरूरतों के अनुरूप योजना बनाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड कॉरिडोर का प्रमुख उद्देश्य पैराडाइज़, बोलारम, गनरॉक एन्क्लेव और शमीरपेट जैसे क्षेत्रों में बढ़ते यातायात जाम को कम करना, यात्रा के समय में कमी लाना और वाहन चालकों को सुगम एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराना है। मुख्य सचिव ने परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान में तेजी लाने के निर्देश दिए। इनमें भूमि अधिग्रहण, उपयोगिता सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करना शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को भविष्य में बढ़ने वाली यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समग्र योजना के साथ परियोजना को आगे बढ़ाने की सलाह दी। संजय जाजू ने एलिवेटेड कॉरिडोर, मेट्रो रेल नेटवर्क, प्रमुख सड़कों और आउटर रिंग रोड के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए समन्वित परिवहन उपाय करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न परिवहन अवसंरचनाओं के बीच बेहतर तालमेल से यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा और भविष्य की परिवहन जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। समीक्षा बैठक में हैदराबाद मेट्रो रेल के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद (आईएएस) के अलावा मेट्रो रेल, हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण, सड़क एवं भवन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रोहा बैंक का अग्रसेन बैंक के विलय का प्रस्ताव पारित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। द अग्रसेन को ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की विशेष साधारण सभा रेड हिल्स स्थित केएलएन सभागार में आयोजित की गई जिसमें अग्रोहा बैंक का अग्रसेन बैंक में विलय के प्रस्ताव को प्रस्तुत कर सर्वसम्मति से पारित करवाया गया।

द अग्रसेन को ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 28 वीं वार्षिक साधारण सभा में अंशधारकों को 15 प्रतिशत लाभांश देने का प्रस्ताव रखा गया। अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने अग्रसेन बैंक के वित्तीय वर्ष 2025-26 की 28 वीं वार्षिक सभा में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अपनी 28 साल की यात्रा पर नज़र डालते हुए, हमें साथ मिलकर हासिल किए गए अहम पड़ावों और कामयाबियों पर बहुत गर्व है। इन सालों में, बैंक ने कई अहम क्षेत्रों में लगातार तरक्की की है, जिसमें बैंक की शाखा के नेटवर्क को तेज़ी से विस्तार, व्यापार को बढाने, नेट वर्ष, डिजिटल बैंकिंग पहल, साइबर सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के तरीकों को मजबूत किया है। ये कामयाबियां हमारे खास स्टेकहोल्डर्स के अटूट भरोसे, विश्वास और मज़बूत समर्थन का सबूत हैं। बैंक और इसके मैनेजमेंट में आपके लगातार भरोसे और विश्वास ने हमारी तरक्की को आकार देने और बेहतरीन काम करने की कोशिश के दौरान चुनौतियों का सामना करने में हमारी मदद की है।

केडिया ने कहा कि आज ग्लोबल इकोनॉमी बहुत ज्यादा अनिश्चितता, जियो-पॉलिटिकल तनाव, व्यापार में रुकावट, लगातार बढ़ती महंगाई, कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बदलती मॉनेटरी पॉलिसी के दौर से गुज़र रही है, जिनका ग्लोबल ग्रोथ की संभावनाओं पर असर पड़ रहा है। कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ धीमी हो रही है दुनिया भर में अनिश्चितता के माहौल के बावजूद, भारत स्थिरता और विकास की एक मिसाल बनकर उभर रहा है।

जीडीपी में अच्छी ग्रोथ, मजबूत घरेलू मांग, लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, बढ़ता डिजिटल इकोसिस्टम और फाइनेंशियल इन्क्लूजन, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का विस्तार, मजबूत बैंकिंग / फाइनेंशियल सेक्टर और बेहतर मैक्रो इकोनॉमिक मैनेजमेंट की वजह से भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बनाए हुए है।

उन्होंने बैंक के 31 मार्च 2025 तक के आंकडों की 31 मार्च 2026 तक के आंकडों की तुलना करते हुए कहा कि बैंक ने 31 मार्च 2025 को बैंक का कुल बिजनेस 1012.56 करोड़ रुपये था, जो 31 मार्च 2026 को बढ़कर 1350.62 करोड़ रुपये तक पहुंचाते हुए 33.39 प्रतिशत की वृद्धि की। कुल जमा राशि 603.29 करोड़ से बढ़कर 794.61 करोड़ रुपये तक पहुंचाते हुए 31.71 प्रतिशत की वृद्धि की। बैंक के लोन और एडवांस 409.27 करोड़ रुपये से बढ़कर 556.01 करोड़ रुपये तक पहुंचाते हुए 35.85 प्रतिशत की वृद्धि की। बैंक का रिजर्व और सरप्लस 64.48 करोड़ रुपये से बढ़कर 70.53 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया। बैंक की शेयर कैपिटल 24.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 25.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक का टैक्स से पहले का लाभ (पीबीटी) 11.91 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 12.28 करोड़ रुपये हो गया। बैंक का ग्रॉस एनपीए 6.52 प्रतिशत से घटकर 4.76 प्रतिशत तक हो गया। बैंक का नेट एनपीए 0.94 प्रतिशत से घटकर 0.64 प्रतिशत हो गया है। बैंक का सीआरएआर (कैपिटल टू रिस्क वेटेड एसेट्स रेश्यो) 15.98 प्रतिशत है जबकि यह 19.88 प्रतिशत था), जबकि आरबीआई का मानक 12 प्रतिशत है।

अग्रोहा बैंक के विलय का प्रस्ताव प्रक्रिया में है और जल्द ही पूरा हो जाएगा। विलय के बाद, मार्च 2027 के अंत तक अग्रसेन बैंक का बिजनेस 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है। अंत में उन्होंने बोर्ड और बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की ओर से शेयरधारकों, ग्राहकों, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के अधिकारियों - खासकर चिन्मय कुमर (रीजनल डायरेक्टर) और प्रभुति सामल (डीजीएम डीओएस), कोऑपरेशन विभाग और कोऑपरेटिव सोसायटियों के रजिस्ट्रार - खासकर राहुल राज (आईएएस स्पेशल कमिश्नर फॉर कोऑपरेशन और रजिस्ट्रार ऑफ़ कोऑपरेटिव सोसायटियों, हैदराबाद, तेलंगाना सरकार), नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, तेलंगाना स्टेट कोऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन, एनएएफसीयूबी, एनयूसीएफडीसी, ऑडिटर्स, कानूनी सलाहकारों, वैल्यूअर्स, स्विच प्रोवाइडर्स, प्रेस और मीडिया और अन्य सभी का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। इनके बिना, बैंक की बेहतरीन बनने की कड़ी मेहनत से वे नतीजे नहीं मिल पाते जो बैंक ने हासिल किए हैं। उन्होंने बैंक के सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीनकुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेशकुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के चेयरमैन नारायण दत्त और बोर्ड के सभी समर्पित डायरेक्टर्स, बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट, सीईओ सी.वी. राव और डीजीएम आनंद अग्रवाल के अन्य सदस्यों और विभिन्न कमेटियों के सदस्यों का भी आभार व्यक किया।

अवसर पर चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने सहकारी विभाग के सहायक रजिस्ट्रार मुजामिल, एडवोकेट म्यूच्युली एडेडे सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील गानू, अग्रोहा बैंक के चेयरमैन महेश कुमार केडिया का सम्मान किया। अवसर पर सभी का आभार सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने व्यक्त किया।

अवसर पर चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीनकुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेशकुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के चेयरमैन नारायण दत्त, निदेशक गोपालचंद अग्रवाल, नरसिंगदास, राजेश कुमार अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, अंजू केडिया, सीईओ सी.वी.राव, डीजीएम आनंद अग्रवाल सहित अंशधारक उपस्थित थे।

नदियों के जल में अपने उचित हिस्से के लिए संघर्ष करेगा तेलंगाना : उत्तम

मंत्री ने लिफ्ट सिंचाई योजना का निरीक्षण किया

सूर्यापेट, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को जोर देकर कहा कि राज्य सरकार कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल में तेलंगाना के उचित हिस्से को सुरक्षित करने के लिए एक दृढ़ और प्रभावी लड़ाई लड़ेगी। सूर्यापेट जिले में आर-9 लिफ्ट सिंचाई योजना के निरीक्षण के दौरान बोलते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार नदी जल न्यायाधिकरणों और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) सहित हर सक्षम मंच के समक्ष तेलंगाना के किसानों के हितों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, मैं जनता और किसानों को स्पष्ट रूप से बताना चाहता हूं कि कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल आवंटन में तेलंगाना को न्याय दिलाने के लिए हम पूरी ताकत से लड़ेंगे। चाहे न्यायाधिकरण हो, केआरएमबी हो या कोई अन्य मंच, नदियों के जल में तेलंगाना के उचित हिस्से को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। मंत्री ने सिंचाई और जल प्रबंधन को लेकर कांग्रेस सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को "झूठा और मनगढ़ंत प्रचार" बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि पिछली सरकार के दौरान सिंचाई और बिजली प्रबंधन अधिक कुशल था, जबकि तथ्य इससे बिल्कुल अलग हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार कृषि के लिए सिंचाई प्रणालियों और बिजली की आवश्यकताओं का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर रही है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पानी की हर उपलब्ध बूंद का उत्पादक उपयोग किया जाए।

अस्पताल में लैब टेक्नीशियन ने की आत्महत्या

सिद्दिपेट, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट सरकारी अस्पताल के अंदर एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने से हड़कंप मच गया; रविवार को वह अस्पताल की तीसरी मंजिल पर छत से लटका हुआ पाया गया। मेडिकल लैब टेक्नीशियन पवन कुमार (31) ने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली। कुमार पिछले सात वर्षों से अस्पताल में आउटसोर्सिंग के आधार पर काम कर रहे थे।

खड़ी ट्रक से कार टकराई, दो लोगों की मौत

जोगुलम्बा गडवाल, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को ज़िले में नेशनल हाईवे 44 पर 10वीं बटालियन के सामने एचपी फ्यूल स्टेशन के पास, जिस कार में दो लोग यात्रा कर रहे थे, वह एक खड़ी गाड़ी से टकरा गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैदराबाद से जोगुलम्बा गडवाल की ओर जा रही एक कार ट्रक से टकरा गई। कार में सवार मौनिका और साई कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर मुकेश गाड़ी चला रहा था।

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गडवाल सरकारी अस्पताल भेजा गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस दुर्घटना के सही कारण की जांच कर रही है कि यह तेज़ रफ़्तार, ड्राइवर की लापरवाही या अन्य कारणों से हुई।

कार की टक्कर से मौत

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को नरसिंगी के पास आउटर रिंग रोड पर एक कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान तुरंत नहीं हो पाई।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा ओआरआर की दूसरी लेन पर हुआ, जब एक कार ने एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी। पीड़ित को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कार में चार लोग सवार थे, जो हादसे में सुरक्षित बच गए। सूचना मिलने के तुरंत बाद, पेट्रोलिंग स्टाफ मौके पर पहुंचा। एम्बुलेंस और इमरजेंसी टीम भी दुर्घटना स्थल पर पहुंची और शव को मुर्दाघर पहुंचाया। मृतक की पहचान करने की कोशिशें जारी हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

नेरड़मेट जे.जे.नगर स्थित श्री केसरिया कंवरजी मंदिर के 12 वें प्राण-प्रतिष्ठा पर आयोजित पूजा-अर्चना व जागरण कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए अमराराम, सोनाराम, पारसमल सेन एंड पार्टी। उपस्थित पुजारी पारसमल प्रजापत, समाज के गणमान्य मोहनलाल हाम्बड़, रमेश पंवार, मोतीलाल काग, हुक्माराम सनपुरा, हापुराम सीरवी, छञ्जाराम, परबत सोलंकी, प्रकाश सोयल, सोहन नाथ, गिरधारीलाल प्रजापत व भक्तगण।

डॉ. अंबेडकर के विचारों को व्यापक लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता : मंत्री विवेक

अंबेडकर के आदर्शों के व्यापक प्रसार का आह्वान

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखने के लिए रविवार को एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसकी स्थापना लोगों के बीच सामाजिक समानता, शिक्षा, न्याय, कला और संस्कृति के डॉ. अंबेडकर के आदर्शों का प्रचार करने के लिए की जा रही है। इस कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद स्थित अभ्युदय आर्ट्स अकादमी द्वारा रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के तारामतीपेट स्थित साइबर मीडोज वेंचर में किया गया था। खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी, भुवनगिरी सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी और विधायक मलरेड्डी रंगारेड्डी ने कार्यक्रम में भाग लिया और सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राष्ट्र के प्रति डॉ. अंबेडकर का योगदान और सामाजिक समानता, शिक्षा, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की उनकी वकालत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सांस्कृतिक केंद्र जैसे संस्थानों को कला और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के विचारों और आदर्शों को व्यापक लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। आयोजकों के अनुसार, यह केंद्र कलाकारों, साहित्यकारों, छात्रों और युवाओं के लिए एक मंच प्रदान करेगा और डॉ. अंबेडकर के दर्शन को बढ़ावा देने और जनता के बीच सामाजिक चेतना को विकसित करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। कलाकारों, जन प्रतिनिधियों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों और अभ्युदय कला अकादमी के प्रतिनिधियों ने शिलान्यास समारोह में भाग लिया।

धम्माईगुडा स्थित श्री वैष्णवधाम राम मंदिर सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, छप्पन भोग,भजनों, मध्यरात्रि झुला-झुलाना, महाआरती कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, सम्पतदास, प्रकाश दिवाकर, बाबूलाल, संतोष कुमार टीलावत, ओमप्रकाश, राजूदास, सीताराम, लक्ष्मणदास, पारसदास व समाज बन्धु।

आईएआरआई हैदराबाद हब ने 5 सितंबर को टीचर्स डे मनाया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएआरआई हैदराबाद हब ने 5 सितंबर को नोडल इंस्टीट्यूट में टीचर्स डे मनाया। फंक्शन के चीफ गेस्ट पद्मश्री डॉ. अरविंद कुमार थे, जो आईसीएआर के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एजुकेशन) और रानी लक्ष्मी बाई सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, झांसी के पूर्व और फाउंडर वाइस चांसलर थे। हैदराबाद में मौजूद आईसीएआर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर, नोडल ऑफिसर, डिसिप्लिन कोऑर्डिनेटर, आईएआरआई हैदराबाद हब के फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने सेलिब्रेशन में हिस्सा लिया। प्रोग्राम की शुरुआत वंदे मातरम, सरस्वती वंदना और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि के साथ हुई। सीनियर साइंटिस्ट डॉ. प्रिया गुरव ने काम को ऑर्गनाइज़ किया।आईएआरआई हैदराबाद हब के एकेडमिक कोऑर्डिनेटर डॉ. के. श्रीनिवास ने मेहमानों, फैकल्टी और स्टूडेंट्स का स्वागत किया।

आईसीएआर-क्रीडी के डायरेक्टर, डॉ. वीके सिंह ने भी पार्टिसिपेंट्स का स्वागत किया और हब के एकेडमिक प्रोग्राम में फैकल्टी के योगदान को सराहा। स्टूडेंट्स के रिप्रेजेंटेटिव ने उनके एकेडमिक और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में टीचर्स के योगदान के बारे में अपने विचार शेयर किए।

डायरेक्टर, डॉ. वीके सिंह ने आईएआरआई ओवरव्यू दिया, जिसमें स्टूडेंट्स की एकेडमिक और दूसरी एक्टिविटीज़ और अचीवमेंट्स के बारे में बताया गया।

इस मौके पर, चीफ गेस्ट ने आईएआरआई हैदराबाद हब के रिटायर्ड फैकल्टी मेंबर्स को हब के एकेडमिक प्रोग्राम में उनके कीमती योगदान के लिए सम्मानित किया।

डॉ. अरविंद कुमार ने टीचर्स डे पर तेज़ी से बदलती दुनिया में टीचिंग प्रोफेशन को बचाने और बदलने पर लेक्चर दिया। उन्होंने आम तौर पर शिक्षा और खास तौर पर एग्रीकल्चरल शिक्षा के विकास और समय-समय पर एजुकेशन सिस्टम में हुए सुधारों के बारे में बताया। उन्होंने बदलती दुनिया में एजुकेशन सिस्टम के लिए चुनौतियों के बारे में बताया और डिजिटल ज़माने में भी अच्छे टीचरों की भूमिका पर ज़ोर दिया, ताकि वे ऐसे अच्छे स्टूडेंट तैयार कर सकें जो समाज और देश बनाने में योगदान दे सकें। उन्होंने एक टीचर, वार्डन और एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर स्टूडेंट्स के साथ अपने अनुभव शेयर किए।

काव्य संग्रह का विमोचन

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रमथ पटनायक ने आज भुवनेश्वर में आयोजित ओडिशा लिटरेरी फेस्टिवल के दौरान काव्य संग्रह पोयम एक्रास टाइम -ओनली फैमली, थ्री वाइसझ का औपचारिक विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुस्तक की पहली प्रति न्यू इंडियन एक्सप्रेस के संपादकीय निदेशक प्रभु चावला को भेंट की।

यह गरिमामय विमोचन कार्यक्रम सह-लेखक अंशुमान आचार्य तथा कार्यक्रम का संचालन (मॉडरेशन) कर रहीं प्रसिद्ध लेखिका लिपिका भूषण की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

पुस्तक के बारे में इस काव्य संग्रह का सम्पादन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं जाने-माने व्यंग्यचित्रकार (कार्टूनिस्ट) बी.पी. आचार्य द्वारा किया गया है। पुस्तक में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों की काव्य रचनाओं को संकलित किया गया है। स्वर्गीय डॉ. डी.पी. आचार्य की कालजयी रचनाएँ, बी.पी. आचार्य (सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी तेलंगाना एवं कार्टूनिस्ट, ङ अंशुमान आचार्य (पुत्र) का जिक्र है। यह संग्रह एक ही परिवार के तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों और समय-खंडों की साहित्यिक अभिव्यक्ति का एक अनूठा और सुंदर संगम प्रस्तुत करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

दिल्ली में 50 साल...

साल 2022 से 2025 तक यानी 3 साल में दिल्ली में बिल्डिंग गिरने के 1133 मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है।

एम्स ट्रॉमा सेंटर में 7 घायल भर्ती

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद 7 लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर और 1 को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। एम्स ट्रॉमा सेंटर के मुताबिक, वहां लाए गए लोगों में से 2 को मृत घोषित कर दिया गया।

राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल ने सरकार पर सवाल उठाए

राहुल गांधी: दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। कॉलेज या विश्वविद्यालय में अच्छे हॉस्टल न होने के कारण छात्र पीजी में एक छत के नीचे 40-40 की संख्या में, अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं।

अरविंद केजरीवाल: मेरी भगवान से प्रार्थना है कि मलबे में फंसे लोगों का सकुशल और जल्द रेस्क्यू हो जाए। दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं। सरकार को नींद से जागना होगा।

10 साल में अवैध निर्माण के 76 हजार से ज्यादा मामले

दिल्ली में 2015 से 17 मार्च 2025 के बीच एमसीडी के 12 जोन में 76,465 अवैध निर्माण के मामले दर्ज हुए। इनमें सिर्फ 35,842 मामलों में कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान 11,903 संपत्तियां सील की गईं, लेकिन सिर्फ 683 को दोबारा खोला गया। सील तोड़ने पर एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान है।

यह जानकारी दिल्ली विधानसभा में आप विधायक जरनैल सिंह के सवाल के जवाब में दी गई। हालांकि, एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि हर शिकायत सही नहीं होती। मलबे के अंदर से एक स्टूडेंट के रेस्क्यू का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रेस्क्यू टीम मलबा हटाकर उसे अंदर से निकाल रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सात्विक-चिराग ने रचा इतिहास: पहली बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीता, फाइनल में चीन की जोड़ी को हराया

शेनझेन एरिना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने आखिरकार चाइना मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर लिया। सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के घरेलू पसंदीदा हे जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को तीन गेम तक चले मुकाबले में शिकस्त दी। सात्विक और चिराग ने मुकाबला 11-21, 21-13, 21-17 से अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय जोड़ी ने इस टूर्नामेंट में पिछले दो फाइनल की निराशा को भी पीछे छोड़ दिया। चाइना मास्टर्स सात्विक-चिराग के लिए लंबे समय से चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट रहा था। भारतीय जोड़ी 2023 और 2025 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन दोनों ही मौकों पर उसे उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। इस बार भी फाइनल में उनके सामने चीन की घरेलू जोड़ी थी, लेकिन सात्विक और चिराग ने दबाव में शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। चीन की धरती पर यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए खास उपलब्धि है।

फाइनल में हे जी तिंग और रेन शियांग यू ने आक्रामक शुरुआत की। चीनी जोड़ी ने सात्विक-चिराग को पहले गेम में ज्यादा मौके नहीं दिए और 21-11 से गेम अपने नाम कर लिया। पहले गेम में पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में अपने खेल का स्तर बढ़ाया। सात्विक और चिराग ने बेहतर तालमेल और सूझबूझ के साथ खेलते हुए चीनी जोड़ी पर दबाव बनाया। इसका फायदा उन्हें मिला और उन्होंने दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

तीसरे गेम में मुकाबला काफी करीबी रहा, लेकिन निर्णायक मौकों पर भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। सात्विक-चिराग ने दबाव को बेहतर तरीके से संभाला और 21-17 से तीसरा गेम जीत लिया। तीसरा गेम अपने नाम करते ही भारतीय जोड़ी ने चाइना मास्टर्स के खिताब पर भी कब्जा जमा लिया। इस तरह 2023 और 2025 के फाइनल में मिली हार के बाद सात्विक-चिराग ने आखिरकार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

चाइना मास्टर्स की जीत सात्विक और चिराग के लिए इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने सिंगापुर ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। चाइना मास्टर्स का यह खिताब ऐसे समय आया है, जब आगामी एशियाई खेलों की चुनौती सामने है। ऐसे में चीन की धरती पर सुपर 750 खिताब जीतना सात्विक-चिराग के आत्मविश्वास के लिए बेहद अहम माना जा सकता है।

महिला एकल में वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग ने टोमोका मियाजाकी को 21-17, 21-6 से मात देकर लगातार तीसरे साल चाइना मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। यह इस सीजन उनका सातवां व्यक्तिगत खिताब भी है। इसी के साथ साउथ कोरिया की एन से यंग 'चाइना मास्टर्स' में खिताबी हैट्रिक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं हैं। उन्होंने जापान की मियाजाकी के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड 8-0 तक पहुंचा दिया।

हैट्रिक से चूककर भी सुनील नरेन ने तोड़ा रिकॉर्ड

सीपीएल में की बेस्ट गेंदबाजी, 4 विकेट लेकर टीम को जिताया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 6 सितंबर (एजेंसियां)। सुनील नरेन ने सीपीएल में अपनी बेस्ट गेंदबाजी की नुमाइश की है. ऐसा करते हुए उन्होंने अपनी टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को दमदार जीत दिलाई. सीपीएल 2026 के 27वें मैच में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स का मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स से था. ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने इस मैच को 35 रन से जीता, जिसमें सुनील नरेन की गेंदबाजी का रोल अहम रहा. मैच के दौरान नरेन की गेंदबाजी में अगर कुछ कसक बाकी रह गई तो वो उनकी हैट्रिक पूरी ना हो पाने की रही. मगर हैट्रिक से चूककर भी नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया.

बारबाडोस ट्राइडेंटस को मैच जीतने के लिए 148 रन का लक्ष्य मिला था. अब जिस टीम में डिकॉक, कैमरन ग्रीन, ब्रैंडन किंग, शरफेन रदरफोर्ड जैसे बल्लेबाज हों, उसके लिए 20 ओवर में 148 का लक्ष्य ज्यादा बड़ा था नहीं. लेकिन, सुनील नरेन ने अपने बरपाए कहर से उन्हें उस आसान से दिखने वाले लक्ष्य को बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए ना सिर्फ मुश्किल बनाया, बल्कि उसे हार के मुंह में भी धकेला.

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने रन चेज कर रही बारबाडोस ट्राइडेंटस के 4 विकेट पावरप्ले में ही गिरा दिए. इसमें से 3 विकेट अकेले सुनील नरेन ने लिए. इसी दौरान नरेन अपनी हैट्रिक से भी चूक गए. उन्होंने अपने दूसरे और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के तीसरे ओवर की आखिरी 2 गेंदों पर 2 विकेट बैक टू बैक लिए. नरेन ने पहले ब्रैडन किंग को आउट किया फिर क्विंटन डि कॉक को. इसके बाद जब वो अपना अगला और बारबाडोस की इनिंग का 5वां ओवर डालने आए तो वो हैट्रिक पर थे. अगर वो पहली गेंद पर विकेट लेते तो उनकी हैट्रिक हो जाती. लेकिन, वो चूक गए. हालांकि, नरेन ने ओवर की चौथी गेंद पर रिवाल्डो क्लार्क को आउट कर अपना तीसरा शिकार जरूर किया.

पावरप्ले में 4 विकेट गंवाने वाले बारबाडोस ट्राइडेंट्स के आगे भी रेग्यूलर इंटरवल पर विकेट गिरते रहे, जिससे उनके लिए रन चेज और मुश्किल होता चला गया. बारबाडोस ट्राइडेंट्स की पारी का आखिरी विकेट भी सुनील नरेन ने ही लिया. उन्होंने जकीम पोलार्ड को आउट कर मैच में अपना चौथा विकेट लिया.

सुनील नरेन ने मैच में 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट झटके, जो कि उनके सीपीएल करियर की बेस्ट गेंदबाजी रही. इस प्रदर्शन के साथ नरेन ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए. उन्होंने इस मामले में ड्वेन ब्रावो के 111 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ा.

नरेन के अब 113 विकेट हैं. नरेन की इस गेंदबाजी का असर ऐसा रहा कि बारबाडोस ट्राइडेंट्स 148 रन के आगे 112 रन पर ही सिमटकर रह गई. इससे पहले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने अपने कप्तान निकोलस पूरन की 59 रन की विस्फोटक पारी के दम पर 20 ओवर में 7 विकेट पर 147 रन बनाए थे. पूरन की पारी में 7 छक्के शामिल रहे थे. पूरन के अलावा कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका.

रियल मैड्रिड का स्टार खिलाड़ी फेडेरिको वाल्वेरडे आएगा भारत

फ्रेंडली मैच के लिए उरुग्वे की टीम में है शामिल

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उरुग्वे ने अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। उरुग्वे ने अपनी टीम में रियल मैड्रिड क्लब के स्टार फेडेरिको वाल्वेरडे को शामिल किया है। हेड कोच डिएगो फोरलान की अगुवाई वाली दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे टीम में कई अन्य अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी रखा गया है। भारत और उरुग्वे के बीच मैत्री मैच 6 अक्तूबर को यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील समेत कई टीमों से अगले महीने भारत मैत्री मैच खेलेगा। उरुग्वे कटीम में रोड्रिगो बेंटानकुर, लुकास टोरेरा, जियोर्जियन डी अरास्केटा, फाकुंदो पेलिस्ट्री, मैक्सिमिलियानो अराउजो और ब्रायन रोड्रिगेज भी हैं। रक्षण रोनाल्ड अराउजो, जोस मारिया जिमेनेज, नाहितन नंडेज, गुइलेर्मो वारेला, मैथियास ओलिवेरा के हवाले है।

भारत के खिलाफ होने वाला यह मुकाबला फीफा विश्वकप के पूर्व स्टार खिलाड़ी फोरलान के उरुग्वे के कोच के तौर पर पहला मैच होगा। फोरलान 2010 फीफा विश्वकप के गोल्डन बॉल विजेता होने के साथ ही 2011 कोपा अमेरिका चैंपियन भी हैं। उन्होंने उरुग्वे के लिए 112 मैचों में 36 गोल किए थे। कई बड़े क्लबों से जुड़े रहे फोरलान भारत में भी इंडियनन सुपर लीग में मुंबई सिटी एफसी के कोच रहे हैं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम भी अक्तूबर में रूस की महिला टीम की मेजबानी कर सकती है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के एक सूत्र के मुताबिक, मैच के लिए फीफा और यूएफा की मंजूरी का इंतजार है। एआईएफएफ ने इंडियन सुपर लीग 2026-27 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह 10 अक्तूबर से मई, 2027 तक चलेगा। इस दौरान 163 मैचों में पारंपरिक होम एंड अवे फॉर्मेट के तहत मुकाबला होगा।

यूएस ओपन के तीसरे राउंड में कीज-अनामिसिमोवा बाहर

चीन की झेंग ने 0-5 से पिछड़ने के बाद जीता मैच; भारतीय खिलाड़ी श्रीराम बालाजी डबल्स के दूसरे राउंड में पहुंचे

न्यूयॉर्क, 6 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में चल रहे यूएस ओपन 2026 के सातवें दिन अमेरिका के वर्ल्ड नंबर-9 टेलर फ्रिट्ज मेन्स सिंगल्स जबकि वर्ल्ड नंबर-7 मैडिसन कीज और वर्ल्ड नंबर-3 अमांडा अनामिसिमोवा विमेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गई।

फ्रिट्ज को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने दो सेट की बढ़त के बाद 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। टेलर फ्रिट्ज ने पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ शुरुआती दोनों सेट जीत लिए थे। लेकिन अर्जेंटीनी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन सेट जीत लिए।

सेरुंडोलो ने मुकाबला 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से अपने नाम किया। फ्रिट्ज 2024 यूएस ओपन के रनर-अप रहे थे। इस हार के साथ उनका इस साल टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया।

पुरुष सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली भी बाहर हो गए। बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने उन्हें चार सेट में हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई। करेन खाचानोव और लुसियानो डारदेरी भी अगले दौर में पहुंचे।

महिला सिंगल्स में चीन की झेंग क्वेनवेन ने दिन की सबसे बड़ी वापसी की। मैडिसन कीज ने निर्णायक सेट में 5-0 की बढ़त बना ली थी और 5-1 पर उनके पास मैच पॉइंट भी था। झेंग ने यह मौका बचाया और इसके बाद लगातार सात गेम जीतकर मुकाबला 1-6, 7-6, 7-5 से अपने नाम कर लिया। झेंग दाएं कोहनी की सर्जरी के बाद वापसी कर रही हैं। उनकी रैंकिंग गिरकर 121 तक पहुंच गई थी और उन्हें यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए क्वालिफाइंग खेलना पड़ा। अब उनका सामना चौथे राउंड में इगा स्वियातेक से होगा।

अमांडा अनामिसिमोवा को वर्ल्ड नंबर-25 अनास्तासिया पोटापोवा ने 6-2, 7-5 से हराया।अनामिसिमोवा पिछले साल यूएस ओपन की रनर-अप थीं।

पोटापोवा पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचीं। अब उनका सामना मिर्रा आंद्रीवा से होगा।

कोको गॉफ ने महिला सिंगल्स में क्रिस्टीना बुचा को 6-3, 6-4 से हराया। इसके साथ वह लगातार पांचवें साल यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंच गईं।

2023 की चैंपियन गॉफ अब टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अमेरिकी उम्मीदों की प्रमुख खिलाड़ी हैं। इगा स्वियातेक ने मैरी बुजकोवा को दोनों सेट के टाई-ब्रेक में 7-6, 7-6 से हराया। अब वह चौथे राउंड में झेंग क्वेनवेन से भिड़ेंगी।

वहीं, नाओमी ओसाका ने महिला सिंगल्स में एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। मिर्रा आंद्रीवा ने निकोला बार्तुनकोवा को हराया।

भारत के एन श्रीराम बालाजी ने मेन्स डबल्स में अमेरिका के इवान किंग के साथ दूसरे राउंड में जगह बनाई। पहली बार साथ खेल रही इस जोड़ी ने नीदरलैंड के सैंडर एरेंड्स और डेविड पेल को 3-6, 7-6, 7-6 से हराया।

बालाजी-किंग ने मुकाबले में 6 मैच पॉइंट बचाए। करीब 2 घंटे 56 मिनट चले मुकाबले में उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद दोनों टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम किया।

इस जीत के बाद बालाजी की लाइव डबल्स रैंकिंग 54वें से 46वें स्थान पर पहुंच गए। अब उनका सामना 12वीं सीड एडुआर्ड रॉजर-वेसेलिन और ह्यूगो नाइस की जोड़ी से होगा।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईशान किशन का शतक

कुशाग्र की फिफ्टी, सूर्यवंशी 44 रन बनाकर आउट; पहले दिन ईस्ट जोन 375/4

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ शतक लगा दिया है। जबकि कुमार कुशाग्र ने फिफ्टी बना ली है।

चेन्नई में रविवार को मैच का पहला दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है। ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 77 ओवर में 4 विकेट पर 375 रन बना लिए हैं।

उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी 37 गेंद पर 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। उनके ओपनिंग पार्टनर अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन की पारी खेली।

शमी का 100वां फर्स्ट-क्लास मैच

मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां फर्स्ट-क्लास मैच पूरा कर लिया। इस खास मौके पर उन्हें बधाई दी गई। शमी दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन की टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले शमी को सम्मान में 100 नंबर की स्पेशल जर्सी दी गई। साथ ही उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की साइन की गई बॉल भी दी गई।

वैभव ने सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रन बनाए थे

वैभव ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने यह मुकाबला चार विकेट से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच के दौरान वैभव ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ईस्ट जोनः अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (विकेटकीपर/कप्तान), एमडी कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत के सरकार, मुकेश कुमार।

साउथ जोनः रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद, एमडी निधिश।

रुमेश पाथिरागे ने जीता डायमंड लीग फाइनल

89.04 मीटर थ्रो किया, श्रीलंका के पहले चैंपियन बने

कोलंबो, 6 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थारंगा पाथिरागे ने ब्रसेल्स के किंग बॉडॉइन स्टेडियम में डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 89.04 मीटर का थ्रो किया और लीग में पहला स्थान हासिल किया। इसके साथ ही रुमेश डायमंड लीग फाइनल जीतने वाले श्रीलंका के पहले एथलीट बन गए। खराब और ठंडे मौसम के बावजूद उन्होंने यह प्रदर्शन किया।

रुमेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने पहले प्रयास में 80.42 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.73 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद ट्रिनिडाड एंड टोबैगो के पूर्व ओलिंपिक चैंपियन केशॉर्न वालकोट ने 83.99 मीटर के थ्रो के साथ बढ़त बना ली।

पोलैंड के डेविड वेगनर ने तीसरे राउंड में 87.47 मीटर का थ्रो करके बढ़त अपने नाम कर ली। इसके तुरंत बाद रुमेश ने तीसरे प्रयास में 89.04 मीटर का थ्रो किया और वेगनर को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर पहुंच गए। रुमेश ने तीसरे थ्रो के बाद भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने चौथे प्रयास में 85.96 मीटर और पांचवें में 85.76 मीटर का थ्रो किया। उनका छठा और आखिरी प्रयास फाउल रहा।

डेविड वेगनर 87.47 मीटर के साथ दूसरे और केशॉर्न वालकोट 83.99 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

खिताब जीतने के बाद रुमेश ने कहा कि श्रीलंका जैसे छोटे देश से आकर इतने बड़े मीट में जीत हासिल करना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मौसम काफी कठिन और ठंडा था, इसलिए वह इससे बड़ा थ्रो नहीं कर सके।

रुमेश ने ब्रसेल्स में खिताब जीतने से पहले ज्यूरिख डायमंड लीग में 92.07 मीटर का थ्रो करके श्रीलंका का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस सीजन में वह लगातार शानदार फॉर्म में रहे हैं और कई बार 88 मीटर से अधिक के थ्रो कर चुके हैं।

पावर ग्रिड एसआर-1 ने अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीता

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न सार्वजनिक उपक्रम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावर ग्रिड) द्वारा आयोजित पावर ग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का सफल समापन हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित फायरफॉक्स स्पोर्ट्स एंड रिसॉर्ट्स में हुआ। 4 से 6 सितंबर 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी पावर ग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 (एसआर-1) ने की। प्रतियोगिता में देशभर से आए कर्मचारी-खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट खेल भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट का उद्घाटन श्री दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (एसआर-1) ने किया। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा श्री बी. श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव, तेलंगाना कबड्डी एसोसिएशन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। तेलंगाना कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में पावर ग्रिड के कॉर्पोरेट सेंटर एवं विभिन्न क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों से 12 टीमों के 144 कर्मचारी-खिलाड़ियों ने भाग लिया।

लीग चरण के रोमांचक मुकाबलों के बाद पूल-ए से एनआर-3 तथा कॉर्पोरेट सेंटर (सीसी) ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि पूल-बी से एसआर-1 एवं एसआर-2 ने अंतिम चार में अपनी जगह बनाई। नॉकआउट चरण में पहले सेमीफाइनल में एसआर-2 ने एनआर-3 को 39-31 के अंतर से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में एसआर-1 ने कॉर्पोरेट सेंटर को बेहद रोमांचक मुकाबले में 42-41 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

इमरान खान के लिए ब्रायन लारा की भावुक अपील

राजनीति नहीं, इंसानियत से जुड़ी मांग, कहा- सही मेडिकल इलाज मिले

खेल डेस्क, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के लिए भावुक अपील की है। उन्होंने इमरान खान को स्वतंत्र और सही मेडिकल इलाज देने की मांग की है। लारा ने इंस्टाग्राम पर लिखा- यह अपील राजनीति से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि इमरान खान को हर इंसान की तरह सम्मान और संवेदनशील व्यवहार मिलना चाहिए।'

इमरान खान 2023 से कई कानूनी मामलों के बीच जेल में हैं। उनकी सेहत और जेल में इलाज को लेकर दुनिया भर के कई पूर्व कप्तानों ने चिट्ठी लिखी थी। लारा ने लिखा- 'इमरान और मैं मैदान पर कुछ ही बार आमने-सामने आए, लेकिन उनके लिए मेरे मन में सम्मान उसी समय बन गया था और आज भी कायम है।'

उन्होंने आगे लिखा- 'मैं यह समझने में मुश्किल महसूस कर रहा हूं कि जो व्यक्ति अपने खेल के सबसे अच्छे दौर में देश के लिए उम्मीद, गर्व और प्रेरणा का प्रतीक था। वह आज ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गया, जहां उसकी सही देखभाल नहीं हो रही। उसे वह संवेदनशीलता और सम्मान नहीं मिल रहा, जिसका वह हकदार है।'

दुनियाभर के क्रिकेट कप्तानों ने इमरान के जेल में होने को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को दो लेटर भेजे हैं। पहला पत्र फरवरी में भेजा गया था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

दूसरी चिट्ठी 23 अगस्त को भेजी गई। इसमें भारत के कपिल देव, सुनील गावस्कर समेत 21 पूर्व कप्तानों ने साइन किया था। पत्र में इमरान को सही मेडिकल इलाज देने की मांग की गई थी।

इससे पहले 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इमरान को अस्पताल में एडमिट किया गया था, बाद में फिर उन्हें अदियाला जेल भेज दिया गया।

सुलेमान और कासिम खान ने जेल में अपने पिता की स्थिति को लेकर चिंता जताई। दोनों भाइयों ने कहा कि जेल में उनके पिता की जान को खतरा है।

कासिम ने इंटरव्यू में कहा, यह साफ नहीं है कि वे (सरकार) क्या कर रहे हैं। वे खुले तौर पर उन्हें मारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय तक अंदर रखना और चुप कराना चाहते हैं। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए।

बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं।

इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने विकास कार्यों को लेकर बीआरएस को दी बहस की चुनौती

लोकतंत्र में विपक्ष के नेता का एक महत्वपूर्ण स्थान : मो. अजहरुद्दीन

कांग्रेस ने विपक्ष के नेता केसीआर के इस्तीफे की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के इस्तीफे की मांग को लेकर एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि विपक्ष के नेता का पद संभाले रहने के बावजूद वे विधानसभा में उपस्थित नहीं हुए। हैदराबाद के इंदिरा पार्क के पास धरना चौक पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन और विवेक वेंकटस्वामी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव, सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केसीआर को विपक्ष के नेता के रूप में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि वह इस पद से जुड़ी जिम्मेदारियों को निभाने में विफल रहे हैं। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीधर बाबू ने केसीआर के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि वे विपक्ष के नेता के रूप में अपनी भूमिका निभाने में विफल रहे हैं। उन्होंने बीआरएस पर प्रजा पालन (जनता की सरकार) के खिलाफ "झूठा प्रचार" करने का भी आरोप लगाया। श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की थीं और उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस अगले 10 वर्षों तक सत्ता में वापस नहीं आएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान एक भी राशन कार्ड जारी नहीं किया गया था, जबकि वर्तमान सरकार सभी पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड जारी कर रही है। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने बीआरएस नेताओं को कांग्रेस सरकार के पहले 1,000 दिनों के प्रदर्शन की तुलना पिछली बीआरएस सरकार के 10 साल के शासनकाल से करने के लिए एक बहस की चुनौती दी। इस मौके पर अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव की विधानसभा से लंबे समय तक अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रतिबद्धता और जवाबदेही के साथ किया जाना चाहिए। हैदराबाद के इंदिरा पार्क स्थित धरना चौक पर एक विरोध कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजहरुद्दीन ने कहा कि विधानसभा से केसीआर की लगातार अनुपस्थिति उन लोगों के प्रति उनकी जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करती है जिन्होंने उन्हें चुना है। केसीआर लगभग 1,000 दिनों से विधानसभा से अनुपस्थित क्यों हैं? यदि वे सदन में उपस्थित होने और विपक्ष के नेता के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असमर्थ हैं, तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।, मंत्री ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष के नेता का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है और सरकार से सवाल करने, बहसों में भाग लेने और जनता से संबंधित मुद्दों को उठाने की जिम्मेदारी होती है। केसीआर के मुख्यमंत्री कार्यकाल को याद करते हुए अजहरुद्दीन ने कहा कि वे नियमित रूप से विधानसभा में उपस्थित रहते थे और यह सुनिश्चित करते थे कि सरकारी कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे। उन्होंने कहा, आज जब लोगों को अपने प्रतिनिधियों की जरूरत है जो उनकी बात रखें, तो विपक्ष को सदन में उपस्थित होना चाहिए।

बिजली का झटका लगने से किसान की मौत

मेडक, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को वेल्दुरथी मंडल मुख्यालय के बाहरी इलाके में धान के खेतों के बीच मेड़ पर खरपतवार काटते समय एक युवा किसान बिजली के चालू तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसे बिजली का झटका लगने से उनकी मौत हो गई।

बिजली कर्मचारी की करंट लगने से मौत

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मीरपेट के नंदी हिल्स में बिजली सप्लाई की खराबी ठीक करते समय बिजली विभाग के 40 साल के एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक, के. कृष्णकांत, लेनिननगर सब-स्टेशन के तहत काम करने वाले लाइनमैन थे। बिजली कटौती की शिकायत मिलने के बाद वह एक घर पर पहुंचे थे। बिजली मीटर की जांच करने के बाद, उन्होंने सप्लाई बहाल करने की कोशिश की।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, कृष्णकांत ने ट्रांसफॉर्मर बंद कर दिया और खराबी ठीक करने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ गए। हालांकि, लाइन में बिजली सप्लाई चालू रही। वह मुख्य बिजली के तार के संपर्क में आ गए और उन्हें ज़ोरदार झटका लगा, जिसके बाद वह खंभे से नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

श्रीधर बाबू ने सिलिकॉन फोटोनिक्स मिशन पर नीति आयोग के सदस्य से बातचीत की

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत ने रविवार को सचिवालय में सूचना एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू से मुलाकात की। बैठक के दौरान, उन्होंने तेलंगाना सिलिकॉन फोटोनिक्स मिशन और इसके कार्यान्वयन के लिए एक चरणबद्ध रणनीतिक रोडमैप पर चर्चा की। मंत्री ने फोटोनिक्स वैली कॉर्पोरेशन के लिए भविष्य की कार्ययोजना और तेलंगाना सिलिकॉन फोटोनिक्स मिशन को इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन-2.0 के साथ संरेखित करने के तरीकों पर भी चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि चर्चाओं का मुख्य केंद्र तेलंगाना में एक व्यापक सिलिकॉन फोटोनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना था, जिसमें अनुसंधान और विकास से लेकर वाणिज्यिक पैमाने पर विनिर्माण तक की पूरी मूल्य श्रृंखला शामिल हो। मंत्री और डॉ. सारस्वत ने तेलंगाना को उभरते फोटोनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में मजबूत स्थिति प्रदान करने के प्रयासों के तहत फोटोनिक्स पैकेजिंग और को-पैकेज्ड ऑप्टिक्स सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों पर भी चर्चा की।

सीएस ने मेट्रो रेल सेवाओं और यात्रियों के लिए सुविधाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने रविवार को हैदराबाद मेट्रो रेल में यात्रा की। इस दौरान उन्होंने मेट्रो सेवाओं, स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुविधाओं, रखरखाव और अन्य ऑपरेशनल पहलुओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने बेगमपेट मेट्रो स्टेशन से पैराडाइज़ मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो से यात्रा की। इस दौरे के दौरान हैदराबाद मेट्रो रेल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सरफराज अहमद और एडिशनल मैनेजिंग डायरेक्टर अजित रेड्डी भी मुख्य सचिव के साथ थे।

यात्रा के दौरान, मुख्य सचिव ने मेट्रो के कामकाज, यात्रियों की संख्या, स्टेशन की सुविधाओं, ट्रेन के रखरखाव और यात्रियों को दी जाने वाली सेवाओं का जायजा लिया।

उन्होंने यात्रियों के लिए बेहतर, आरामदायक और सुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों के साथ शहर की बढ़ती परिवहन ज़रूरतों को पूरा करने, बेहतर कनेक्टिविटी देने और यात्रियों के लिए सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए मेट्रो सिस्टम का ज़्यादा असरदार तरीके से इस्तेमाल करने के तरीकों पर भी चर्चा की। शहर के निवासियों को तेज़, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल पब्लिक ट्रांसपोर्ट देने में हैदराबाद मेट्रो रेल की अहम भूमिका को देखते हुए, मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार करने का निर्देश दिया।

इस दौरे का मुख्य मकसद मेट्रो रेल सेवाओं का सीधे निरीक्षण करने के साथ-साथ, एक आम यात्री की तरह यात्रा करके यात्रियों के अनुभव को समझना और उनकी ज़रूरतों व समस्याओं की जानकारी लेना था।

5.35 लाख रुपये की सिगरेट चोरी के आरोप में पांच चोर गिरफ्तार

आदिलाबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक दुकान से 5.35 लाख रुपये कीमत के सिगरेट के डिब्बे चुराने के आरोप में पांच अंतर-राज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इन पांचों से सिगरेट के कई पैकेट, 60,000 रुपये नकद, एक कार, तीन मोबाइल फोन और एक फावड़ा बरामद किया।

एसपी अखिल महाजन ने शनिवार को बताया कि राजस्थान के पाली जिले के जैथाराम निवासी कुमावत बुंडाराम, घनश्याम, माणिकचंद, लक्ष्मण और हैदराबाद के पाटनचेरु निवासी तेजपाल सिंह को हाल ही में शहर के अंबेडकर चौक पर एक दुकान का ताला तोड़कर सिगरेट चोरी करने में उनकी भूमिका के लिए पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान, इन पांचों ने कथित तौर पर शहर में सिगरेट के डिब्बे चुराने और महाराष्ट्र में भी इसी तरह का अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने माना कि वे आसानी से पैसा कमाने की आदत के कारण गिरोह बनाकर इन अपराधों को अंजाम देते थे। एक सूचना मिलने के बाद, उन्हें शहर में सिगरेट बेचने और इसी तरह का अपराध करने की कोशिश करते समय पकड़ा गया।

19 लाख रुपये के बकाया बिलों को लेकर पूर्व सरपंच ने आत्महत्या की कोशिश की

भूपालपल्ली, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के टेकुमतला मंडल में एक पूर्व सरपंच ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों के बकाया बिलों के भुगतान में देरी से परेशान होकर कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की।

शनिवार शाम टेकुमतला में हुई इस घटना में, अंकुशापुर गांव के पूर्व सरपंच पांडुगा श्रीनिवास यादव ने एमपीडीओ ऑफिस के सामने कीटनाशक पी लिया। उन्हें 19 लाख रुपये के बिलों का भुगतान किया जाना बाकी था।

उनके अनुसार, सरपंच के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने गांव में कई विकास कार्य किए थे और उन पर कर्ज हो गया था। इन कार्यों से जुड़े बिलों का भुगतान राज्य सरकार ने नहीं किया, जबकि वे पिछले कई महीनों से ऑफिस के चक्कर लगा रहे थे। कीटनाशक पीने के बाद श्रीनिवास यादव ने फोन पर अपने परिवार वालों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद वे उन्हें तुरंत इलाज के लिए चिट्याला कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले गए।

मुर्गों की लड़ाई और सट्टेबाजी के अड्डे पर छापा, 22 गिरफ्तार

3.60 लाख रुपये नकद, 31 लड़ाकू मुर्गे, 146 चाकू जब्त

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त की टास्क फोर्स, शमशाबाद जोन टीम ने आदिबटला पुलिस के साथ मिलकर मुर्गों की लड़ाई (कोडी पंडालु) और सट्टेबाजी के एक अड्डे का भंडाफोड़ करते हुए 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3,60,510 रुपये नकद, सट्टेबाजी में इस्तेमाल किए जा रहे 31 जीवित मुर्गे, 146 मुर्गों की लड़ाई वाले चाकू, 20 स्मार्ट फोन, स्कोर नोटबुक, तीन कारें और तीन दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, शमशाबाद जोन टास्क फोर्स की टीम और अडिबटला पुलिस ने अडिबटला थाना क्षेत्र के मन्नेगुड़ा स्थित आरटीओ कार्यालय के पीछे एक जुआ अड्डे पर छापा मारा। छापे के दौरान मौके पर मुर्गों की लड़ाई और जुए में शामिल लोग मिले। जांच में सामने आया कि आयोजक पहले से एक पुराने पोल्ट्री फार्म का संचालन कर रहे थे और वहां विशेष रूप से मुर्गों की लड़ाई के लिए मुर्गों को पाला जा रहा था। आयोजक आंध्र प्रदेश समेत विभिन्न स्थानों से सट्टेबाजों को बुलाते थे। उनके लिए भोजन की व्यवस्था करने के साथ ही मुर्गों की लड़ाई और जुए के आयोजन की पूरी व्यवस्था की जाती थी। पुलिस के मुताबिक, आयोजकों ने मुर्गों की लड़ाई और जुआ खेलने के लिए अलग-अलग टीमें भी बनाई थीं। मौके पर कुछ लोग ताश के जरिए जुआ खेलते हुए भी पाए गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3,60,510 रुपये नकद जब्त किए। इसके अलावा 31 जीवित लड़ाकू मुर्गे, जिनकी अनुमानित कीमत 9,30,000 रुपये बताई गई है, तथा 146 मुर्गों की लड़ाई वाले चाकू बरामद किए गए। पुलिस ने एक स्कोर नोटबुक और 20 स्मार्ट फोन भी जब्त किए। इसके साथ ही तीन कारें और तीन दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि मामले का मुख्य आयोजक और जमीन मालिक फरार हैं। विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 22 आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों और जब्त सामान को आगे की जांच के लिए अडिबटला थाने के प्रभारी अधिकारी को सौंप दिया गया है। पुलिस ने आम लोगों से जुआ, मुर्गों की लड़ाई और अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने तथा सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि इस तरह की संगठित गतिविधियों से सार्वजनिक शांति भंग होने, स्थानीय निवासियों को परेशानी होने और कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है। यह कार्रवाई शमशाबाद जोन के पुलिस निरीक्षक डी. कृष्ण मोहन, उपनिरीक्षक के. मंसूर अली, एन. नरसिंगा राव और शमशाबाद जोन टास्क फोर्स के कर्मचारियों ने अडिबटला पुलिस के साथ मिलकर की।

शिक्षा और आरक्षण से तेलंगाना में मुस्लिम युवाओं के जीवन में बदलाव : शब्बीर अली

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को कहा कि शिक्षा तक निरंतर पहुंच और सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के लिए 4% आरक्षण ने एक पीढ़ीगत परिवर्तन लाना शुरू कर दिया है, जिसके तहत मुस्लिम युवा तेजी से चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षण, कानून और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। मलकपेट स्थित एमईएससीओ सभागार में इकरा ग्रुप ऑफ डॉक्टर्स-हैदराबाद द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि समुदाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देकर, शिक्षकों और संस्था-निर्माताओं को मान्यता देकर और छात्रों के बीच अधिक अनुशासन सुनिश्चित करके इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, उन्होंने इकरा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2026 प्रदान किया और डॉ. मतीन और दिवंगत डॉ. फखरुद्दीन के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज अक्सर उन लोगों को उचित सम्मान देने में विफल रहता है जिन्होंने शिक्षा और सार्वजनिक सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और युवा पीढ़ी से उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। इकरा नाम का जिक्र करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि कुरान की पहली आयत में ही पढ़ने और सीखने पर जोर दिया गया है, लेकिन समुदाय शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ गया है। उन्होंने याद किया कि सरकार में आने से पहले, वे अस्पतालों का दौरा करते थे और डॉक्टरों की सूची में मुस्लिम नामों की तलाश करते थे, लेकिन अक्सर उन्हें बहुत कम नाम मिलते थे। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया कि मुसलमानों को व्यावसायिक शिक्षा तक अधिक पहुंच की आवश्यकता है। तेलंगाना में हाल ही में हुई लगभग 11,000 शिक्षकों की भर्ती का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 1,100 मुस्लिम उम्मीदवारों का चयन हुआ, जबकि अकेले 4% आरक्षण से लगभग 400 पदों का ही चयन हो पाता।

एसआईआर के तहत भाजपा के वोटों को हटाने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 6 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा एसआईआर के माध्यम से लक्षित वोटों को चुनिंदा रूप से हटाकर सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। सिकंदराबाद में बीआरएस के लिए काम करने वाले ओबीसी और मुन्नुरु कापू संगठनों से जुड़े युवा नेताओं के एक समूह का भाजपा में स्वागत करने के बाद वे एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

बीआरएस के युवा नेताओं का एक दल राज्य पार्टी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुआ, जिन्होंने पार्टी की शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया।

राव ने मुख्यमंत्री के इस आरोप को बेतुका बताया कि भाजपा एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से चुनिंदा वोटों को हटाकर सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि केरल में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस पार्टी विजयी हुई थी। उन्होंने पूछा कि केरल के चुनाव परिणामों पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की क्या टिप्पणी होगी और इस प्रक्रिया को भाजपा की चुनावी सफलता से कैसे जोड़ा जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने हार के डर से झूठे आरोप लगाए हैं, जो कांग्रेस सरकार के प्रति बढ़ते जनविरोध और राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से प्रेरित हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एसआईआर प्रक्रिया की आड़ में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर भाजपा समर्थक मतदाताओं के वोटों को हटाने की साजिश रच रही है।

पंडालों तक गणेश मूर्तियों को ले जाने से त्योहार का माहौल बना

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश चतुर्थी में बस एक हफ़्ता बचा है और शहर में गणेश मूर्तियों के सबसे बड़े केंद्र, धूलपेट में ज़ोर-शोर से काम चल रहा है। बड़ी-बड़ी मूर्तियों को खुली छत वाले ट्रकों पर चढ़ाया जा रहा है। ये मूर्तियाँ तंग गलियों से सावधानी से गुज़रती हैं और फिर युवाओं के साथ हैदराबाद की सड़कों पर आगे बढ़ती हैं, जिससे त्योहार का माहौल बन जाता है।

धूलपेट की धूल भरी, तंग गलियाँ अब भक्ति का केंद्र बन गई हैं। यहाँ से 3 फ़ीट से लेकर 20 फ़ीट से भी ज़्यादा ऊँची और हाथ से बारीकी से बनाई गई गणेश की मूर्तियाँ (कई तरह के रूपों और साइज़ में) आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ-साथ तेलंगाना के ज़िलों में भेजी जा रही हैं। शहर की मुख्य सड़कों पर, सैकड़ों किलोमीटर दूर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ रहे ये गणेश पंडाल त्योहार का माहौल बना रहे हैं।

हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट ने विनायक चतुर्थी के त्योहार के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी है और हाई-लेवल स्ट्रैटेजी मीटिंग्स के ज़रिए गणेश उत्सव समितियों के साथ तालमेल बिठाया है। पुलिस ने लोगों के लिए एडवाइज़री जारी की है और सुरक्षा योजनाएँ, पंडालों के लिए आग से सुरक्षा के उपाय और भीड़ को संभालने के सिस्टम तैयार किए हैं, खासकर खैरताबाद गणेश जैसे बड़े आयोजनों के लिए।

इस बीच, जीएचएमसी, साइबराबाद और मलकाजगिरी अधिकारी आने वाले गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए विसर्जन स्थलों (जिनमें छोटे तालाब भी शामिल हैं) को शॉर्टलिस्ट कर रहे हैं। जीएचएमसी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि छोटे तालाबों की सही जगहों के साथ एक फ़ाइनल ब्लूप्रिंट एक-दो दिन में जारी किया जाएगा।

हर साल, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से हज़ारों कारीगर त्योहार के मौसम से कई महीने पहले यहाँ आते हैं। वे अपने साथ मूर्तियां बनाने, उन्हें रंगने और तराशने की पीढ़ियों पुरानी कला लेकर आते हैं। वे महीनों तक धूलपेट की तंग वर्कशॉप में रहते हैं, जहां वे कच्ची मिट्टी और पुआल में जान डालकर देवी-देवताओं की दिव्य कल्पनाओं को शानदार हकीकत का रूप देते हैं।

हैदराबाद के गणेश पंडालों की भव्यता के पीछे धूलपेट के प्रवासी कारीगरों का खामोश त्याग छिपा है; इनमें से कई कारीगर मौसमी काम के लिए सैकड़ों मील का सफर तय करके और अपने परिवारों को पीछे छोड़कर यहां आते हैं।

कारीगर बताते हैं कि वे त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए तय समय-सीमा के भीतर मिट्टी और प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां बनाने में महीनों बिताते हैं। इतने बड़े पैमाने पर होने वाले इन आयोजनों के बावजूद, उन्हें इस सीजन से होने वाली कमाई का बहुत छोटा हिस्सा ही मिल पाता है। कुछ कारीगरों का कहना है कि इन महीनों में हुई कमाई से ही उनके घर का खर्च अगले त्योहार के सीजन तक चलता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.